जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 391 प्रभात हिण्डौन सिटी, शुक्रवार 5 दिसम्बर, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अमेरिका को अंगूठा दिखाकर भारत पुतिन के स्वागत में लगा हुआ है

वर्तमान परिस्थितियों में भारत-रूस आलिंगन दोनों देशों के लिए सुख की अनुभूति है, क्योंकि दोनों देशों को अमेरिका ने काफी घायल किया है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के आगमन का भारत जश्न मना रहा है, जबकि यूक्रेन युद्ध के कारण पुतिन वैश्विक मंच पर लगभग 'अलग-थलग' पड़े हुए हैं। यह स्वागत कुछ हद तक अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प को चुनौती देने के लिए बड़ी शान-ओ-शौकत से किया जा रहा है।

फिलहाल भारत-रूस की नज़दीकियाँ दोनों देशों के लिए सुविधाजनक हैं। भारत को अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा व्यापार और टैरिफ के मसले पर कड़ा झटका लगा है। ट्रम्प ने अमेरिकी बाज़ार में आने वाले भारतीय उत्पादों पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया, जिससे भारत के अधिकतर निर्यात अमेरिकी बाजार में मुकाबले के लायक नहीं रहे।

- भारत के सामान पर ट्रंप की मनमर्जी से 50 प्रतिशत टैरिफ लगा हुआ है तथा रूस को आर्थिक व व्यावसायिक प्रतिबंध लगाकर अकेला तथा अलग-थलग पटकने का प्रयास किया है, पश्चिमी देशों ने। पर, भारत में भारी स्वागत से रूस को यह दिखाने का मौका मिल गया है कि पश्चिमी देशों का यह प्रयास पूर्णतया सफल नहीं है।
- पर, भारत-रूस के आलिंगन की गर्मी भारत की सामरिक दुर्बलता को छुपा नहीं पा रही। भारत, रूस पर पूरी तरह निर्भर सा हो गया है, रूस से हथियार की सप्लाई पर।
- पर, अगर भारत-चीन के बीच सीमा पर मतभेद व कहासुनी की घटना गंभीर हो गई और सामरिक युद्ध में परिवर्तित हो गई तो क्या रूस इन हथियारों की अनवरत सप्लाई जारी रख सकेगा?

इसलिए भारत रूस के साथ अपने "विशेष रिश्ते" को एक कूटनीतिक ताकत (डिप्लोमैटिक एसैट) की तरह दिखाना चाहता है। दूसरी ओर, रूस पश्चिमी देशों से अलग-थलग होने के कारण यह दिखाना चाहता है कि उसकी भारत के साथ मजबूत साझेदारी इस बात का साफ सबूत है कि पश्चिमी देश रुस को डिप्लोमैटिक रुप से अलग-थलग करने में नाकाम रहे हैं।

तथापि, इस दोस्ती के पूरे प्रदर्शन और खास दोस्ती की बातें भारत की स्थिति की कई कमजोरियों को छुपाती हैं।

भारत अपनी रक्षा ज़रूरतों के लिए रूसी हथियारों और सैन्य प्रणालियों पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत में आज से लाँच होगा, "रशिया टुडे" नैटवर्क

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की आज से शुरू हुई दो दिन की भारत यात्रा का एक दिलचस्प पहलू यह है कि शुक्रवार को वे "रशिया टुडे" वैश्विक नेटवर्क के भारतीय संस्करण "आरटी इंडिया" का शुभारंभ करेंगे, जिसमें सौ सदस्यीय स्टाफ होगा।

- रूस के राष्ट्रपति पुतिन रूस के वैश्विक समाचार नैटवर्क, रशिया टुडे के भारतीय संस्करण "आर टी इंडिया" का उद्घाटन करेंगे। इसके लिए दिल्ली के एक फाइव स्टार होटल में अस्थायी स्टूडियो बनाया गया है।

नई दिल्ली के एक पाँच सितारा होटल में एक अत्याधुनिक, लेकिन अस्थायी, स्टूडियो तैयार किया जा चुका है। "आरटी इंडिया" चार दैनिक समाचार कार्यक्रम प्रसारित करने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य है: "भारत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'विदेशी प्रतिनिधियों को नेता प्रतिपक्ष से मिलने भी नहीं देते'

राहुल गांधी ने केन्द्र सरकार पर गंभीर असुरक्षा से ग्रस्त होने का आरोप लगाया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। विपक्ष के नेता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र की भाजपा सरकार पर असुरक्षा की भावना रखने और भारत आने वाले विदेशी मेहमानों को विपक्ष के नेता से मिलने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह और अन्य पूर्व प्रधानमंत्रियों के समय में यह परंपरा थी कि भारत आने वाले विदेशी प्रतिनिधि विपक्ष के नेता से भी मिलते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। अब मोदी और उनकी सरकार का संकेत है कि ऐसा नहीं होना चाहिए, और ऐसी सभी मुलाकातों को हतोत्साहित किया जाता है।

- राहुल ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह व अन्य सभी प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल के दौरान, यह परम्परा थी कि विदेशी प्रतिनिधियों की नेता प्रतिपक्ष से भी मीटिंग होती थी।
- राहुल ने आरोप लगाया कि जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं इस परम्परा को हतोत्साहित किया गया है।
- संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए राहुल ने यह भी कहा कि जब वे विदेश जाते हैं तो विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास उस देश की सरकार से नेता प्रतिपक्ष से नहीं मिलने का आग्रह करते हैं।
- राहुल ने कहा, विपक्ष भी देश की तरफ से ही बोलता है, पर, भाजपा तो विपक्षी दलों को भारत विरोधी मानती है।

संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए राहुल गांधी ने यह बात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की भारत यात्रा के संदर्भ में कही, और इस बात की ओर ध्यान दिलाया कि उनकी और पुतिन की मुलाकात का कोई कार्यक्रम तय नहीं किया गया है।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि जब वे विदेश यात्रा पर जाते हैं, तो विदेश मंत्रालय और वहाँ का भारतीय दूतावास उस देश की सरकार को संकेत देते हैं कि वे विपक्ष के नेता से न मिलें। उन्होंने कहा कि यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के निर्देशों पर किया जाता है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष भी देश की ओर से बात करता है और अपनी सोच साझा करता है, लेकिन मोदी को लगता है कि विपक्ष 'एंटी-इंडिया' है और उसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान आशंकित पुतिन की भारत यात्रा से

उसका मानना है कि यह यात्रा केवल "डिप्लोमैटिक" औपचारिकता नहीं है, यह संकेत है, पुतिन की ओर से कि रूस को भारत की सैनिक क्षमताओं को और मजबूत करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है

- सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 दिसंबर। पाकिस्तान, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा को गहरी चिंता के साथ देख रहा है। पाकिस्तान को लगता है कि यह दौरा क्षेत्रीय रणनीतिक संतुलन को भारत के पक्ष में और झुका सकता है। इस्लामाबाद के लिए भारत-रूस के बीच गहरे रक्षा सहयोग की उम्मीद, खासतौर पर इस साल की शुरुआत में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूसी सिस्टम की प्रभावी भूमिका की रिपोर्टों के बाद बहुत परेशान करने वाली है। भारत द्वारा अतिरिक्त एस-400 सिस्टम लेना, उन्नत एस-500 प्लेटफॉर्म पर चर्चा करना, या पांचवीं पीढ़ी के सू-57 जैसे लड़ाकू विमानों पर

- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, रूस की एस-400 यूनिट की सफलता बड़ी उल्लेखनीय थी। अतः पाकिस्तान चिंतित है कि भारत और एडवांस्ड एस-500 यूनिट्स प्राप्त करने में सफल न हो जाए तथा आपसी बातचीत में रूस से फिफ्थ-जनरेशन सू-57 लड़ाकू विमान लेने के बारे में कुछ सहमति प्राप्त न कर ले।

बातचीत शुरू करना, ये सभी संभावनाएँ पाकिस्तान की उस चिंता को बढ़ाती हैं कि उसकी पहले से कमज़ोर होती डिफैंस केपबिलिटी और भी कमज़ोर हो सकती है। पाकिस्तान की नज़र में यह यात्रा सिर्फ औपचारिक कूटनीति नहीं है, यह इस बात का संकेत है कि मॉस्को भारत की सैन्य ताकत को मजबूत करने के लिए और ज़्यादा तैयार है, ऐसे समय में जबकि, पाकिस्तान के अपने रणनीतिक विकल्प तेजी से घट रहे हैं।

इस माहौल में, ट्रम्प प्रशासन के तहत अमेरिका पुतिन की भारत यात्रा को चिंता और मजबूरी के मिले-जुले भाव से देख रहा है। वॉशिंगटन को भारत-रूस रक्षा रिश्तों में किसी नई तेजी से असहजता है, खासकर अगर एस-400 कार्यक्रम का विस्तार होता है या भारत अगली पीढ़ी की रूसी तकनीक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई भर्ती 2021 में एसओजी ने एक और गिरफ्तारी की

जयपुर, 4 दिसम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने राजस्थान की बहुचर्चित उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक कांड में अपनी कार्रवाई तेज करते हुए उस अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया है, जिसने लीक हुए सॉल्व्ड पेपर को पढ़कर परीक्षा में बहुत ज्यादा अंक प्राप्त किए थे।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि

- आरोपी ने आठ लाख रूपए में सॉल्वड पेपर खरीदे थे।

उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 के प्रकरण के जांच दौरान महेन्द्र कुमार चौधरी (34) निवासी सामोद जयपुर ग्रामीण की संलिप्तता सामने आई। जांच में पता चला कि चौधरी ने पेपर लीक के सरगना विनोद कुमार जाट उर्फ विनोद रेबाड़ से 8 लाख में सौदा किया और उसने 14 सितम्बर 2021 को परीक्षा से पूर्व दोनों पारियों के हल किए गए पेपर पढ़कर परीक्षा दी थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दस सालों से अटकी पनडुब्बी डील भी फाइनल हुई पुतिन के आने से पहले

भारत को 2 अरब डॉलर में दस साल की लीज़ पर एक न्यूक्लियर पावर्ड पनडुब्बी देगा रूस

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। भारत, रूस से एक न्यूक्लियर-पावर्ड पनडुब्बी को लीज़ पर लेने के लिए लगभग 2 बिलियन डॉलर का भुगतान करेगा, एक दशक से अधिक चली बातचीत के बाद आखिरकार पुतिन के नई दिल्ली आने के समय यह डील हुई है। हालांकि, यह पनडुब्बी प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए होगी और इसका इस्तेमाल किसी भी युद्ध में नहीं किया जा सकेगा।

रूस से हमलावर पनडुब्बी लीज़ पर लेने की बातचीत कई सालों तक मूल्य पर अटकी रही थी। पहचान उजागर करने से इन्कार करने वाले लोगों ने बताया कि अब दोनों पक्षों में इस समझौते पर सहमति बन गई है। नवंबर में भारतीय अधिकारियों ने रूस के एक शिपयार्ड का दौरा किया था। अब उम्मीद जताई जा रही है कि भारत को

- लीज़ की शर्तों के अनुसार, युद्ध के लिए बनी इस पनडुब्बी का उपयोग भारत सिर्फ प्रशिक्षण के लिए ही कर सकेगा और इसकी मदद से अपने न्यूक्लियर बोट संचालन को और बेहतर बना सकेगा।
- भारत ने इससे पहले भी रूस से बोट दस साल की लीज़ पर ली थी, जिसे 2024 में लौटा दिया गया था।

पनडुब्बी अगले दो वर्षों में मिल जाएगी, हालांकि परियोजना की जटिलता के कारण यह समय सीमा कुछ अधिक भी हो सकती है।

पुतिन गुरुवार को भारत आ रहे हैं, वर्ष 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद यह उनका भारत का पहला दौरा होगा। वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलेंगे और दोनों देशों के बीच रक्षा और ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।

हाल के महीनों में मोदी ने रूस और चीन के साथ संबंधों को बढ़ावा दिया है, खासकर तब, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत के सामान पर 50 प्रतिशत की उच्च टैरिफ दरें लगा दी थीं। मोदी सरकार वर्तमान में अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रही है, ताकि इन शुल्कों को कम किया जा सके। ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने के खिलाफ भारत पर दबाव बनाने के हिस्से के रूप में यह टैरिफ लगाया था, ताकि वह पुतिन से यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए दबाव बना सकें।

पुतिन की यात्रा से पहले, भारत के नौसेना प्रमुख डॉ. दिनेश के त्रिपाठी ने इस सप्ताह संवाददाताओं से कहा कि हमलावर पनडुब्बी की कमीशनिंग जल्द ही होने की उम्मीद है, हालांकि उन्होंने इसका विवरण नहीं दिया। यह पनडुब्बी भारतीय नौसेना के बेड़े में पहले से मौजूद दो पनडुब्बियों से बड़ी होगी।

भारत के विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने इस बारे में अधिक जानकारी के लिए भेजे गए ईमेलों का जवाब नहीं दिया। रूस के विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और रोसोबोरोनएक्सपोर्ट ने भी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

भारत ने न्यूक्लियर-कैपेबल पनडुब्बी-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल विकसित किए हैं, जो सिद्धांत रूप में उसे परमाणु हथियारों का "त्रिकोण" (जमीन, सागर और हवा) प्रदान करते हैं, जैसा कि न्यूक्लियर थ्रेट इनिशिएटिव (एनटीआई) की रिपोर्ट में बताया गया है।

न्यूक्लियर पावर्ड पनडुब्बियाँ डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों से कहीं अधिक श्रेष्ठ होती हैं। वे सामान्यतः बड़ी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल का निधन

नयी दिल्ली, 04 दिसंबर। जाने-माने अधिवक्ता एवं मिजोरम के पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल का गुरुवार को यहां निधन हो गया। वह 73 साल थे।

स्वराज का शाम साढ़े चार बजे लोधी रोड श्मशान घाट में अंतिम

- राष्ट्रपति मुर्मू, प्र.मंत्री मोदी और स्पीकर ओम बिड़ला ने स्वराज कौशल को श्रद्धांजलि दी। स्वराज कौशल भाजपा की जानी-मानी नेता स्व. सुषमा स्वराज के पति थे।

संस्कार कर दिया गया। उनकी पुत्री एवं नयी दिल्ली सीट से सांसद बांसुरी स्वराज ने उन्हें मुखाग्नि दी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विदेश यात्रा के दौरान पुतिन का खुद का अलग खुफिया "सिक्यूरिटी" सिस्टम साथ चलता है

उनकी सिक्यूरिटी में स्नाइपर्स, ड्रोन ऑपरेटर, इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस विशेषज्ञ व कम्यूनिकेशन यूनिट्स होती हैं

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 दिसंबर। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की भारत यात्रा ने एक बार फिर उनकी विदेश यात्रा से जुड़ी सख्त और गुप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं पर ध्यान केन्द्रित किया है। जहां मेज़बान देशों द्वारा अपनी व्यवस्थाएं की जाती हैं, वहीं पुतिन की यात्राएं अत्यधिक सतर्कता, सख्त लॉजिस्टिक नियंत्रण और एक सुरक्षा नेटवर्क द्वारा परिभाषित होती हैं, जो अधिकांशतः सार्वजनिक नजरों से दूर रह कर काम करता है।

"फेडरल प्रोटेक्टिव सर्विस (एफएसओ)", जो रूस की सबसे गुप्त सुरक्षा एजेंसियों में से एक है, इन व्यवस्थाओं की देखरेख करती है और यह सुनिश्चित करती है कि परिवहन से लेकर व्यक्तिगत सुरक्षा तक हर विवरण सुरक्षित रहे।

पुतिन के नज़र आने वाले बॉडीगार्ड्स तो एक जटिल सुरक्षा नेटवर्क की सतह मात्र हैं।

- उनकी सुरक्षा में लगे पर्सनल गार्ड, बड़ी बारीकी से चयनित सैनिक होते हैं, जिनकी आयु 35 वर्ष से कम होती है, शारीरिक दृष्टि से फिट, कॉम्बैट रैडी व दृढ़ संकल्पित होते हैं, जिनका बैकग्राउण्ड अच्छी तरह चैक किया हुआ होता है तथा वफादारी को भी कई बार "टैस्ट" किया जा चुका होता है।
- पुतिन का खाना बनाने वाले रसोइए, दस्ताने तो पहने हुए ही रहते हैं, उन्हें दिन में कई बार अपनी "ड्रेस" बदलनी होती है तथा उनकी रसोई में जाने वाले हर माल-मसाले का खूब निरीक्षण होता है और जहाँ भी पुतिन जाएं, चाहे वह बिज़नैस यात्रा हो या छुट्टियों में वेकेशन अथवा कोई प्राइवेट निजी आयोजन, यह सारी सुरक्षा टीम उनके साथ रहती है।
- एक असाधारण बात यह है कि पुतिन के बॉडी वेस्ट (मल-मूत्र आदि), एक सील्ड ब्रीफ केस में रखकर सीधे मॉस्को भेजा जाता है, जिससे कोई भी विदेशी खुफिया एजेंसी पुतिन के स्वास्थ्य के बारे में कोई आंकलन न लगा सके।
- वैसे स्वयं पुतिन मोबाइल फोन का उपयोग करने से परहेज रखते हैं और कई बार तो स्पेशल ट्रेन से ही यात्रा करते हैं।

"मॉडर्न.एज़ैड" के अनुसार, एफएसओ, जिसे केजीबी प्रोटोकॉल द्वारा तैयार किया गया है, एक विशाल सुरक्षा तंत्र की देखरेख करती है।

उनके व्यक्तिगत गार्ड्स प्रैसिडैंशियल सिक्यूरिटी सर्विस से आते हैं, जिन्हें एक कठोर चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुना जाता है। इस सेवा के उम्मीदवारों को 35 वर्ष से कम आयु का, 180 सेंटीमीटर से अधिक लंबा, शारीरिक रूप से फिट, मुकाबले के लिए हर क्षण तैयार और मानसिक रूप से सक्षम होना चाहिए। विदेशी भाषा कौशल, पृष्ठभूमि की गहन जाँच और वफादारी परीक्षण इनके लिए अनिवार्य होते हैं।

पूर्व बॉडीगार्ड ग्लेब कराकुलोव, जो 2023 में रूस से भाग गए थे, ने पुतिन की गोपनीय जीवनशैली का विवरण दिया, जिसमें मोबाइल फोन से दूर रहने और कभी-कभी विशेष ट्रेन से यात्रा करने का उल्लेख है। पुतिन के सुरक्षा नेटवर्क में स्नाइपर्स, ड्रोन ऑपरेटर, इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस विशेषज्ञ और संचार इकाइयाँ भी शामिल हैं।

रसोइयों के लिए प्राथमिक नियमों में अनिवार्य रूप से हाथों की जाँच, ग्लव्स पहनना और दिन में कई बार यूनिफॉर्म बदलना शामिल है। राष्ट्रपति की रसोई में आने वाली हर सामग्री का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया जाता है। "मॉडर्न.एज़ैड" के अनुसार, इन कड़े नियंत्रणों के बावजूद, राष्ट्रपति के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेश जोशी ने ईडी को पासपोर्ट सरेंडर किया

जयपुर, 4 दिसंबर। जल जीवन मिशन से जुडे 900 करोड रुपए के घोटाले से जुडे मामले में सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत मिलने के बाद पूर्व मंत्री महेश जोशी ईडी कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने

- सुप्रीम कोर्ट ने जोशी की जमानत पर यह शर्त लगाई थी।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से लगाई शर्त की पालना में ईडी कोर्ट में अपना पासपोर्ट सरेंडर कर दिया।

अदालत ने प्रकरण में 16 दिसंबर को सुनवाई रखी है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई करते हुए महेश जोशी को सशर्त जमानत देते हुए कहा था कि वे ईडी कोर्ट में अपना पासपोर्ट सरेंडर करें और बिना अनुमति देश छोड़कर नहीं जाए।

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

जन आन्दोलन को नया रूप देना होगा

'भारत छोड़ो' अथवा अगस्त क्रान्ति का आन्दोलन गांधीजी के नेतृत्व में था। गांधी ने हमें आन्दोलन करना सिखाया, सत्याग्रह का सार समझाया, भूख हड़ताल को हथियार के रूप में प्रयोग किया और देश की समग्र जनता उनकी हो ली, क्योंकि सत्य उनके साथ था, अहिंसा उनका शस्त्र था और उस समय की गंगा की तरह उनका चरित्र था। 'भारत छोड़ो' अंग्रेजों 'भारत छोड़ो' आन्दोलन को उसी समय सफलता मिली थी जब वह जनता का आन्दोलन बना। दिनांक 8 अप्रेल, 1942 तक देश के सभी प्रथम व द्वितीय श्रेणी के नेता गिरफ्तार हो चुके थे और आन्दोलन नेतृत्व विहीन हो गया था और सही अर्थों में वही आन्दोलन जनताका सफल आन्दोलन बन गया और देश आजाद हो गया हमने स्वतंत्रता प्राप्त कर ली।

दिल्ली गेंगरेप की दुःखद घटना से उपजा जन आक्रोश जनता का आन्दोलन बन गया। वह आन्दोलन राजनेताओं के नेतृत्व से विहीन था, यही थी उसकी सफलता। केजीरवाल इस आधार पर अपना स्थान बना पाये कि वे 'आम आदमी' की टोपी सर पर रखकर आये थे। एक नहीं अनेक उदाहरण हैं जहां भी आन्दोलन हुआ वह जनताका आन्दोलन था। दिल्ली में फास्ट ट्रैक कोर्ट (एफटीसी) की स्थापना हुई, जब देश भर में बलात्कार की घटनायें हो रही थीं। जनता ने आवाज उठाई, समूचे देश में ही फास्ट ट्रैक कोर्ट क्यों न हो? कोर्ट खोली गईं।

जनता का आक्रोश जब सहन करने की सीमा पार कर लेता है तो जनता का गुस्सा फूट पड़ता है।

वर्तमान में जनता का आक्रोश सरकार के विरूद्ध भी है और न्याय व्यवस्था के विरूद्ध भी। दोनों में अन्तर है। राजनेता के प्रति विश्वास खण्डित हो चुका है; किन्तु न्यायालय में विश्वास अभी जीवित है।

विश्वास में सुधार संभव है, किन्तु वह केवल न्याय व्यवस्था में सुधार द्वारा ही हो सकता है। कानून की पालना निष्ठा के साथ हो। जहां कानून बनाने वाले व्यक्ति समझदार हों, शिक्षित हों, सद्चरित्र हों, जिन्हें अपने उन कर्त्तव्यों की जानकारी हो, जिनका उल्लोख संविधान के अनुच्छेद 51क में किया गया है। जिनका विश्वास, समता, समरसता व समानता में हो, जिनमें देश हित प्रधान हो, न कि पार्टी, धर्म व जाति विशेष का हो। देश अपना है इसे मिल जुलकर जनता का कल्याणकारी राज्य बनाना है, ऐसा राज्य जिसकी कल्पना संविधान के भाग-4 में राज्य की नीति के निदेशक तत्वों के रूप में की गई है और जहां मूल अधिकारों के साथ उनका संतुलन हो।

समय की पुकार है लोकतंत्र में जो व्यक्ति नागरिक के कर्त्तव्यों की पालना नहीं करता है उसे चुनाव लडने से वंचित किया जाना चाहिये। उम्मीदवार, सद्चरित्रवान हो, दागी नहीं होना चाहिये, जातिवाद व धर्म के नाम पर मतदान नहीं होना चाहिये। चुनाव में महिला व युवाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया जाना चाहिये। चुनाव में व्यक्ति कितनी बार खडा हो इसकी संख्या तय होनी चाहिये। जो पिछड़ा नहीं रहा, उसके स्थान पर अति पिछड़े रहे व्यक्ति को प्रतिनिधित्व देना सामाजिक न्याय है, इसकी पालना होनी चाहिये। संवैधानिक संस्थाओं का आदर करना प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य है, जिसे अनुच्छेद 51क (क) में स्पष्ट कहा गया है। किसी व्यक्ति को चोर कहना भी मानहानि का अपराध हो सकता है। वाक् स्वातंत्र अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक गरिमामय अधिकार, अनुच्छेद 19(1)(क) के तहत् नागरिक को प्राप्त है किन्तु वह अक्षुण्ण नहीं है इसे भी अनुच्छेद 19(2) में सीमित किया है; क्योंकि अनियमित स्वतंत्रता या प्रेस की निरंकुश स्वतंत्रता पब्लिक आर्डर के लिये कभी भी संकट पैदा कर सकती है।

समय की पुकार है लोकतंत्र में जो व्यक्ति नागरिक के कर्त्तव्यों की पालना नहीं करता है उसे चुनाव लडने से वंचित किया जाना चाहिये। उम्मीदवार, सद्चरित्रवान हो, दागी नहीं होना चाहिये, जातिवाद व धर्म के नाम पर मतदान नहीं होना चाहिये। चुनाव में महिला व युवाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया जाना चाहिये। चुनाव में व्यक्ति कितनी बार खड़ा हो इसकी संख्या तय होनी चाहिये। जो पिछड़ा नहीं रहा, उसके स्थान पर अति पिछड़े रहे व्यक्ति को प्रतिनिधित्व देना सामाजिक न्याय है, इसकी पालना होनी चाहिये।

कांग्रेस सरकार ने आरटीआई लाकर देश में वाही वाही हासिल की थी। पार्टी ने पैरवी की थी कि वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मूर्तरूप दे रही है। देश की सभी राज्य सरकारें की सभी योजनायें उनके आदर्श टिप्पणियां और कार्य के तरीके खुली किताब की तरह होंगे, वे जनता के प्रति उत्तरदायी होंगे। यही धारणा आरटीआई कानून की आधार शिला बनी थी।

देश के प्रसिद्ध जूरिस्ट व यशस्वी न्यायाधीश बी.आर. कृष्णा अय्यर ने एक पत्र, जो उन्होंने दिनांक 26.12.1989 को उस समय के प्रधानमंत्री को लिखा था कि सूचना का अधिकार और सरकार से जानकारी प्राप्त करने का अधिकार प्रत्येक नागरिक को प्राप्त होना चाहिये। हमारा संविधान यह अधिकार देता है। कई निर्णयों में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जनसेवक की जनवादी गतिविधियां पारदर्शी होनी चाहिये। राजस्थान में आरटीआई आन्दोलन को जनवादी आन्दोलन बनाने का श्रेय यशस्वी सामाजिक कार्यकर्त्ता एवं रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित अरूणा रॉय को जाता है, उन्होंने यह जानकारी आन्दोलन राजस्थान के व्यावर शहर से 1996 से प्रारम्भ किया था और राज्य के 33 जिलों में यात्रा निकाली थी। राजस्थान राज्य सम्भव: प्रथम राज्य था जहां राज्य ने सूचना के अधिकार को कानूनी जामा पहिनाया। केन्द्र का आरटीआई कानून, 2005 में बना। आरटीआई 31 धाराओं से बना कानून है। नागरिक को प्रत्येक पब्लिक ऑथोरिटी से जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है। वह सरकारी पत्रावली को देख सकता है, उनसे नोट ले सकता है। नकल की प्रमाणिक प्रतिलिपि कुछ दस्तावेजों के अपवाद के साथ प्राप्त कर सकता है। इसी कानून के तहत चुनाव आयोग ने अपेक्षा की कि प्रत्येक मतदाता को अधिकार प्राप्त है कि जो व्यक्ति उसके हेतु कानून बनाने जा रहा है, उसका चरित्र कैसा है क्या वह दागी है, तो किन-2 मुकदमों में और उसकी योग्यता क्या है?

आज जनता अपने इस अधिकार से भलीभांति परिचित है, उसका परिणाम है प्रशासनिक क्षेत्र के मामलों में घोटाले उजागर हो रहे हैं। घोटाले करने वालों को चाहे वह बड़ा नेता हो व्यापारी हो या मंत्री उसे भी जेल जाना पडा है। जनका के लिये सूचना का अधिकार जनतंत्र की बडी जीत है।

पुन: इसी प्रकार का एक अन्य कानून 'जवाब देही कानून पास करो' का जन आन्दोलन अरूणा रॉय ने व्यावर से ही प्रारम्भ किया है। व्यावर से पदयात्रा प्रारम्भ हुई है और 26 नवम्बर को वह जयपुर में समाप्त हुई है। इस जन आन्दोलन में मांग की गई है कि राजस्थान जवाब देही विधेयक शीघ्र पारित हो, सुनवाई का अधिकार अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन हो आदि। अरूणा रॉय ने कहा कि यह कानून केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने का माध्यम नहीं है अपितु नागरिकों के अधिकारों को सशक्त करने का हथियार है। आशा है, राज्य के प्रगतिशील व राज्य के विकास को गति देने वाले लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा इस कानून की परीक्षा कर इसे जनहित में पारित कर लागू करेंगे।

संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी व कांग्रेस की अन्य सहयोगी पार्टियों ने एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग को घेरने की कार्यवाही जो बिहार के चुनाव पर की गई वह केवल एक व्यक्ति की महत्वाकांक्षा के कारण थी, वह जन आन्दोलन नहीं था। फलस्वरूप जनता ने उनके आन्दोलन को व आरोपों को नकार दिया और कांग्रेस पार्टी केवल एक डिजीट् तक की सीटें प्राप्त कर सकी।

आरटीआई अधिनियम व जवाब देही कानून एक दूसरे के पूरक हैं। आप इनके माध्यम से अपने अधिकारों को समझ सकेंगे और अपने ज्ञान का विस्तार कर गरिमा मय जीवन की कला को सीख पायेंगे। शास्त्रों ने इसी सन्दर्भ में कहा है, 'आ नो भद्रा: क्रतवो यन्तु विश्वत:' अर्थात् ज्ञान का प्रकाश सब ओर से आने दो।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

SIR..... यस सर :: ..... सिरदर्द!

राम निवास बैरवा

".....संविधान अच्छा है या बुरा, यह उसको लागू करने वालों पर निर्भर करेगा। एक अच्छा संविधान बुरे हाथों से गलत परिणाम देगा और अच्छे हाथों से एक बुरा संविधान भी अच्छा साबित हो सकता है।"

कुछ इसी तरह के विचार डॉ. अम्बेडकर ने संविधान सभा की अन्तिम बैठक में व्यक्त किए थे।

संविधान अपने आप को लागू करने वालों को सत्ता के शिखर तक पहुंचता है, लेकिन वे संविधान को लागू करने में अच्छे साबित होते है या बुरे, यह जांच-पड़ताल का विषय है जो स्वयं संविधान में लिखे मूल अधिकारों और राज्यों की नीति के निदेशक सिद्धांतों की कसौटी पर ही परखे जा सकते हैं, किसी कानून या सुप्रीम कोर्ट की विचारधारा से नहीं, क्योंकि कानून स्वयं संकवधान को लागू करने वालों के द्वारा बनाये जाते हैं और सुप्रीम कोर्ट की विचारधारा कानूनो से बंधी होती है।

दिनांक 22 जुलाई, 2025 के 'राष्ट्रदूत' में मेरा एक लेख 'मतदाता सूची; 1952-नाम जोड़ो, 2025 नाम काटो (52-25; "संदर्भ बिहार विधानसभा चुनाव" प्रकाशित हुआ था। बिहार विधानसभा चुनावों के परिणाम आ चुके हैं। उसी से उत्साहित होकर 12 अन्य राज्यों में भी मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण शुरू किया गया है, जिसे दस दिसम्बर, 2025 तक पूरा करना है। इस दौरान कितने बी.एल.ओ. किस-किस वजह से मरे, यह बात अलग है, लेकिन केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पंजाब आदि राज्यों ने SIR प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट में मामले दाखिल किये हैं, लेकिन, 26.11.2025 को नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश ने मामले की सुनवाई टिप्पणी की कि, "चुनाव आयोग को संविधान और कानूनी दृष्टि से मतदाता सूचियों का विशेष पुनरीक्षण करवाने का अधिकार है।"

संविधान सरकार को भी बहुत कुछ करने के लिए अधिकृत करता है तो उसके अधीन निर्मित संवैधानिक संस्थानों को भी बहुत कुछ अधिकार देता है। यदि सत्ताधारी लोगों और पार्टियों को कुछ स्वेच्छानुसार सही नहीं लगता है तो उसके कानून बनाकर उन्हें मनमाफिक बना देता है।

चुनाव आयोग, इस प्रकार से सत्ताधारी पार्टी के इरादो का प्रबंधक सा बना नजर आता है, जिससे किये गये किसी प्रश्न का उत्तर चुनाव आयुक्त नहीं देकर सत्तासीन भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न प्रवक्ता देते हैं और वे चुनाव आयोग का बचाव करते है।

2002 की मतदाता सूची को आधार मानकर मतदाता सूचियों का व्यापक विशेष पुनरीक्षण करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार हो सकता है लेकिन चुनावी प्रबंधन की दृष्टि से सही नहीं कहा जा सकता। क्योंकि 2002 में ऐसा ही पुनरीक्षण किया गया था उसी सूची का पुनरीक्षण करके क्या हासिल किया जा रहा है! जबकि वह 23 वर्ष पुरानी हो चुकी है। इन 23 वर्षों के दौरान कितने नये नाम जुड़े हैं, उनका क्या होगा?

अशिक्षित, अप्रशिक्षित, प्रवासी व्यक्ति निश्चय ही अब उस स्थान पर नहीं मिलेंगे जहां उनका नाम है, परन्तु मतदान के लिए वे वहां आने के भरसक प्रयास करते हैं। साथ में उनका परिवार भी होता है।

इसी में छिपा है चुनावों के लड्डू जिन्हें खाने को लालयित है सत्ताधारी पार्टी।

सत्ताधारी पार्टी के व्यवहारिक चरित्र का आंकलन सरकारी ताम-झाम के आचार-व्यवहार में दिखाई देता है। 1861 के पुलिक कानून की धारा 3 के अनुसार सारी पुलिस सरकार की नौकर है, वह संविधान या जनता के प्रति उत्तरदायी या जवाबदेह नहीं है। उसी प्रकार आई.ए.एस. अधिकारी भी सरकार के नौकर हैं, संविधान के नहीं। उन्हें संविधान तब ही याद आता है।

जब उनकी सेवायें खतरे में पड़ती हैं और अनुच्छेद 311 की शरण लेते हैं। चुनाव आयुक्त अपनी जगह अपनी प्रतिबद्धताओं के साथ डंटा है जो कि कोई आई.ए.एस. अफसर ही है। लेकिन, जिला कलेक्टर लोग जो कि जिला निर्वाचन अधिकारी भी होते हैं, उन्हें ही मतदाताओं के अधिकारों का रक्षक होना चाहिए, इसके विपरीत वे सरकार की इच्छाओं, उनकी योजनाओं को लागू करने का बीड़ा उठाये हैं.... यस सर!

कितने नाम काटे जायेंगे, किन लोगों के काटे जायेंगे, यह चुनाव परिणामों से साफ समझा जा सकता है।

इस पुनरीक्षण का यह भी परिणाम होगा कि 23 वर्षों के दौरान जोड़ें गये नामों में से ज्यादातर 2014 के बाद में जोड़े गये हैं, जिनसे ज्यादा समस्या नहीं होगी क्योंकि उनके पास मांगे जा रहे दस्तावजे होगें। जिनके पास नहीं होगें वे वे ही लोग हैं जो मजदूरी के लिए अन्य प्रांतों में गये है, मजदूर हैं, किसान हैं।

कहीं ऐसा तो नहीं है कि भारत में स्वतन्त्र सार्विक मताधिकार को चुनिंदा मताधिकार में बदलने का प्रयास किया जा रहा हो?

डॉ. अम्बेडकर के संविधान सभा में दिये अन्तिम भाषण का यही तात्पर्य है।

- राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

अनुशासनहीनता एवं सड़क दुर्घटनाएं

प्रो. कैलाश सोडाणी

रोटी, कपड़ा और मकान के पश्चात् हमारी अगली आवश्यकता परिवहन है। घर से बाहर निकलते ही हमें सड़क चाहिये। थोड़ा दूर जाना हो तो वाहन भी चाहिये। आज की दुनिया में सड़क एवं परिवहन मानव जीवन का अनिवार्य अंग बन गया है। कुछ समय पहले तक वाहन रखना विलासिता होती थी। शहरों और गांवों के विस्तार ने कार्य-स्थल की दूरी को बढ़ा दिया, यहीं से वाहन एक जरुरत बन गया। नागरिकों की जरुरत को देखते हुए सरकार तेजी से सड़कों का निर्माण कर रही है। यही कारण है कि भारत में सड़कों का कुल नेटवर्क लगभग 65 लाख किलोमीटर तक पहुँच चुका है, जो दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा नेटवर्क है। दूसरी ओर जनता भी वाहन खरीदने में पूरी तरह से उत्साहवर्धक है। देश में 2024 में 43 लाख कारों एवं 1.89 करोड़ों दोपहिया वाहनों की खरीद हुई। जनता की लापरवाही एवं गलती से आशीर्वाद अभिशाप में बदलता जा रहा है। अव्यवस्थित ट्राफिक प्रत्येक छोटे-मोटे शहर की आज महत्वपूर्ण समस्या है। केन्द्रीय सडक और परिवहन मंत्रालय के अनुसार 2023 में देश में 4,80,583 दुर्घटनाएँ हुई, 1,72,890 लोगों की जान गई। 2022 की तुलना में 4.18 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएँ बढ़ी हैं। अन्य देशों की तुलना में भारत में अभी तो वाहनों की संख्या बहुत कम है। दुनियाँ के कुल वाहनों में भारत का हिस्सा मात्र 1 प्रतिशत है, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों का प्रतिशत 11 है। नि:सन्देह स्थिति गम्भीर एवं दर्दनाक है। दुनियाँ के मुकाबले इतने कम वाहनों की स्थिति में भी इतनी अधिक सड़क दुर्घटनाएँ चिन्ता एवं चुनौती का विषय है। अभी तो हमारी आर्थिक समृद्धि में होने वाली अभिवृद्धि के साथ वाहनो की संख्या में तेजी से बढोतरी होना है।

भारत में सडक परिवहन ही यातायात का महत्वपूर्ण घटक है। देश में 85 प्रतिशत यात्री यातायात एवं 60 प्रतिशत माल यातायात सडक मार्ग से ही हो रहा है। सड़कों एवं वाहनों की क्वालिटी में जबरदस्त सुधार के बावजूद आये दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के लिए हम स्वयं जिम्मेदार हैं।

देश में वाहन चालकों की मानसिकता ट्राफिक नियमानुसार गाड़ी चलाने की नहीं है। शॉर्टकट के चक्कर में गलत दिशा में गाडी चलाना एवं अनावश्यक हार्न बजाना आम बात है। पैदल चलने वाले राहगीर की सुरक्षा एवं सम्मान हमारे यहाँ चालक अपना विषय ही नहीं समझते हैं। अनुशासनरहित यातायात प्रदूषण को भी बढ़ाता है। जिस सहजता से हमारे यहाँ वाहन चलाने का लाइसेन्स प्राप्त करने की व्यवस्था है और ऐसे चालक जिन्हें ट्राफिक नियमों एवं निर्देशों की जानकारी तक नहीं है, उनसे दुर्घटना होना स्वाभाविक है।

हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाने के मामले में हम पूरी तरह लापरवाह हैं। सीट बेल्ट और हेलमेट की व्यवस्था हमारी सुरक्षा के लिए है, किसी यातायात मंत्री की सुरक्षा के लिए नहीं है, फिर भी हम नहीं लगाते है। वाहन को निर्धारित पार्किंग स्थल पर खडा करने में प्राय: हमें खुशी नहीं होती है। इसका एक कारण यह भी है कि प्राय: वीआईपी अपनी गाड़ी को नॉन-पार्किंग जोन में खड़ी करते हुए प्रतिष्ठा का अनुभव करते है फिर यही विचार आम आदमी में भी आता है।

हमारे यहाँ एक मोटर साइकिल पर प्राय: तीन मित्रों के बैठने की परम्परा पड़ गई है। ऐसा लगता है जैसे अपने यहाँ तीन सवारी बैठे बिना मोटर साइकिल स्टार्ट ही नहीं होती है। थोड़ा सोचो, सरकार इसमें क्या करें? अपने मतदाताओं की खुशी तो नहीं छीन सकती है। अव्यवस्थित ट्राफिक के कारण अनावश्यक बन रहे स्पीड ब्रेकर हमारी गति को धीमी कर रहे हैं और दुर्घटना की वजह भी बन रहे है।

सड़क दुर्घटना का एक बड़ा कारण देश में अतिक्रमण के प्रति जबरदस्त लगाव एवं सम्मान भी है। मोहल्ले में सबसे ज्यादा अतिक्रमण करने वाला मकान मालिक ही मोहल्ले का सबसे प्रभावशाली व्यक्ति माना जाता है। हमारे देश के दुकानदारों को माल बेचने से ज्यादा माल को सड़क पर सजाने में मजा आता है। यदि दुकानदार के पास सड़क पर सजाने के लिए सामान नहीं है तो होर्डिंग/ बोर्ड /बेंच लगाकर ही खुश होने का प्रयास करता है। बिजली एवं टेलिफोन के खम्भें भी अतिक्रमण को बढ़ावा देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हमारे यहाँ पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम बहुत कमजोर है। परिणामस्वरूप दो एवं चार पहिया वाहनों का तेजी से इजाफा हो रहा है। उसी अनुपात से दुर्घटनाएँ बढ़ती जा रही है। इसके लिये सरकार जिम्मेदार है। सड़क दुर्घटना दुर्घटना के मौत के इतने बड़े आंकड़ों के लिये सरकार कम, हम स्वयं ज्यादा जिम्मेदार हैं। सड़क दुर्घटनाएँ हमारी अनुशासनहीनता का ही दुष्परिणाम है। एयरपोर्ट की भाँति सड़क पर भी अनुशासन चाहिये। जान जोखिम में डालकर यात्रा करना कौनसी समझदारी है? मेरा मानना है कि नियमों की अवहेलना की स्थिति में निर्धारित आर्थिक दण्ड को कई गुणा बढ़ाया जाना अत्यन्त आवश्यक है। भाषण से नहीं, आर्थिक दण्ड से ही मानसिकता ठीक होगी। थोड़ा शान्ति से सोचिये, आखिर ट्राफिक नियमों का पालन करने में हर्ज ही क्या है? बिना देरी किये, आज से ही इस शुभ कार्य को प्रारम्भ कीजिये।

-प्रो. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

251 प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल और लेक्चरर को डाइट में लगाया

प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक की ओर से जारी आदेश में सभी शिक्षा अधिकारियों को 12 दिसम्बर तक कार्यभार ग्रहण करना होगा

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के सभी जिलों में स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में रिक्त पदों पर लेक्चरर, वाइस प्रिंसिपल और प्रिंसिपल स्तर के 251 शिक्षा अधिकारियों को पोस्टिंग दी गई है। इस बात का विशेष ध्यान दिया गया है कि किसी भी शिक्षा अधिकारी को डाइट से हटाए बगैर सभी को लगाया गया है। विभाग ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के मानदंडों को पूरा करने के लिए राज्यभर से शिक्षा अधिकारियों का चयन किया था।

- **विभाग ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के मानदंडों को पूरा करने के लिए राज्यभर से शिक्षा अधिकारियों का चयन किया था**

प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक की ओर से जारी आदेश में सभी शिक्षा अधिकारियों को 12 दिसम्बर तक कार्यभार ग्रहण करना होगा। शिक्षा विभाग ने राज्य की डाइट्स में रिक्त पदों पर ही इन शिक्षा अधिकारियों को पोस्टिंग दी है। वहीं कुछ जिलों में रिक्त पदों से अधिक लेक्चरर और प्रिंसिपल को पोस्टिंग दी गई है। इस पोस्टिंग के बाद भी कई पद रिक्त भी रह जाएंगे।

डाइट में पोस्टिंग से पहले शिक्षा विभाग ने अपने ही विभाग में कार्यरत अधिकारियों से आवेदन मांगे थे। इसके बाद इनका चयन किया गया। चयनित शिक्षा अधिकारियों को ही यहां पोस्टिंग दी गई है। ऑनलाइन आवेदन करने वाले शिक्षा अधिकारियों की कार्यशैली और कार्य गुणवत्ता के आधार पर चयन हुआ है।

राज्य में डीएलएड कोर्स डाइट में संचालित होते हैं और इन कोर्स को चलाने के लिए एनसीटीई के मानदंडों की पालना करनी होती है। इसी कारण प्रदेशभर के सभी डाइट्स में लेक्चरर लगाए गए हैं ताकि टीचर्स तैयार करने वाले डीएलएड कोर्स की मान्यता पर असर नहीं पड़े। पूर्व में एनसीटीई राज्य के दोनों सरकारी बीएड कॉलेज की मान्यता रद्द कर चुका है।

दो नाबालिग का बाल विवाह रुकवाया

सीकर, (निसं)। बाल अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक डॉ. गार्गी शर्मा ने बताया कि 3 दिसंबर व 4 दिसंबर को भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा पूरे राष्ट्र में बाल विवाह की रोकथाम के लिए 100 दिवसीय जन जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत की जा रही है। वहीं सीकर जिले में प्रशासन एवं गायत्री सेवा संस्थान के सयुक्त प्रयास से दादिया पुलिस थाना क्षेत्र धोद पंचायत में दो नाबालिग का बाल विवाह रोक कर पूरे प्रदेश में उदाहरण प्रस्तुत किया है।

बाल अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक डॉ. गार्गी शर्मा के निर्देशन में धोद पंचायत के गोठड़ा के गांव में 15 वर्षीय नाबालिग का बाल विवाह रुकवाया। इस दौरान दादिया थाना से हेड कॉन्स्टेबल रामस्वरूप, बीट अधिकारी सरिता तथा जस्ट फॉर चिल्ड्रन एलायंस एवं गायत्री सेवा संस्थान से जिला समन्वयक नरेश कुमार, अभिषेक बगड़िया मौजूद रहे।

रतनगढ़ रोडवेज बस स्टैंड पर अव्यवस्थाओं का बोलबाला

रतनगढ़, (निसं)। रोडवेज बस स्टैंड पर लंबे समय से चल रही अव्यवस्थाओं के खिलाफ रोडवेज कर्मियों और एजेंटों ने आवाज बुलंद की है। रोडवेज बुकिंग प्रभारी रणवीर सिंह, एजेंट संपत सिंह, गंगा सिंह, गोविंद सिंह चारण, राकेश सैनी सहित अन्य कर्मचारियों ने एसडीएम, सीआई, व ईओ को ज्ञापन सौंपकर बस स्टैंड की बिगड़ती व्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त करने की मांग की।

ज्ञापन में उल्लेख है कि गया वर्ष 2009 में राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार बस स्टैंड का संचालन एवं प्रबंधन पूर्ण रूप से राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम को सौंपा गया था। इसके बावजूद नगरपालिका की ओर से बस स्टैंड परिसर का उपयोग अन्य गतिविधियों के लिए किया जाना नियमों का उल्लंघन है। इस कारण बस स्टैंड पर अनधिकृत वाहनों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। न्यायालय के आदेशों का भी नहीं हो रहा पालन रोडवेज विभाग ने अपने पत्र में यह भी बताया कि रतनगढ़ न्यायालय में दायर वाद संख्या 15/2009 में न्यायालय द्वारा स्पष्ट कहा गया था कि बस स्टैंड परिसर का उपयोग केवल बस संचालन एवं यात्रियों की सुविधा के लिए ही किया जाए। इसके बावजूद बस स्टैंड में प्राइवेट वाहनों की अनधिकृत पार्किंग लगातार बनी हुई है, जो आदेशों की अवहेलना है। बस स्टैंड परिसर में दुकानदारों द्वारा स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण कर रखा गया है। जिसके कारण रोडवेज बसें बूथ पर नहीं लग पातीं और स्टैंड का संचालन अस्त-व्यस्त हो गया है।इसके अलावा बस स्टैंड पर प्राइवेट बसों, टैक्सियों और हाथ ठेलों का निरंतर जमावड़ा रहता है, जिससे रोडवेज बसों के प्रवेश व निकास में बाधा आती है। अव्यवस्थित भीड़ के चलते बसों को सड़क पर ही रुकना पड़ता है, जिससे यात्रियों को चढ़ने-उतरने में भारी परेशानी होती है।कर्मचारियों ने यह भी कहा कि बस स्टैंड पर अवैध पार्किंग और भीड़भाड़ के चलते आए दिन दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। कई बार स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि बसों के बीच से दोपहिया वाहन और चारपहिया वाहन निकलते समय टक्कर की नौबत आ जाती है। ज्ञापन में कर्मचारियों ने प्रशासन से मांग की कि-बस स्टैंड परिसर से अतिक्रमण तुरंत हटाया जाए, प्राइवेट बसों व टैक्सियों का प्रवेश नियंत्रित किया जाए, हाथ ठेलों और अवैध पार्किंग पर सख्त कार्रवाई की जाए, रोडवेज बसों को उनके निर्धारित बूथ पर लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। रोडवेज कर्मियों ने कहा कि यदि जल्द कदम नहीं उठाए गए तो बस स्टैंड की बदहाल व्यवस्था और गंभीर रूप ले सकती है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 5 दिसम्बर, 2025

पौष मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, रोहिणी नक्षत्र दिन 11:46 तक, सिद्धि योग प्रात: 8:08 तक, बालव करण दिन 2:50 तक, चन्द्रमा रात्रि 10:15 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-वृष, मंगल-वृश्चिक, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग और कुमार योग सूर्योदय से दिन 11:46 तक है। राजयोग रात्रि 12:56 से सूर्योदय तक है। आज गुरू मिथुन राशि में सायं 5:20 पर प्रवेश करेगा। आज रसिक माधुरी जयन्ती, रोहिणी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:23 तक, लाभ-अमृत 8:23 से 10:59 तक, शुभ 12:17 से 1:35 तक, चर 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:04, सूर्यास्त 5:30 तक

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ यथावत बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। घर-परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव हो सकता है। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कन्या

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है।

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि हो सकती है। आज अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

कुंभ

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी और सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में आज महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

सार-समाचार

भगवान दत्तात्रेय का प्राक्टोत्सव मनाया

भरतपुर, (निस)। खिरनी घाट स्थित मंदिर श्री अग्रेश्वर महादेव पर मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को भगवान दत्तात्रेय का प्राक्टोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंत्री विष्णु लोहिया एवं मंदिर संयोजक विनोद कुमार मेडीकल ने बताया कि मंदिर परिसर में ब्रह्मा, विष्णु, महेश त्रिदेव के स्वरूप भगवान श्री दत्तात्रेय कासोम्य व दिव्य श्रीविग्रह प्रतिष्ठित है जिसकी पूजाअर्चना एवं हवन यज्ञ विधि विधान से पं. प्रेमी शर्मा द्वारा कराया गया। भगवान को नई पोशाक धारण कराकर श्रृंगार किया गया। कार्यक्रम मंदिर श्री दाऊजी महाराज विकास ट्रस्ट अध्यक्ष गोपीलाल अग्रवाल, भरतपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष भगवानदास बंसल, समाजसेवी मुरारी लाल चौधरी एवं भगवताचार्य भगवानदास रामभक्त के मुख्य आतिथ्य में हुई। पं. प्रेमी शर्मा ने बताया कि सती माता अनुसुईया एवं रिशी अत्रि के आश्रम में ब्रह्मा, विष्णु, महेश तीनों त्रिदेव प्रकट हुए। भगवान दत्तात्रेय के रूप में अनुसुईया की परीक्षा कक बाद माता ने तीनों देवों को बालक बना दिया था। श्रीमद् भागवत में दत्तात्रेय भगवान के 24 गुरू बनाए थे, तंत्र शास्त्र में दत्तात्रेय सभी तामसिक और तांत्रिक समस्याओं का निवारण करते हैं। आज भगवान दत्तात्रेय का अवतरण दिवस मनाया गया। पूर्ण आहूति के बाद महाआरती हुई एवं खीर, हलुआ, पूआ, खोवा की गजक की प्रसादी वितरित की गई। इस मौके पर समाजसेवी मोहन मित्तल, परषोत्तम डीगिया, महेश गोयल सर्राफ, पं. राजू शमा, खाटूश्याम, महेशचंद सिंघल, गोपालचंद सिंघल सर्वेअर, विनोद डीगिया, अर्जुन बंसल, वेदप्रकाश मित्तल, आलोक बंसल, प्रेम गोयल, विनय चौधरी आदि उपस्थित रहे।

छौंकरवाड़ा में वाटरशैड महोत्सव

भुसावर भरतपुर, (निस)। गॉव छौंकरवाडा के राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय परिसर में जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग भरतपुर द्वारा वाटरशैड महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य रवि कुमार ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त मुख्य अभियंता जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग भरतपुर बजरंग शाह मीणा द्वारा की गई। जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भुसावर पंचायत समिति प्रधान सुफेदी देवी ने भाग लिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में पंचायत प्रशासक फूलवती देवी, भैसीना पंचायत प्रशासक राहुल तिवारी, मैम्बर सिंह चौंटोली, जिला परिषद सदस्य कुॅवर किशन सिंह पप्पू एवं भाजयुमो के पुष्कर चौधरी ने भाग लिया। कार्यक्रम के तहत गॉव में होकर राजीविका की महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई और पानी बचाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अधिकारी करतार सिंह मीना, गोपाल लाल मीना, शिव शंकर, भवानी शंकर पाण्डेय, वीना गोयल सहित अन्य वक्ताओं ने आमजन को पानी बचाने को लेकर शपथ दिलवायी।

अंडर-16 क्रिकेट टीम का स्वागत

भरतपुर, (निस)। राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा घोषित की गई राजस्थान की अंडर-16 टीम का ग्वालियर जाते समय जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के सचिव शत्रुघन तिवारी एवं जिले के पदाधिकारियों के द्वारा सारस चौराहे पर भव्य स्वागत सम्मान किया गया। जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के सचिव शत्रुघन तिवारी ने बताया कि राजस्थान की टीम के सभी मैच ग्वालियर में आयोजित होने हैं। उसके लिए आज राजस्थान की क्रिकेट टीम बस द्वारा भरतपुर होते हुए ग्वालियर के लिए जा रही थी। पूरी टीम व टीम के समस्त स्टाफ का सारस चौराहा भरतपुर पर भव्य स्वागत किया गया। स्वागत में सभी खिलाड़ियों को माल,साफा,पटका पहनकर व स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। खिलाड़ियों को मिठाई खिलाकर जीत की अग्रिम बधाई और शुभकामनाएं दी गई। तिवारी ने यह भी बताया इस टीम में भरतपुर के आशीष प्रजापत भी सदस्य के रूप में शामिल हैं। राजस्थान टीम के साथ मुख्य कोच नृपजीत सिंह एवं सहायक कोच के रूप में मनीष वर्मा, आबिद खान व विजय शर्मा व इस स्वागत के दौरान बीनू सिंह, अवदेश खटाना, अंकित पांचाल, अवदेश कुमार, निखिल तिवारी, रवि शर्मा राजवीर चाहर, जगराम गुर्जर,देवेंद्र सिंह कालू, गौरव फ़ौजदार बंटू पींचगाई, आदि उपस्थित रहे।

मृतक के परिवार को सहायता की मांग

हिण्डौन सिटी, (नि.सं.)। गत 26 नवंबर को जयपुर के रामनगरिया रोड पर हुए मोटरसाइकिल हादसे में मृत हिण्डौन क्षेत्र के बाजना खुर्द गांव के 20 वर्षीय युवक हिमांशु चौधरी के परिवार को आर्थिक सहायता दिलवाने की मांग को लेकर भाजपा नेता चरण सिंह सोलंकी एवं सतपाल चौधरी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है। पत्र में नेताओं ने बताया कि 26 नवंबर को जयपुर से गांव लौट रहे हिमांशु चौधरी पुत्र भगवान सहाय जाट उम्र 20 वर्ष अपनी मोटरसाइकिल पर बड़े भाई विवेक के साथ जा रहा था। रामनगरिया रोड पर सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में हिमांशु की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक का पोस्टमार्टम जयपुर के एसएमएस अस्पताल में कराया गया। हिमांशु जयपुर में रहकर पढ़ाई कर रहा था। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि मृतक के परिजनों को शीघ्र आर्थिक मदद उपलब्ध कराई जाए।

पंचकर्म पद्धति से मरीजों को मिला लाभ

गंगापुर सिटी, (नि.सं.)। गंगापुर सिटी उपखंड अधिकारी बृजेंद्र मीना ने गुरुवार को राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस दौरान सभी कर्मचारी समय पर उपस्थित मिले। एसडीएम ने ओपीडी, औषध वितरण कक्ष, आंचल प्रसूता केंद्र और पंचकर्म केंद्र का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने व्यवस्थाओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। एसडीएम ने उपचार ले रहे रोगियों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने पंचकर्म केंद्र में चल रही प्रक्रियाओं को समझा और संबंधित प्रभारी से उपचार पद्धति पर विस्तार से चर्चा की। पंचकर्म प्रभारी डॉ. अब्दुल मुक्तदिर खान ने वर्तमान में संचालित सेवाओं और रोगियों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान डॉ. आनंद बिहारी शर्मा, डॉ. केशव प्रसाद सहित कई जने मौजूद रहे।

उप स्वास्थ्य केंद्र पर लटका ताला

रुदावल भरतपुर, (निस)। भरतपुर के बयाना क्षेत्र के गांव जौतरोली में सरकार द्वारा करीब एक साल पहले उप स्वास्थ्य केंद्र की बिल्डिंग तो बना दी गई है लेकिन, बिना डॉक्टर के बनी बिल्डिंग सोपिस बनी हुई है और आज तक ताला लगा हुआ है। ग्रामीणों ने नराजगी जताते हुए कहा की गाँव को कोई भी सुविधा नहीं मिल पा रही है। लोगों को दिखाने के लिए काफ़ी दूरी तय करके जाना पड़ता है, जिससे काफ़ी समस्यायों का सामना करना पड़ता है। जौतरोली में बना उपस्वास्थ्य केंद्र बिना डॉक्टर के ताला लगा हुआ खड़ा है। फिलहाल लोगों का कहना है की अगर अतिशीघ्र चिकित्सक की नियुक्ति नहीं हुई तो प्रदर्शन करेंगे।

वयोवृद्ध महिलाओं का सम्मान 20 को

गंगापुर सिटी, (नि.सं.)। अग्रवाल समाज महिला समिति उदेई मोड़ ने अग्रसेन सेवा संस्थान में एक बैठक आयोजित की। इस बैठक की अध्यक्षता समिति की अध्यक्ष शकुंतला नक्शे वाली ने की। इसमें अग्रवाल समाज की 70 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के सम्मान समारोह पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति की महामंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि वृद्ध महिला सम्मान समारोह 20 दिसंबर को अग्रसेन सेवा सदन उदेई मोड़ पर आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में समाज की 70 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाएं भाग ले सकेंगी। समारोह में शामिल होने के लिए पंजीकरण 15 दिसंबर तक स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक महिलाएं सीमा तिमावा, सरोजिनी अतेवा, अनूप, कृष्णा और सीमा सिंघल से संपर्क कर सकती हैं। बैठक में संरक्षक मंडल से रत्ना धर्मकांटा, कोषाध्यक्ष अंजू लपटी, सदस्य सरोज, मंजू, हेमलता, सुमन, कृतिका, बबीता और अनीता सहित कई अन्य महिलाएं मौजूद रही।

मुस्कान एक पहल ने बांटे कपड़े

भुसावर भरतपुर, (निस)। भुसावर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इटामदा में निर्धन छात्र छाताओं के लिए गर्म एवं दैनिक कपड़े प्रधानाचार्या एवं मुस्कान की मासिक सदस्या अर्चना शर्मा के निर्देशन में वितरित किए गए। संस्था के संयोजक अरविन्द मित्तल ने बताया कि शारदीयों में प्रत्येक सप्ताह में गांव गांव में खुशियों का बाजार लगाकर सभी जरूरत मन्द को गर्म एवं सादा कपड़े,जूते,मोजे आदि जनसहयोग से वितरित किए जाते हैं। तथा किसी भी निर्धन परिवार को गांव वालों की सिफारिश पर राशन किट,विधवा की बेटी की शादी में सहयोग तथा अंतिम संस्कार हेतु लकड़ी आदि की नि:शुल्क व्यवस्था भी की जाती है। मुस्कान एक पहल द्वारा संचालित 12 प्रकल्पों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर विजय सिंहल, सुनीता मैडम, भारत लाल एवं समस्त स्कूल स्टाफ का विशेष सहयोग मिला।

करौली जिले में 108 बाल वाहिनियों के चालान किये

करौली, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार ममता चौधरी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) करौली द्वारा परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग से समन्वय स्थापित कर वाहन बाल वाहिनियों का औचक निरीक्षण किया।

उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली ने एमसी मेहता बनाम भारतसंघ व अन्य में दिये निर्देशानुसार एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा बाल-वाहिनियों का निरीक्षण किये जाने के संबंध में प्राप्त दिशा निर्देशों की पालना में बाल वाहिनियों का जांच बिंदु अनुसार निरीक्षण किया जाकर बाल वाहिनियों का रंग, उल्लेख, वाहनों पर स्कूल का नाम, पता, वाहन चालक एवं सहायक का नाम मोवाईन नम्बर, पीली स्ट्रिप, सुरक्षा ग्रिाल, प्राथमिक चिकित्सा पेटी, जीपीएस, पीने के पानी की व्यवस्था, शीशों पर टिंट नहीं लगी हा, आपातकाली निकास विशेष बच्चा हेतु सुविधा, वाहन चालक, सहायक के वैध लाईसेंस व पहचान दस्तावेज, ड्राइवर को भारी वाहन चलाने का न्यनतम 05 वर्ष का अनुभव, बाल वाहिनियों के दस्तावेजात, सीट क्षमता, वाहन स्कूल ड्यूटी हेतु पंजीकृत है अथवा नहीं, वाहन का समग्र फिटनेस, गति एवं संचालन ड्राइवर मोबाईल/ईयरफोन का उपयोग न करे, ड्राइवर व सहायक का समय-समय पर मेडीकल परीक्षण, स्कूल परिसर व्यवस्था, वाहन में कैमरे आदि के वारे में निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकांश वाहनों में क्षमता से ज्यादा बच्चे बैठे हुए मिले तथा वाहनों पर विद्यालय का नाम स्पष्ट लिखा हुआ नहीं पाया गया जिनके मौके पर ही चालान किये गए। निर्देशित किया गया की विद्यालय का नाम बाल वाहिनियों पर स्पष्ट लिखा हुआ होना चाहिए तथा बच्चों को बाल वाहिनीयों मैं क्षमता के अनुसार ही बैठाया जाना चाहिए।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार चलाये जा रहे बाल वाहिनीयों के निरिक्षण अभियान के दौरान करौली जिले में स्थित विद्यालयों की बाल वाहिनीयों की जांच की जाकर अब तक 108 बाल वाहिनियों के चालान किये गये तथा 67 रहे बाल वाहिनियों को जप्त किया गया।

ममता चौधरी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण करौली ने अभिभावकों से अपील की है की वह अपने बच्चों को स्कूल भेजने से पूर्व स्कूल की बस / बाल वाहिनी कि एक बार आवश्यक रूप से जांच ले।

वाहन चालक एवं सहायक का बच्चों के प्रति व्यवहार कैसा है के बारे में भी समय समय पर बात करें तथा विद्यालयों से अपील की गई की वह चालक के गंभीर चालान/दुर्घटना रिकॉर्ड के वारे में जांच करें।

भरतपुर संवाददाता के अनुसार : रजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार आज अनुतोष गुप्ता, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भरतपुर के द्वारा कुम्हेर रोड, नदबई पर बाल वाहिनियों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिन बाल-वाहिनियों का फिटनेस एवं बीमा नहीं था उन वाहनों को मौके पर जब्त करवाया गया और जिन बाल-वाहिनियों का परमिट समाप्त हो गया था, उनके संबंध में आवष्यक कार्यवाही हेतु जिला परिवहन अधिकारी, भरतपुर को पत्र प्रेषित किया गया।

निरीक्षण के दौरान सचिव द्वारा वाहनों के दस्तावेजों की वैधता, फिटनेस सर्टिफिकेट, परमिट, बीमा, विद्यालय का नाम एवं पता, ड्राइवर का नाम, पता, मोबाइल नंबर, वाहन का रंग, जीपीएस सिस्टम, चिकित्सा बॉक्स, अग्निष्मन यंत्र तथा बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत जांच की गई। सचिव द्वारा सभी अभिभावकों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने बच्चों को सुरक्षित बाल-वाहिनियों में ही स्कूल भेजें और उनके आग्रह पर विद्यालयों के द्वारा व्यवस्था में सुधार नहीं किया जाता है, तो वे इसकी सूचना बिजलीघर चौराहे के पास, जिला न्यायालय परिसर में संचालित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

जिला अस्पताल नदबई में डायलिसिस सुविधा शुरू

नदबई भरतपुर, (नि.सं.)। नदबई क्षेत्र के मरीजों को अब डायलिसिस कराने के लिए भाग-दौड नहीं करनी पडेगी। जिले में ग्रामीण क्षेत्र में भी अब किडनी रोगियों को डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध करवायी गई है।

यह सुविधा जिला अस्पताल नदबई में डायलिसिस सुविधा शुरू करवायी गई है। चिकित्सा विभाग व हंस फाउण्डेशन के बीच एमओयू के बाद गुरूवार को नदबई विधायक जगत सिंह ने डायलिसिस केन्द्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर हंस फाउण्डेशन के रीजनल सीनियर मैनेजर यशपाल एवं डिप्टी प्रोग्राम मैनेजर नरेन्द्र जांगिड सहित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गौरव कपूर, अतिरिक्त सीएमएचओ डॉ. बीएल मीणा, बीसीएमओ राहुल कौशिक, पीएमओ नदबई चिकित्सालय पवन गुप्ता सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गौरव कपूर ने बताया कि नदबई जिला चिकित्सालय में हंस फाउण्डेशन की ओर से करीब 70 लाख रूप्ये की लागत से 3 बैड के डायलिसिस केन्द्र का निर्माण कराया गया है।

जिला चिकित्सालय पर डायलिसिस केन्द्र का संचालन होने से ग्रामीण क्षेत्र के किडनी मरीजों को जिला चिकित्सालय पर निशुल्क डायलिसिस के साथ ही मेडिसिन की सुविधा होने से मरीजों एवं परिजनों को राहत मिलेगी। डिप्टी प्रोग्राम मैनेजर नरेन्द्र जांगिड के अनुसार सेंटर में 3 बैड आधुनिक डायलिसिस मरीशनें और 1 चिकित्सक सहित 4 सदस्यीय प्रशिक्षित स्टाफ की सुविधा रहेगी उन्होंने कहा कि जरूरत के अनुसार सुविधाएं बढाई जाएंगी।

किडनी रोगियों को मिलेगी राहत

डायलिसिस की मशीन शुरू होने से किडनी रोगियों को राहत मिलेगी। इससे किडनी रोगी के खून को पूरी तरह से साफ किया जाता है। किडनी रोगियों को समय समय पर डायलिसिस करवाना पडता है। अब स्थानीय किडनी मरीज लोगों को भरतपुर एवं जयपुर जाना नहीं पडेगा। निजी अस्पताल में डायलिसिस का खर्च हजारों रूपए आता है अब किडनी मरीज रोगी अपने ही क्षेत्र में डायलिसिस करवा सकेगा।

'निःशुल्क होगा डायलिसिस'

जिला अस्पताल नदबई में डायलिसिस सुविधा शुरू होने के बाद मरीजों को काफी राहत मिलेगी। निजी अस्पतालों में डायलिसिस करवाने पर हजारों रूपये खर्च होते हैं। जबकि इन चिकित्सा संस्थानों पर यह सुविधा नि:शुल्क मिलेगी।

दिव्यांग दिवस समारोह भगवती पैलेस में संपन्न

गंगापुर सिटी, (नि.सं.)। सक्षम टीम गंगापुर सिटी (जिला सवाई माधोपुर) के तत्वावधान में विश्व दिव्यांग दिवस का भव्य आयोजन भगवती पैलेस में किया गया।

दिव्यांग जनों, समाजसेवियों, शिक्षाविदों तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राजस्थान संयोजिका डॉ. सरिता बंसल एवं दिव्यांग सेवा केन्द्र प्रभारी श्रीकृष्ण वल्लभ शर्मा ने दिव्यांग जनों के सम्मान, अधिकारों और समाज में समान अवसरों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। जिलाध्यक्ष सुधा गुप्ता ने बताया कि सक्षम संगठन निरंतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में दिव्यांग जनों को सशक्त बनाने हेतु प्रयासरत है। जिला महिला प्रमुख कुशला खूंटेटा ने कहा कि इस अवसर पर दिव्यांग जनों के प्रोत्साहन हेतु विशेष फिल्म सितारे जमीन पर दिखाई गई, जिसने सभी को गहराई से प्रेरित किया।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांग प्रतिभागियों एवं दिव्यांग हितार्थ समर्पित समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाजपा अध्यक्ष मनोज बंसल, रीना पालीवाल, विशेष योग्य शिक्षक आरती, डॉ. मुकेश गर्ग, लायंस क्लब सार्थक की कार्यकारिणी, डॉ. अनुज शर्मा तथा स्कूल शिक्षा परिवार की कार्यकारिणी सहित अनेक समाजसेवियों का सम्मान किया गया। रीना पालीवाल एवं मनोज बंसल ने अपने उद्बोधन में सक्षम टीम के सेवा कार्यों की सराहना की। अंत में जिला टीम एवं पदाधिकारियों ने सभी आगंतुकों का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष ममता खण्डेलवाल, शिप्रा गोयल, सचिव वर्षा नाटानी, सह सचिव सीमा गुप्ता, राधा दीक्षित, कोषाध्यक्ष बबीता जिंदल, क्रीड़ा आयाम प्रभारी अंजना रावत, सुमन बंसल, दीपा अग्रवाल, घनश्याम लाल गुप्ता, महेश शर्मा, विकास अग्रवाल, बलराम शर्मा, ऋतिक शर्मा, रेख सिंह, मुकेश गुर्जर, सुनिल जिन्दल चरणजीत सिंह सहित लगभग 200 दिव्यांग बंधुओं व परिजनों तथा 100 समाजसेवियों ने सहभागिता निभाकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सम्मान किया

गंगापुर सिटी, (नि.सं.)। राष्ट्रीय प्रजापति महासभा राजस्थान प्रदेश ने मुकेश प्रजापत को सवाई माधोपुर जिले का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है।

मुकेश के जिलाध्यक्ष बनने पर प्रजापत समाज में खुशी लहर दौड़ पड़ी। मुकेश प्रजापत भारतीय जनता युवा मोर्चा में मंडल उपाध्यक्ष पद पर हैं एवं शहर मण्डल में मंडल मंत्री के पद कार्य कर चुके। गुरूवार को सभापति शिवरतन अग्रवाल एवं शहर मण्डल अध्यक्ष मिथलेश व्यास के नेतृत्व में पार्षद बबलू चौधरी, वेदप्रकाश शर्मा, अतुल मुद्गल, मंडल उपाध्यक्ष विकास सैनी, पार्थ गुप्ता, जीतू गुर्जर सहित सभी भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ ने मुकेश प्रजापत का माला एवं साफा पहना कर स्वागत किया। इस दौरान सभापति शिवरतन अग्रवाल ने कहा कि मुकेश के जिलाध्यक्ष बनने से समाज नई ऊंचाइयों को छुएगा एवं समाज के युवाओ में एक नए जोश का संचार होगा। उन्होंने समाज हित में निरंतर कार्य करते रहने का आहवान किया।

गंगापुर सिटी में पांच कर्मचारी अनुपस्थित, मिल, नोटिस दिए

गंगापुर सिटी, (नि.सं.)। गुरुवार को उपखंड अधिकारी बृजेंद्र मीना ने विभिन्न सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बाल विकास परियोजना कार्यालय और ब्लॉक सांख्यिकी कार्यालय में कुल पांच कर्मचारी गैर मौजूद पाए गए, जिससे कर्मचारियों में हड़कंप मच गया।

निरीक्षण की शुरुआत बाल विकास परियोजना कार्यालय से हुई, जहा्ं उपस्थिति रजिस्टर की जांच में तीन कर्मचारी गैरहाजिर मिले। इसके बाद ब्लॉक सांख्यिकी कार्यालय का दौरा किया गया, जहां दो कर्मचारी बिना किसी पूर्व सूचना के गैरमौजूद पाए गए। उपखंड अधिकारी ने दोनों विभागों के गैरमौजूद कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। मीना ने सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग (डीओआईटीसी), राजकीय आयुर्वेद अस्पताल और तहसील कार्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने इन कार्यालयों में रिकॉर्ड संधारण, साफ-सफाई, सरकारी योजनाओं की प्रगति और शिकायत निवारण व्यवस्था की समीक्षा की। उपखंड अधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को कार्यालय समय की नियमितता सुनिश्चित करने और योजनाओं से संबंधित कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि आमजन से जुड़े कार्यों का समय पर निपटारा किया जाए और कार्यालय आने वाले लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। इस औचक निरीक्षण के बाद सरकारी कार्यालयों के कर्मचारियों में सतर्कता का माहौल देखा गया।

ओंकारेश्वर में कथा होगी

गंगापुर सिटी, (नि.सं.)। श्री राधा कृष्ण मानस मंडल की ओर से आगामी दिनों में प्रमुख तीर्थ स्थल ओंकारेश्वर में कथा का आयोजन किया जाएगा।

मंडल के सदस्य मोहनलाल ठेकेदार, कमलेश बैराड़ा, एडवोकेट शिवकुमार शर्मा, गिरीश मित्तल, सुरेशचंद रामू गुट्टा व मदन मोहन शर्मा ने जानकारी दी कि आगामी 26 दिसंबर 2025 को ओंकारेश्वर तीर्थ स्थल स्थित आदिवासी धर्मशाला में शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा 26 दिसंबर से शुरू होगी और 2 जनवरी को कथा का समापन होगा। इस कथा के प्रमुख यजमान एडवोकेट शिवकुमार शर्मा होंगे, जबकि कथा वाचन का दायित्व पंडित डॉ. पुरुषोत्तम शरण शास्त्री कुडगांव वाले निभाएंगे। इसके लिए सभी श्रद्धालु मंडल के नेतृत्व में 24 दिसंबर को गंगापुर सिटी से रात 1.30 बजे रेलवे स्टेशन से इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन से इंदौर के लिए रवाना होंगे। इंदौर से बस द्वारा ओंकारेश्वर धाम पहुंचेंगे। श्रद्धालु भी 25 दिसंबर शाम तक ओंकारेश्वर धाम पहुंचना सुनिश्चित करें। रजिस्ट्रेशन होने के बाद समुचित व्यवस्था की जाएगी। आने जाने का किराया स्वयं बहन करना पड़ेगा।

मूलभूत सुविधाओं के लिए वजीरपुर में प्रदर्शन जारी

गंगापुर सिटी, (नि.सं.)। वजीरपुर उपखंड मुख्यालय पर विभिन्न मांगों को लेकर ग्रामीणों का धरना गुरुवार को चौथे दिन भी जारी रहा। ग्रामीण एसडीएम कार्यालय के बाहर सड़क, पानी और बिजली जैसी मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता पिंटू बडौली ने बताया कि बडौली मोड़ से मीना बडौदा तक की मुख्य सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में है, जिससे आवागमन में परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने इस सड़क के शीघ्र निर्माण की मांग की है। इसके अतिरिक्त, पानी की नियमित आपूर्ति और बिजली व्यवस्था में सुधार की भी मांग उठाई गई है। प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे धरने से नहीं हटे। दोपहर बाद भी वार्ता के प्रयास किए गए, जिस पर ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि जब तक उच्च अधिकारी मौके पर आकर समाधान का ठोस आश्वासन नहीं देंगे, तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। इस बीच सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता बदनसिंह धरना स्थल पर पहुंचे।

उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि सड़क पर काम शुरू कर दिया गया है और 15 दिसंबर से डामर का काम भी शुरू हो जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सड़क निर्माण कार्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

आउटरीच कैंप आयोजित

करौली, (नि.सं.)। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्टेडियम के पास करौली के क्षेत्र वार्ड नंबर 14 भगत कॉलोनी में आउट रीच कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें मरीजों को ओपीडी सेवाओं सहित एएनसी, टीकाकरण, एनसीडी स्क्रीनिंग सेवाएं प्रदान की गई।

सीएमएचओ डॉ. जयंतीलाल मीणा ने बताया कि आमजन को घर के नजदीक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रतिमाह आउटरीच कैंप का आयोजन किया जा रहा है।

इसके तहत गुरुवार को भगत कॉलोनी में कैंप लगाया गया जिसमें ओपीडी सेवाएं प्रदान कर दवाई वितरित की गई।

उन्होंने बताया कि कैंप में एएनसी, टीकाकरण, एनसीडी स्क्रीनिंग कर परिवार कल्याण संबंधी सेवाएं दी गई। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों में आउटरीच कैंप से माध्यम से मरीजों को रोग विशेषज्ञ सेवाऐं प्रदान की जाएंगी। कैंप में चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. वंदना , पीएचएम तेनसिंह सहित स्टाफ परवेज खान,सपना मीना, पिस्ता जाटव ,प्रिया सैनी एएनएम, उमेर जीएनएम का विशेष योगदान रहा।

बॉक्सिंग के मुकाबले हुए

भरतपुर, (निस)। भारत सरकार, राजस्थान सरकार एवं राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 5वें खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी खेलों का आयोजन लोहागढ़ स्टेडियम, भरतपुर में भव्य रूप से किया जा रहा है।

खेलों के इस राष्ट्रीय स्तर के महाकुंभ में देशभर की विश्वविद्यालयों से आए कुल 240 खिलाड़ी एवं 144 ऑफिशियल सहित 384 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

अतिरिक्त कलक्टर शहर राहुल सैनी ने बताया कि प्रतियोगिता के चौथे दिवस गुरूवार को बॉक्सिंग के मुकाबलों में बालक एवं बालिका वर्ग के विभिन्न वजन वर्गों के चौंपियनों के बीच रोमांचक भिड़ंत देखने को मिली। इस अवसर पर पर्यटन विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि शुक्रवार 5 दिसम्बर को बॉक्सिंग के फाइनल मुकाबले आयोजित किये जायगे। फाइनल मुकाबले के विजेताओं को पदक प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि फाइनल मुकाबले दूरदर्शन स्पोर्ट्स पर लाइव प्रसारित किए जा रहे हैं।

शिविर लगा

भरतपुर, (निस)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार अनुतोष गुप्ता, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भरतपुर के द्वारा आदर्श टैगोर शिक्षा समिति नदबई में एक विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया।

शिविर में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, नदबई विकास राम चौधरी के द्वारा सभी बच्चों को नैतिकता का पालन करते हुए शिक्षित बनने के लिए प्रेरित किया। उनके द्वारा कहा गया कि शिक्षा से ही विकास संभव है।

सचिव, अनुतोष गुप्ता के द्वारा उपस्थित सभी बच्चों को नकल संबंधी, बाल-विवाह, साइबर क्राइम, बच्चों से संबंधित लैंगिक अपराध, नालसा हेल्प लाइन 15100, विधिक सहायता एवं विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली के संबंध में बताते हुए उच्च आदर्श अपनाने के लिए बच्चों को प्रेरित किया।

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धि पत्र

विषय– आवेदन अधिसूचना संख्या : सी–560/102/STBA/2025-26/05/2025 दिनांक 17.11.2025 अनारक्षित टिकिट जारी करने के लिए कोटा मण्डल के विभिन्न स्टेशनों पर स्टेशन टिकिट बुकिंग एजेन्ट की नियुक्ति हेतु चाहे गये आवेदन की सूचना के लिए शुद्धि पत्र

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा द्वारा भारत संघ के लिये व उनकी ओर से कोटा मण्डल के विभिन्न स्टेशनों पर स्टेशन टिकिट बुकिंग एजेन्ट की नियुक्ति हेतु आवेदन अधिसूचना संख्या : सी–560/102/STA/2025-26/05/2025 दिनांक 17.11.2025 आमंत्रित किये गये थे जिसमें निम्न त्रुटि सुधार किया गया है:– आवेदन अधिसूचना संख्या : सी–560/102/STBA/2025-26/05/2025 दिनांक 17.11.2025 में आवेदन पत्र जमा करने की तिथि व समय दिनांक 13.12.2025 समय 10:00 बजे तक एवं आवेदन खोले जाने की तिथि व समय दिनांक 13.12.2025 समय 16:00 बजे लिखा गया था। दिनांक 13.12.2025 को शनिवार को कार्यालय में सप्ताहिक अवकाश होने के कारण आवेदन पत्र जमा करने की तिथि व समय में बदलाव किया गया है, आवेदन पत्र जमा कराने की तिथि व समय दिनांक 15.12.2025 समय 10:00 से 13:00 बजे तक एवं आवेदन खोले जाने की तिथि व समय दिनांक 15.12.2025 समय 16:00 बजे रहेगी।

हस्ता.
वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक,
पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

मॉडल स्कूल करौली में जिला स्तरीय योगा ओलंपियाड आयोजित

करौली, (नि.सं.)। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर के निर्देशानुसार जिला स्तरीय योगा ओलंपियाड का आयोजन स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल ब्लॉक करौली में किया।

अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक सर्वेश कुमार गुप्ता ने बताया कि यौगिक पद्धितयों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने,बच्चों को प्रेरित करने,विभिन्न आसनों के लाभ शारीरिक और मानसिक रोगों के उपचार में निवारण उपाय की समझ विकसित करने,सम्पूर्ण स्वास्थ्य और कल्याण के लिए नियमित रूप से आसनों का अभ्यास करने के लिये विद्यार्थियों को प्रेरित करने,योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित करने, मानव मूल्य स्थापित करना। एकाग्रता एव संतुलन के माध्यम से आध्यात्मिक पहलुओं को उजागर करने के उद्देश्यों के साथ योगा ओलंपियाड का आयोजन किया गया। इसमें प्रमुख प्रतियोगिताएं आसन, प्राणायाम,क्रिया और बंध चार श्रेणियां में की गई।

प्रधानाचार्य गोविंद सहाय प्रजापत ने बताया कि सुबह 9 बजे से रजिस्ट्रेशन आरंभ किया गया और उसके बाद 10 बजे सरस्वती के चित्रपट पर गोविंद सहाय प्रजापत और भयसिंह मीना प्रधानाचार्य मॉडल स्कूल टोडाभीम ने दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर योगा ओलंपियाड की विधिवत शुरुआत कि गई। विभिन्न विद्यालयों से आये हुये विद्यार्थियों ने योग की विभिन्न क्रियाओं का प्रदर्शन किया। विजेता विद्यार्थियों को अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक सर्वेश कुमार गुप्ता,भयसिंह मीना,पुखराज मीना पीओ समसा ने प्रमाण पत्र, शील्ड दे कर पुरूस्कृत किया। 8 विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तर के लिये किया गया।जिनमें 4 विद्यार्थी स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल ब्लॉक करौली के नैनसी गर्ग, कोमल बैरवा,दीपक जाटव,दुष्यंत सिंह सिकरवार 4 विद्यार्थी स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल ब्लॉक टोडाभीम अनुष्का परेवा,साक्षी मीणा,रवि जांगिड़, दीक्षांश मीणा। योगा ओलंपियाड चैंपियनशिप स्कूल स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल टोडाभीम, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अनुष्का परेवा मॉडल स्कूल टोडाभीम,जूनियर वर्ग (छात्रा) दलीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कोमल बैरवा,नेनसी गर्ग मॉडल स्कूल करौली,जूनियर वर्ग (छात्रा) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नैनसी गर्ग मॉडल स्कूल करौली, जूनियर वर्ग(छात्र) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीपक जाटव मॉडल स्कूल करौली, जूनियर वर्ग (छात्र)दलीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीपक जाटव और दुष्यंत सिंह सिकरवार मॉडल स्कूल करौली,सीनियर वर्ग (छात्र) दलीय प्रतियोगिता में रवि जांगिड़ और दीक्षांश मीणा मॉडल स्कूल टोडाभीम, सीनियर वर्ग (छात्र) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में रवि जांगिड़ मॉडल स्कूल टोडाभीम, सीनियर वर्ग(छात्रा) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में अनुष्का परैवा मॉडल स्कूल टोडाभीम,सीनियर वर्ग (छात्रा) दलीय प्रतियोगिता में अनुष्का परैवा और साक्षी मीना मॉडल स्कूल टोडाभीम,सीनियर वर्ग (छात्र) बेस्ट ऑफ बेस्ट चैंपियनशिप गजेंद्र जाटव मॉडल स्कूल करौली,सीनियर वर्ग (छात्रा) बेस्ट ऑफ बेस्ट चैंपियनशिप अवना प्रजापत मॉडल स्कूल करौली अनुष्का परेवा और साक्षी मीना मॉडल स्कूल टोडाभीम,जूनियर वर्ग(छात्रा) बेस्ट ऑफ बेस्ट चैंपियनशिप में प्रथम स्थान नैंनसी गर्ग मॉडल स्कूल करौली और आयशा मॉडल स्कूल टोडाभीम, जूनियर वर्ग(छात्र) बेस्ट ऑफ बेस्ट चैंपियनशिप दीपक जाटव मॉडल स्कूल करौली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एडीपीसी सर्वेश कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों से योग को अपने दैनिक जीवन कि दिनचर्या में शामिल करने के लिये कहा और चयनित विद्यार्थियों को अच्छे प्रदर्शन कि शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम प्रभारी मुकेश कुमार मीणा ने बताया कि निर्णायक मंडल में राजेश कुमार मीना, सतीश कुमार शर्मा, नितिन सिंघल,महेंद्र गौतम,शिवेंद्र दुबे, लक्ष्मी खटीक,प्रभु दयाल जाटव,उमेर मीना, वेद रत्न जैमिनी,अटल भारद्वाज, कृष्णा, रूप सिंह मीणा पालनपुर,मनोज कुमार मीणा,पूजा जाट और रमेश कुमार रहे। कार्यक्रम का संचालन राजेश कुमार मीना ने किया।

प्ररूप-10 (नियम 8 (7) देखिए)
प्राधिकृत अधिकारी का नाम:- नगर परिषद् गंगापुर सिटी

क्रमांक:-6554 | **लोक सूचना** | दिनांक: 03.12.2025

भौरी लाल पुत्र श्री हीरालाल राजस्व ग्राम बाढखुर्द तहसील गंगापुर सिटी ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निवापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है।, अर्थात

जिला व तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल हैक्टर
सवाई माधोपुर गंगापुर सिटी	बाढखुर्द	186/21	0.1833

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिघृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिघृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 3.12.2025को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी, एवं आयुक्त नगर परिषद, गंगापुर सिटी

अजमेर : दरगाह सहित कलैक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी का ई-मेल आया

जिला कलेक्टर की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर एक संदिग्ध मेल आया था

धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सर्च ऑपरेशन चलाया।

- ई-मेल में दावा किया कि दरगाह और कलेक्ट्रेट परिसर में 4 आरडीएक्स आईईडी लगाए गए हैं जो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे पर आते ही फटेंगी
- अजमेर पुलिस, एटीएस और खुफिया एजेंसियां ने दरगाह और कलेक्ट्रेट परिसर को खाली कराया और ढाई घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया
- कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली, फिलहाल सभी सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर है

अजमेर, (निसं)। एक ओर जहां विश्व विख्यात सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन के 814 वें सालाना उर्स को लेकर जिला प्रशासन और दरगाह से जुड़ी संस्थाएं तैयारियों में जुटी है तो वहीं विश्व प्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह और जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल भेजा गया। धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद गुरुवार को सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट हो गई है। धमकी भरे ई-मेल में दावा किया गया कि दरगाह और कलेक्ट्रेट परिसर में 4 आरडीएक्स आईईडी लगाए गए हैं जो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे पर आते ही फटेंगी। सूचना के मिलते ही अजमेर पुलिस, एटीएस और खुफिया एजेंसियां ने दरगाह और कलेक्ट्रेट परिसर को खाली कराया और करीब ढाई घंटे तक व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाकर चप्पे-चप्पे की जांच की गई। कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली। फिलहाल सभी सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर है।

एसपी वंदिता राणा ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 11 बजे जिला कलेक्टर लोक बंधु की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर एक संदिग्ध मेल प्राप्त हुआ। जिसमें ख्वाजा साहब की दरगाह और कलेक्ट्रेट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। मेल की भाषा और उसमें किए गए दावे बेहद चौंकाने वाले बताए जा रहे है। ई-मेल मिलने के बाद सभी विभाग एक्टिव हो गए हैं। एसपी राणा ने बताया कि एक ई-मेल में मिला है जिसकी जांच की जा रही है। ई-मेल में लिखा है कि अजमेर कलेक्टर कार्यालय और गरीब नवाज की दरगाह को बम से उड़ाने जैसा लिखा है। सभी सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट है।

ई-मेल मिलते ही कलेक्टर लोक बंधु ने पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सूचित किया। एसपी राणा के निर्देश पर शहर के चार थानों की पुलिस, सीआईडी और एटीएस की टीमें कलेक्ट्रेट पहुंची। सभी सरकारी विभागों के कर्मचारियों को बाहर निकाला गया। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड ने कलेक्ट्रेट के एक-एक कमरे, पार्किंग एरिया और संदिग्ध वस्तुओं की जांच की। मेटल डिटेक्टर से चप्पा-चप्पा खंगालाा, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। कलेक्ट्रेट के बाद सुरक्षा एजेंसियों का पूरा फोकस दरगाह शरीफ पर था, क्योंकि ई-मेल में स्पष्ट रूप से दरगाह को निशाना बनाने की बात कही गई थी। दोपहर करीब 1 बजे दरगाह में जायरीन का प्रवेश पूरी तरह से रोक दिया गया। करीब ढाई घंटे चले इस सघन ऑपरेशन के बाद जब सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह आश्वस्त हो गईं कि कोई बम नहीं है, तब दोपहर बाद फिर से प्रवेश शुरू किया गया।

एसपी वंदिता राणा ने कहा कि कलेक्ट्रेट की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर धमकी भरा संदेश मिला था। इसमें दरगाह और कलेक्ट्रेट को उड़ाने की बात कही गई थी। हमने एसओपी का पालन करते हुए सभी विभागों और एजेंसियों को एक्टिव किया। कलेक्ट्रेट और दरगाह, दोनों स्थानों पर व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। फिलहाल कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला है। यह किसी शरारती तत्व की करतूत प्रतीत होती है, लेकिन हम सुरक्षा में कोई चूक नहीं छोड़ना चाहते थे। अभियान में ग्रामीण एडिशनल एसपी दीपक शर्मा और सीओ शिवम जोशी सहित 9 थानों के थाना अधिकारी और पुलिस जाब्ता तैनात था। उन्होंने कहा कि भले ही मौके पर कोई विस्फोटक नहीं मिला, लेकिन पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। साइबर सेल अब उस आईपी एड्रेस को ट्रेस करने में जुटी है, जहां से यह ई-मेल भेजा गया था।

अंजुमन कमेटी के सचिव सरवर चिश्ती ने कहा कि दरगाह पुलिस उपाध्यक्ष लक्ष्मण राम से धमकी मिलने की सूचना मिली थी। दरगाह को खाली करवाने की जानकारी दी गई। इसके बाद युवा खादिम के जरिए एकजुट होकर दरगाह को खाली करवाया गया। पुलिस के साथ मिलकर दरगाह को चेक करवाया। प्रारंभिक जांच में यह धमकी फेक है। चिश्ती ने बताया कि सूचना प्राप्त होने पर वॉट्सऐप के जरिए ग्रुप से सभी की मदद ली गई थी। चिश्ती ने कहा कि 11 अक्टूबर 2007 को रोजा इफ्तारी के दौरान दरगाह में ब्लास्ट हुआ था, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी, कई लोग घायल हुए थे।

दीपक शर्मा, एडिशनल एसपी का कहना है कि कलेक्टर की ई-मेल आईडी पर मिली कलेक्ट्रेट और दरगाह को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। दरगाह और कलेक्ट्रेट पर कोने-कोने में तलाश की गई। एक-एक जगह को छान मारा है। कलेक्ट्रेट में एक घंटे और दरगाह में 2 घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया। दोनों जगह कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

15 करोड़ की हेरोइन और पिस्टल के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गिरफ्तार दोनों आरोपी हिस्ट्रीशीटर बदमाश हैं, जो विदेश हैंडलर के कॉन्टेक्ट में थे

- हैरियर एसयूवी में हेरोइन और हथियारों की तस्करी हो रही थी

श्रीगंगानगर, (निसं)। पुलिस ने दो तस्करों को 15 करोड़ की हेरोइन और दो मेड इन चाइना निर्मित पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। तस्कर हैरियर एसयूवी में ये ड्रग्स और हथियार सप्लाई करने की फिराक में घूम रहे थे। एसयूवी में 14 जिन्दा कारतूस भी मिले हैं।

दोनों की जांच में सामने आया कि ये लगातार विदेश में बैठे एक हैंडलर से निर्देश ले रहे थे। जांच में यह भी अंदेशा जताया गया है कि हथियार और ड्रग्स पाकिस्तान से भारत में सप्लाई हुई है। हनुमानगढ़ एसपी हरी शंकर ने बताया कि अवैध हथियार और हेरोइन तस्करी के मामले में भूपेन्द्र सिंह (43) निवासी बठिंडा (पंजाब) और नासिर (23) डीग (राजस्थान) को पकड़ा है। दोनों आरोपियों से नशे और हथियार की खरीद-फरोख्त को लेकर पूछताछ की जा रही है।

एसपी ने बताया कि तस्करों के पास से 3 किलो 8 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), दो विदेशी पिस्टल, 14 जिंदा कारतूस और एक लग्जरी कार बरामद की है। देर रात संगरिया थाना क्षेत्र में रोही नगराना के पास नाकाबंदी के दौरान हरियाणा नंबर की एसयूवी हैरियर को रोककर तलाशी ली गई। पुलिस गाड़ी में रखे बैग से 3 किलो 8 ग्राम हेरोइन, दो विदेशी पिस्टल (मैगजीन सहित), एक अतिरिक्त मैगजीन और 14 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं, जिसके बाद दोनों आरोपियों को दबोच लिया गया। गिरफ्तार दोनों आरोपी हिस्ट्रीशीटर बदमाश हैं, जो विदेश हैंडलर के कॉन्टेक्ट में थे।

एसपी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी पंजाब के हरिके से ड्रग्स और हथियार लाना बता रहे हैं। साइबर सेल ने जब आरोपियों के मोबाइल फोन चेक किए तो पता चला कि आरोपी लगातार विदेशी नंबरों पर कॉल कर रहे थे। उनके फोन में विदेशी नंबरों की डिटेल भी मिली है। इन्हें, विदेशी हैंडलर लगातार डायरेक्शन दे रहे थे कि हथियार और हीरोइन कहां से लेने हैं और कहां पहुंचाने हैं। संगरिया एसएचओ अमर सिंह ने बताया कि पिस्टल पर मेड इन चाइना लिखा है। फिलहाल मामले में दोनों से पूछताछ जारी है।

भूपेंद्र पर पंजाब और राजस्थान में चोरी, नकबजनी और आर्म्स एक्ट के आधा दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, नासिर (23) डीग जिले का कुख्यात बदमाश है। यह अंतरराज्यीय चोर गिरोह का सक्रिय सदस्य है। जिसके खिलाफ चोरी, लूट, डकैती, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के दर्जनों केस दर्ज हैं। संभवतया हथियार और हथियार और ड्रग्स पाकिस्तान बॉर्डर से सप्लाई हुए हैं, क्योंकि ज्यादातर मामलों में ड्रोन से ड्रग्स के साथ पाकिस्तान के तरफ से हथियार भी फेंके जाते है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

जसोल और महाराष्ट्र में छापेमारी जारी

- आयकर विभाग को अब तक की छापेमारी में कई सुराग हाथ लगे

बालोतरा, (निसं)। आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा ने राजस्थान के बालोतरा और जसोल सहित महाराष्ट्र में कपडा रंगाई-छपाई से जुड़े कारोबारियों और एक प्रॉपर्टी डेवलपर के ठिकानों पर दूसरे दिन भी छापेमारी जारी रखी है। यह कार्रवाई विमल समूह और प्रॉपर्टी डेवलपर नरेश पटौदी के यहां चल रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग को अब तक की छापेमारी में कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। लगभग 3 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई हैं। करोडों रुपये की ज्वैलरी का भी पता चला है। अब तक करीब आधा दर्जन लॉकर्स की चाबियां आयकर अधिकारियों को मिली हैं, जिन्हें खोलने की प्रक्रिया जारी है। वहीं महत्वपूर्ण निवेश दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं, जिनकी गहन जाँच की जा रही है।

यह छापेमारी विमल समूह के मालिक भरत मेहता, सुभाष मेहता और उनके अन्य भाइयों के आवासों पर हो रही है। समूह से जुडी फैक्ट्रियां, जिनमें विमल टेक्सटाइल इंडस्ट्री, विमल क्लोथिंग, विमल ऑक्स, विमल प्रॉक्सी आदि शामिल हैं, पर भी छापे मारे गए हैं। प्रॉपर्टी डेवलपर नरेश पटौदी के आवास और ठिकानों पर भी कार्रवाई जारी है। राजस्थान राज्य में 17 ठिकानों पर छापेमारी जारी है। राजस्थान के अलावा महाराष्ट्र में भी 2 ठिकानों पर कार्रवाई की जा रही है। देर रात तक सभी ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई जारी रहने की सूचना है। आय से अधिक संपत्ति और कर चोरी के मामलों में यह बडी कार्रवाई मानी जा रही है।

वरिष्ठ सहायक दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

आरोपी वरिष्ठ सहायक

जालोर, (कासं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जालोर इकाई ने गुरुवार को कार्यवाही करते हुये वरिष्ठ सहायक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारभिंक) जिला जालोर के महेन्द्र कुमार को दस हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि ए.सी.बी. मुख्यालय स्थित हैल्पलाईन नम्बर 1064 को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी से आरोपी महेन्द्र कुमार (वरिष्ठ सहायक) कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारभिंक) जिला जालोर द्वारा परिवादी की स्कूल की मान्यता एवं यूडाईस आई डी व पासवर्ड जारी करने की एवज में दस हजार रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर जोधपुर रेंज के उपमहानिरीक्षक भुवन भूषण यादव के सुपरवीजन में ए.सी.बी. चौकी जालोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मांगीलाल राठौड़ ने गुरुवार को मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी महेन्द्र कुमार (वरिष्ठ सहायक) कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारभिंक) जिला जालोर से उक्त रिश्वत राशि दस हजार रूपये बरामद कर आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया जायेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज श्रीगंगानगर का दौरा करेंगे

- साधुवाली गाजर मंडी और फिरोजपुर फीडर के रिनोवेशन कार्य का शिलान्यास करेंगे सीएम भजनलाल शर्मा

श्रीगंगानगर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का शुक्रवार को श्रीगंगानगर दौरा प्रस्तावित है। सीएम यहां साधुवाली गाजर मंडी और फिरोजपुर फीडर के रिनोवेशन कार्य का शिलान्यास करेंगे। साथ ही गाजर मंडी में जनसभा को संबोधित करेंगे।

सीएम के दौरे को लेकर गुरुवार को जिला प्रशासनिक अधिकारियों व भाजपा नेताओं ने साधुवाली गाजर मंडी व फिरोजपुर फीडर का जायजा लिया। जल संसाधन मंत्री हरीश रावत, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ भी श्रीगंगानगर पहुंचे। साधुवाली गाजर मंडी में पंडाल (डोम) बनाकर तैयार है। पूरा डोम एल्युमीनियम स्ट्रक्चर का है। सारा सामान जयपुर से मंगवाया गया है। पंडाल में हजारों की संख्या में लोग बैठ सकते हैं। सीएम का हेलिकॉप्टर पंडाल से 150 मीटर पूर्व दिशा में बने हेलीपैड पर लैंड करेगा। पीडब्लूयूडी ने हेलीपैड को पूरी तरह तैयार कर दिया है। हेलिकॉप्टर उतरते ही सीएम सबसे पहले पंडाल के पीछे बने सेफ हाउस में जाएंगे। वहां से स्टेज पर एंट्री करेंगे। सुरक्षा के मद्देनजर पूरा रूट सील रहेगा।

गुरुवार को पीडब्लूयूडी के एसई बीएस स्वामी और कृषि विपणन बोर्ड के एक्सईएन विनोद कुमार पूरे दिन साइट पर रहे। दोनों अधिकारियों ने हेलीपैड, पंडाल, बैठने की व्यवस्था, पानी, बिजली से लेकर बैरिकेडिंग तक हर छोटी-बड़ी चीज का मुआयना किया।

माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रह्लाद टाक ने कहा कि श्रीगंगानगर जिले के किसानों को पानी की भारी किल्लत से जूझना पड़ता था। जिसके बाद सीएम भजनलाल शर्मा ने फिरोजपुर फीडर का निरीक्षण किया। अब शुक्रवार को फिरोजपुर फीडर के रिनोवेशन कार्य का शिलान्यास होगा। जिसके बाद पूरी क्षमता में फीडर में पानी आएगा। इससे पहले फिरोजपुर फीडर जगह-जगह से टूटा हुआ था, जिसके कारण नहर में पूरा पानी छोड़ते ही नहर टूट जाती थी। नहर का पानी ओवरफ्लो होकर बाहर निकल जाता था। फीडर का रिनोवेशन होने से किसानों को पूरा पानी मिलेगा और फायदा होगा। जिससे अच्छी फसलें होंगी।

युवक ने चोरी हुई बाइक को तलाशा, पुलिस को सौंपा आरोपी

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम थाना इलाके में करीब एक माह पूर्व चोरी हुई बाईक को युवक ने अपने मित्रों की मदद से तलाशा और चोर को पकड़ कर पुलिस को सौंपा।

जानकारी के अनुसार आरकेपुरम इलाके के रंगबाड़ी निवासी सागर वैष्णव की 22 अक्टूबर को खड़े गणेशजी मंदिर के बाहर से बाईक चोरी हो गई थी। पीड़ित ने बाईक चोरी की रिपोर्ट आरकेपुरम थाने में दर्ज कराई। पीड़ित भी बाईक को तलाश करने में जुटा हुआ था। मामले में सामने आया कि सागर बैष्णव की चोरी हुई बाईक को गुरूवार को उसके परिचित ने रंगबाड़ी शगुन गार्डन के पास देखा जिसकी सूचना उसने सागर बैष्णव को दी, सूचना मिलने पर सागर मौके पर पहुंचा और वाहन चोर को बाईक सहित पकड़ लिया बाद में इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

फतेहपुर में पारा 1.5 डिग्री दर्ज

सीकर, (निसं)। सीकर जिले के फतेहपुर शेखावाटी में सवेरे का न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री दर्ज हुआ। पारा तेजी से लुढ़कने पर सर्दी ने अपना रंग दिखा दिया है। बर्फीली हवा चलने से धूप बेअसर हो गई है।

कार की टक्कर से दो मनरेगा महिला श्रमिकों की मौत

- हादसे में बच्चे सहित तीन महिलायें घायल

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के सामतीपुरा रोड पर गुरुवार की सुबह एक स्विफ्ट कार ने एक बच्चे सहित पांच महिलाए मनरेगा श्रमिकों को कुचल दिया। जिसमें दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। वही एक बच्चे को गंभीर स्थित में पाली रेफर किया और दो महिलाओं का जालोर के सामान्य चिकित्सालय में इलाज जारी है।

जालोर शहर के सामतीपुरा रोड पर नगर परिषद की ओर से चल रहे मनरेगा में कार्य कर रही थी तभी अचानक सामतीपुरा की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार के चालक ने कार को तेजगति चलाते हुए चार महिला श्रमिकों समेत एक 3 साल के बच्चे को कुचलते हुए एक पेड से टकरा गई। जिससें बदामी (50) पत्नी सुजाराम भील व रामूदेवी उर्फ गुगी देवी (45) पत्नी भंवरलाल भील निवासी तासखाना बावडी जालोर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई तथा इंद्रा (45) पत्नी विरमाराम भील व उसका बेटा धीरज कुमार (3) पुत्र विरमाराम व लीला (48) पत्नी फूटरमल निवासी तासखाना बावडी जालोर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस व एम्बूलेंस को सूचना देने पर घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से जालोर के सामान्य चिकित्सालय पहुंचाया, जहां धीरज पुत्र विरमाराम को गंभीर स्थित में पाली रेफर किया गया। इसके अलावा लीला देवी व इंद्रा देवी का जालोर के राजकिय चिकित्सालय में इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलने पर जालोर नगर परिषद आयुक्त दिलीप माथुर व जालोर पुलिस उप अधीक्षक गौतम जैन व कोतवाल रामेश्वर लाल भाटी ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी लेकर मौका मुआयना कर आगे की कार्यवाही शुरु की।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

- कोर्ट ने टिप्पणी की है कि बालिका मानव धरोहर है, मनुष्य की वासना पूर्ति का साधन नहीं, आरोपी ने पीड़िता को ऐसा दंश दिया, जो आजीवन उसके साथ रहेगा

सीकर, (निसं)। सीकर की पॉक्सो कोर्ट 2 ने 15 साल की नाबालिग लड़की से रेप के मामले में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मामले में आरोपी को अंतिम सांस तक जेल की सजा सुनते हुए 70 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा है कि बालिका मानव धरोहर है, मनुष्य की वासना पूर्ति का साधन नहीं। आरोपी ने पीड़िता को ऐसा दंश दिया। जो आजीवन उसके साथ रहेगा।

सरकारी वकील नागरमल कुमावत ने बताया कि सीकर जिले के शहरी क्षेत्र की रहने वाली 15 साल की पीड़िता ने 1 अक्टूबर 2023 को पुलिस में मामला दर्ज करवाया कि उसके बड़े भाई की शादी 2021 में होने के बाद भाई के साले का उनके घर पर आना-जाना हो गया था। पीड़िता के घरवालों का दादाजी, मौसा जी से लड़ाई होने की वजह से पीड़िता के माता और पिता हॉस्पिटल में एडमिट रहे। तब पीड़िता घर पर अकेली थी। इसी दौरान पीड़िता की भाभी ने अपने भाई को पीड़िता के घर पर अकेले होने के बारे में कहा और उसे पीड़िता के घर पर रहने के लिए भेज दिया। वहां रहने के दौरान आरोपी ने पीड़िता को अकेला पाकर उसके साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकत की। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने कहा कि वह गुंडा है। जो पीड़िता के मां-बाप और भाई बहन को मार देगा। ऐसे में नासमझ होने और घरवालों की चिंता की वजह से पीड़िता अपने साथ हो रही जबरदस्ती का विरोध नहीं कर सकी। आरोपी ने धमकियां देकर पीड़िता के साथ कई बार रेप किया। इस दौरान आरोपी ने पीड़िता का अश्लील वीडियो भी बना लिया। पीड़िता के माता-पिता अस्पताल से डिस्चार्ज होकर वापस आ गए।

सरकारी वकील नागरमल कुमावत ने बताया कि इसके बाद जब पीड़िता कॉलेज जाती तब भी आरोपी उसका पीछा करता और जान से मारने की धमकियां देता। कई बार आरोपी ने पीड़िता को होटल में ले जाकर भी उसके साथ रेप किया। होटल में रेप करने के दौरान आरोपी ने कई बार पीड़िता के साथ बेल्ट से मारपीट भी की। आरोपी उसे अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देता। आरोपी पीड़िता को यह भी धमकी देता कि वह अपनी बहन को बोलकर पीड़िता के घरवालों के खिलाफ दहेज का झूठा मुकदमा करवा कर उन्हें जेल में बंद करवा देगा।

मजबूर होकर 2023 में जुलाई महीने में पीड़िता ने अपने माता-पिता को इस बारे में बताया। उन्होंने आरोपी और उसके घर वालों को बुलाया। आरोपी के पिता ने पीड़िता के पिता को कहा कि अब उनका बेटा ऐसा कुछ नहीं करेगा। लेकिन सितंबर 2023 में ही पीड़िता की सगाई हो गई। जब पीड़िता की सगाई के बारे में आरोपी को पता चला तो आरोपी ने पीड़िता के पिता के मोबाइल पर अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पीड़िता के पिता ने आरोपी की बात मानने से इनकार कर दिया।

आखिरकार आरोपी युवक ने पीड़िता के पापा, और पीड़िता के मंगेतर और अन्य लोगों को वह फोटो और वीडियो वायरल कर दिए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया। मामले में अभियोजन पक्ष की तरफ से 16 गवाह और 48 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए गए। जिसके बाद आज कोर्ट ने मामले में आरोपी को अंतिम सांस तक जेल और 70 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने पीड़िता को पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत 5 लाख रुपए दिलवाने के निर्देश दिए हैं।

कोर्ट ने मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि आरोपी पीड़िता के भाई का साला है, जो पीड़िता के परिजनों के अस्पताल में एडमिट होने के कारण उनकी देखभाल करने के लिए पीड़िता के घर पर आया था। जिसने फायदा उठाकर नाबालिग पीड़िता के साथ डरा धमकाकर रेप किया और फिर अश्लील फोटो वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करके कई बार पीड़िता के साथ रेप किया। इस तरह का अपराध लीगल रूप से तो गंभीर है ही, रिश्तों की गरिमा की दृष्टि से भी गंभीर है। इसलिए आरोपी के प्रति किसी प्रकार की नरमी नहीं रखी जा सकती। आरोपी ने पारिवारिक रिश्तों का फायदा उठाकर कम उम्र की अवयस्क बालिका के साथ रेप किया और पीड़िता को ऐसा दंश दिया,जो आजीवन उसके साथ रहेगा। पालिका मानवता की धरोहर है मनुष्य की वासना पूर्ति का साधन नहीं है उन्हें सम्मान पूर्वक विकसित होने का हक है।

चलती ट्रेन से गिरकर महिला की मौत

कोटा, (निसं)। दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर जिला बूंदी के गुड़ला रेलवे स्टेशन के पास एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। जानकारी के अनुसार बिहार से भागकर आए एक प्रेमी युगल के ट्रेन से गिरने से 30 वर्षीय विवाहिता की मौत हो गई, जबकि 17 वर्षीय नाबालिग लड़का गंभीर रूप से घायल हो गया, दोनों बिहार के सहरसा जिले के एक ही गांव के रहने वाले हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने बताया कि सूचना प्राप्त हुई थी कि गुड़ला रेलवे स्टेशन यार्ड में ट्रैक पर एक महिला और एक लड़का गिरे हुए हैं। मौके पर पहुंची टीम ने दोनों को तुरंत एम्बुलेंस से कोटा के एमबीएस अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया, जबकि लड़के की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। मामले में सामने आया है कि बुधवार देर रात हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से मुंबई जाने वाली ट्रेन में सवार हुए और ट्रेन गुड़ला स्टेशन के पास से गुजर रही थी, तो दोनों चलती ट्रेन का गेट खोलकर दरवाजे पर बैठने की कोशिश कर रहे थे, इसी दौरान तेज हवा लगने से दोनों का संतुलन बिगड़ा और वे ट्रैक पर जा गिरे।

RAJASHTAN UNIVERSITY OF HEALTH SCIENCES
OFFICE OF THE PRINCIPAL RUHS COLLEGE OF DENTAL SCIENCES, JAIPUR
E-mail-gdchjpr@Rajasthan.gov.in

No. DSC/GS/2025/972 DATED 04/12/2025

ADVERTISEMENT

Applications are invited for 08 scat only from students who have passed the Final B.D.S. Examination form a Dental College Recognized by Dental Council of India and are desirous of undergoing one year compulsory Internship in this Institute. Date of submission of Application Form is 5th December 2025 to 11th December 2025 upto 4:00 PM in the office of the Principal, RUHS College of Dental Sciences, Subhash Nagar, Jaipur. For other conditions and details kindly visit the website www.ruhsraj.org.

Raj.Samwad/C/25/15182 Principal

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोंक
क्रमांकः 5036-5043 दिनांकः 28/11/2025
निविदा सूचना संख्याः 20/2025-26 खण्ड टोंक
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड टोंक में सडक/ भवननिर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए", "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोंक
DIPR/C/17837/2024

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD CITY DIVISION AJMER
No.:-EE/City/Ajmer/NIT/2025-26/D 3228 Dated-25/11/2025
NOTICE INVITING BID No. -21/2025-26
NIB Code No.:- PWD2526A 4516
Tender for 06 works are invited from interested bidders up to 06.00 PM on 08th December, 2025. Other particulars of the bids may be visit on the procurement portal http://{HYPERLINK "http://eproc.rajasthan.gov.in"}", {HYPERLINK "http://sppp.raj.nic.in"}" of the State and DIPR departmental website.
The approximate value of the procurement is Rs. 322.04 Lacs.
UBN No.:-
UBN S. No 1:- PWD2526WSOB 17860
UBN S. No 2:- PWD2526WSOB 17861
UBN S. No 3:- PWD2526WSOB 17862
UBN S. No 4:- PWD2526WSOB 17863
UBN S. No 5:- PWD2526WSOB 17864
UBN S. No 6:- PWD2526WSOB 17865
(Vipin Kumar Jindal)
Executive Engineer
PWD City Division Ajmer
DIPR/C/17719/2024

कार्यालय अधीक्षण एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, सलुम्बर
E-mail sewdsc.salumber@gmail.com
क्रमांक : एफ ()/निविदा/PMKSY 2.0/2025-26/812 दिनांक : 28.11.2025
ई निविदा सूचना 32/2025-26
पीएमकेएसवाये 2.0 (एनआरएम) परियोजना क्षेत्र के अंतर्गत ब्लॉक लसाडिया जिला सलुम्बर (कुल 1 पैकेज) में जलग्रहण विकास कार्यो के लिए बीड, अनुमानित मूल्य 108.99 लाख रुपये दिनांक 07.12.2025 को सांय 6.00 वजे तक इच्छुक बोलीदाताओं से आमंत्रित की जाती हैं। बोलियों से संबन्धित विस्तृत विवरण राज्य सरकार के पोर्टल (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in) पर देखे जा सकते है।
UBN No. WSC2526WSOB01861
अधीक्षण अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर सलुम्बर
DIPR/C/17722/2024

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI
PH NO.-07464-250219, E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in
Notice Inviting Bid
Bids for the work of solar installation under phed division karauli are invited from interested bidders up to 10.12.2025 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.
NIB CODE:-PHE2526A4491

S.N.	NIT NO.	UBN	S.N.	NIT NO.	UBN
1	134/2025-26	PHE2526WSOB09209	2	135/2025-26	PHE2526WSOB09211
2	136/2025-26	PHE2526WSOB09212			

01	Total work	03
02	Total Estimate Cost	37.65 Lac
03	Bid submission end date	10.12.2025 up to 06.00 PM
04	Bid opening date	10.12.2025 at 11.00 AM

(Vijay Kumar Meena)
Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Division Karauli
DIPR/C/17806/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण पंचायत समिति जमवारामगढ (जयपुर)
EEWDSC.JAMWARAMGARH@RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांकः-232 दिनांकः-28/11/2025
ई-निविदा सूचना संख्या-02/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 (MJSA 2.0) Ph-I/II एवं PMKSY-2.0 ब्लॉक जमवारामगढ/आंधी जिला जयपुर में मद के अन्तर्गत स्वीकृत विभिन्न के Farm Pond -41, Anicut-07, CCT-02, Recharge Shaft-36, ECD-09, MPT-13, PCD-01 PT-08, SSB-02 कुल नं 08. पैकेज, 119 निर्माण कार्य परियोजनाओं के अन्तर्गत करवाये जाने वाले विभिन्न निर्माण कार्य हेतु जिला जयपुर में स्वीकृत कार्यों हेतु राजस्थान लोक उपापन में परदर्शिता नियम 2013 के अनुसरण में राज्य सरकार के उपर्युक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग / जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग/जल संसाधन विभाग / ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग / स्थानीय निकायों में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया द्वारा दिनांक 30.11.2025 से दिनांक 14.12.2025 को सांय 5.00 बजे तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। दिनांक 15.12.2025 को सुबह 11:00 बजे कार्यालय में खोली जावेगी। निविदा का विस्तृत विवरण "https://sppp.rajasthan.gov.in", "https://eproc.rajasthan.gov.in" एवं विभागीय वेबसाईट 'www.watershed.gov.in" पर देखा जा सकता है।
NIB CODE:-WSC2526A1079
UBN NO:-1. WSC2526WSOB01871, 2. WSC2526WSOB01872, 3. WSC2526WSOB01873 4. WSC2526WSOB01874, 5. WSC2526WSOB01875, 6. WSC2526WSOB01876 7. WSC2526WSOB01877, 8. WSC2526WSOB01878
(संजय सुनारिया)
अधिशाषी अभियन्ता
जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण
जमवारामगढ, जयपुर
DIPR/C/17809/2024

रीको प्रशासन की प्रत्यक्ष आवंटन योजना से औद्योगिक निवेश को नई गति मिली

''राइजिंग राजस्थान'' समिट में 19 नवंबर तक सरकार के साथ एमओयू करने वाले निवेशकों के लिए आज से शुरू होगा 7वें चरण में आवंटन

-कार्यालय संवाददाता-

- रीको प्रशासन ने इस योजना के तहत राइजिंग राजस्थान समिट में एमओयू निष्पादित करने वाले उद्यमियों को अब तक 117 विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक व लॉजिस्टिक भूखण्ड उपलब्ध कराये हैं, जिनमें 31 नए औद्योगिक क्षेत्र भी शामिल है।
- इस योजना के तहत अभी तक 1070 निवेशकों को करीब 1877 करोड़ रुपये की भूमि आवंटित की जा चुकी है। जहां पर उद्यमियों द्वारा 15 हजार 274 करोड़ रुपये का निवेश होगा और करीब 30 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा

जयपुर। रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना में निवेशकों का रूझान लगातार बढ़ रहा है। अब तक इस योजना के छह चरण पूर्ण हो चुके हैं एवं सातवां चरण 5 दिसम्बर से प्रारंभ होगा। रीको प्रशासन ने इस योजना के तहत राइजिंग राजस्थान समिट में एमओयू निष्पादित करने वाले उद्यमियों को 117 विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक व लॉजिस्टिक भूखण्ड उपलब्ध कराये हैं, जिनमें 31 नए औद्योगिक क्षेत्र भी शामिल है। इस योजना के तहत अभी तक 1070 निवेशकों को भूमि जिसकी कीमत करीब 1877 करोड़ रुपये है, आवंटित की जा चुकी है। इन निवेशकों द्वारा किये गये एमओयू द्वारा लगभग 15 हजार 274 करोड़ रुपये का निवेश होगा और करीब 30 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा तथा राज्य के आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि योजना के सातवें चरण में 108 औद्योगिक क्षेत्रों को शामिल किया है, जिसमें 7 नए औद्योगिक क्षेत्र धुंवाला (भीलवाड़ा), रूंध सौखरी (अलवर), बरोली (धौलपुर), पीपलूंद (भीलवाड़ा), कीडीमाल (भीलवाड़ा), सथाना-जनरल जोन (ब्यावर) तथा केकड़ी एक्सटेंशन (अजमेर) भी सम्मिलित हैं और करीब 6000 भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध हैं।

शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि ''राइजिंग राजस्थान'' के अंतर्गत 19 नवम्बर 2025 तक एमओयू करने वाले सभी निवेशक इस योजना के पात्र हैं और अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से 5 से 18 दिसम्बर तक ऑनलाइन ईएमडी जमा करवा कर आवेदन कर सकते हैं। ई-लॉटरी 23 दिसम्बर 2025 को निकाली जायेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक एमओयू शीघ्रता से धरातल पर उतरें और लोगों को रोजगार मिले। प्रत्यक्ष आवंटन योजना इसी उद्देश्य की पूर्ति करती है।

उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार ने ''राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट'' का आयोजन 9 से 11 दिसंबर 2024 तक किया। मुख्यमंत्री की यह मंशा है कि राइजिंग राजस्थान के तहत एमओयू करने वाले उद्यिमयों को औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक भूखण्डों का आवंटन सीधे ही किया जाये, जिससे उद्यमी अपनी इकाइयाँ अल्प समय में ही लगा सकें। इसके अनुरूप राइजिंग राजस्थान के तहत किये गये एमओयू होल्डर्स को सीधे ही औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक भूखण्ड आवंटन करने के लिये मार्च-2025 में प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 जारी की गई। समाज के सभी वर्गों को इस योजना का लाभ मिले इसलिये एससी/एसटी, महिला वर्ग, भूतपूर्व सैनिक, बेंचमार्क दिव्यांगता तथा सशस्त्र बलों/अद्धसैनिक बलों के मृतक के आश्रित के लिए भी भूखण्ड आरक्षित किये जाते हैं। योजना को पारदर्शी बनाने हेतु पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन रखी गई है। आवेदन, ईएमडी एवं आवंटन पश्चात् की सभी तरह की सेवायें रीको के ऑनलाइन पॉर्टल पर उपलब्ध हैं। इस योजना के अंतर्गत एक भूखण्ड पर एक ही आवेदन होने पर सीधा ही भूखण्ड आवंटन होता है तथा एक से अधिक आवेदन होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया जाता है।

ग्राम सेवक भर्ती में डमी अभ्यर्थी का मामला उजागर

एस.ओ.जी. ने दस हजार का इनामी दबोचा

- डमी अभ्यर्थी निकला द्वितीय श्रेणी का शिक्षक

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी)ने कार्रवाई करते हुए राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं की पारदर्शिता पर लगातार प्रहार कर रहे जालसाजों के खिलाफ एसओजी की कार्रवाई जारी है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि ग्राम सेवक भर्ती परीक्षा-2016 के अत्यंत संवेदनशील मामले में डमी अभ्यर्थी बैठाकर नौकरी हासिल करने वाले मुख्य आरोपी और दस हजार के इनामी लाडूराम विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया गया है।

लाडूराम विश्नोई

एडीजी बंसल ने बताया कि यह पूरा मामला एसओजी को प्राप्त एक परिवाद के आधार पर उजागर हुआ। परिवाद में आरोप लगाया गया था कि ग्राम सेवक भर्ती परीक्षा-2016 में अभ्यर्थी लाडूराम विश्नोई ने स्वयं परीक्षा नहीं दी, बल्कि अपनी जगह एक डमी अभ्यर्थी बैठाकर सरकारी नौकरी हथिया ली। जांच में ये तथ्य सही पाए जाने पर एसओजी ने तुरंत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

अनुसंधान के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मुख्य आरोपी लाडूराम विश्नोई ने अपनी जगह परीक्षा देने के लिए गोपाल विश्नोई नामक व्यक्ति को हायर किया था। डमी अभ्यर्थी गोपाल विश्नोई पुत्र जगदीश विश्नोई निवासी बाड़मेर खुद द्वितीय ग्रेड शिक्षक के रूप में जोधपुर में नियुक्त था, जिसे एसओजी ने इस मामले में 19 दिसम्बर 2024 को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।प्रकरण दर्ज होने के बाद से ही मुख्य आरोपी लाडूराम विश्नोई अपने घर से फरार था और लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। जिसके कारण उसकी गिरफ्तारी पर दस हजार का पुरस्कार घोषित किया गया था। एसओजी की टीम ने तकनीकी विश्लेषण, खुफिया सूचनाओं और लगातार निगरानी का सहारा लिया। अंत:1 दिसम्बर को एसओजी ने लाडूराम विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी लाडूराम निवासी धोरीमन्ना जिला बाड़मेर का रहने वाला है। एसओजी अब इस भर्ती धोखाधड़ी के पीछे के पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने स्पष्ट किया कि जांच का मुख्य फोकस यह पता लगाने पर है कि इस धोखाधड़ी में और कौन-कौन शामिल था, क्या अन्य अभ्यर्थियों ने भी यही तरीका अपनाया और क्या इसके पीछे कोई संगठित गिरोह काम कर रहा था। एसओजी ने दोहराया है कि योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया में फर्जीवाड़े को जड़ से खत्म किया जाएगा।

9 राज्यों में 10 लाख से अधिक सोलर इंस्टॉलेशन की तैयारी : मदन राठौड़

'प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना आमजन के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम'

- 'आम परिवारों को मुफ्त बिजली देने की दिशा में मोदी सरकार का महत्वपूर्ण कदम है यूएलए मॉडल'

जयपुर। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत यूटिलिटी लेड एग्रीगेशन मॉडल के क्रियान्वयन को लेकर नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय से महत्वपूर्ण सवाल लगाए। राठौड ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत यूएलए मॉडल से देश के गरीब और आम परिवारों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

राठौड के सवाल के जवाब में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री श्रीपाद नाईक ने कहा कि यूएलए मॉडल का मुख्य लक्ष्य डिस्कॉम और राज्य-स्तरीय एजेंसियों के माध्यम से कम आय वाले परिवारों को सौर ऊर्जा उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने घर की छतों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाकर मुफ्त बिजली का लाभ ले सकें।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड ने बताया कि भारत सरकार गरीब परिवारों तक मुफ्त सौर ऊर्जा पहुंचाने के लक्ष्य के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। इस दिशा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत लागू किए जा रहे यूटिलिटी लेड एग्रीगेशन (यूएलए) मॉडल को सदन में विशेष रूप से उठाया गया। कार्य को आसान और मजबूत बनाने के लिए मंत्रालय ने परिचालन दिशा-निर्देशों में संशोधन किया है। इसके साथ ही भुगतान प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने हेतु पेमेंट रिलीज़ मैकेनिज्म अधिसूचित किया गया है, जिसके अनुसार सत्यापन के तुरंत बाद केंद्रीय वित्तीय सहायता सीधे वेंडर के बैंक खाते में भेजी जाती है। सीएफए (केंद्रीय वित्तीय सहायता) एक ही किस्त में तब जारी होती है, जब रूफटॉप सौर संयंत्र का सफलतापूर्वक स्थापन, परीक्षण और संचालन पूरा हो जाता है। यह व्यवस्था भ्रष्टाचार और देरी पर प्रभावी रोक लगाती है और जनता को शीघ्र लाभ सुनिश्चित करती है जो मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि यूएलए मॉडल को अभी तक 9 राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में सैद्धांतिक मंजूरी दी जा चुकी है।

इसमें आंध्र प्रदेश, ओडिशा, असम, केरल, जम्मू-कश्मीर, अंडमान एवं निकोबार, लद्दाख, दादरा-नगर हवेली-दमन-दीव और तेलंगाना शामिल हैं। इन राज्यों में कुल 10 लाख 37 हजार 543 रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन को स्वीकृति प्रदान की गई है, जो भविष्य में लाखों परिवारों को सशक्त बनाने वाला कदम है। यह संकेत है कि आने वाले महीनों में इसका विस्तार और गति और बढ़ने वाली है।

नेता प्रतिपक्ष भ्रमित न करे, दलित अत्याचारों में आई कमी : मदन दिलावर

जयपुर (कासं)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वर्तमान में प्रदेश में कानून व्यवस्था चाक-चौबंद है और अपराधों में लगातार कमी आ रही है। नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के लोगों को भ्रम नहीं फैलाना चाहिए। मदन दिलावर ने कहा कि एससी-एसटी अत्याचार के कुल अपराधों में नवम्बर 2023 की तुलना में नवम्बर 2025 में 28.23 प्रतिशत की कमी आई है और नवम्बर 2024 की तुलना में नवम्बर 2025 में 17 प्रतिशत की कमी आई है। इसके अलावा एससी-एसटी अत्याचार के मामलों में अनुसंधान करने के समय में भी काफी कमी आई है और किसी भी प्रकार की आपराधिक घटना की सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई हो रही है।

जयपुर में नकली नोट खपाने वाले दो आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 81 हजार 700 रुपए कीमत के नकली नोट, नकली पट्टे और फर्जी सील भी बरामद की

जयपुर। विधाधर नगर पुलिस और जिला स्पेशल टीम उत्तर (डीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए राजधानी में नकली नोट खपाने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 81 हजार 700 रुपए कीमत के नकली नोट,नकली पट्टे और फर्जी सील भी बरामद हुई हैं। पुलिस इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों के बारे पता लगा रही है।

विद्याधर नगर पुलिस ने नकली नोट छापने वाले दो आरोपी पकड़े।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि विधाधर नगर थाना पुलिस और डीएसटी उत्तर ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नकली नोट के साथ विशाल रावत और हरिकृष्ण बाहेती उर्फ गुरुजी को गिरफ्तार किया है। उनके पास नकली नोट के साथ ही अलग-अलग सोसायटी और जेडीए के नकली पट्टे, फर्जी सील भी मिली हैं। उनके कब्जे से 81 हजार 700 रुपए कीमत के 100-200 रुपए के नकली नोट मिले हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी नकली नोट बाजार में खपाने के लिए एक गिरोह के रूप में काम करते थे। इस गिरोह का सरगना नकली नोट बाजार में चलाने के बदले अपने गुर्गों को 25 फीसदी कमीशन देता था। बाकि रकम खुद रखता था। यह गिरोह नकली नोट बाजार में खपाने के साथ ही फर्जी पट्टे बनाने और सील बनाने का काम भी करते थे। पकड़े गए दोनों आरोपी फर्जी सील बनाने में माहिर हैं। आरोपित ये नकली नोट कहां से लाते और अब तक कितने नोट किसके माध्यम से बाजार में खपाए गए हैं। इसके साथ ही नकली पट्टे और सील का कहां-कहां उपयोग किया गया है। इसके बारे में भी पड़ताल की जा रही है। वहीं पुलिस इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। अब तक की पड़ताल में सामने आया है कि नकली नोट बनाने और इन्हें बाजार में खपाने में कुछ और लोग भी इनकी मदद करते थे। उनकी भी आगे गिरफ्तारी होगी।

आरएएस भर्ती-2023 के भूतपूर्व सैनिक कोटे की मैरिट लिस्ट में संशोधन करें : हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और आरपीएससी को कहा है कि वह आरएएस भर्ती-2023 में भूतपूर्व सैनिक कोटे की अंतिम मेरिट लिस्ट से अपात्र अभ्यर्थी को हटाकर जरूरी संशोधन करें। जस्टिस अशोक कुमार जैन ने यह आदेश नरेन्द्र सिंह व अन्य की याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार और आरपीएससी की ओर से अधिवक्ता एमएफ बेग ने कहा कि उन्होंने 2023 की आरएएस भर्ती के भूतपूर्व सैनिक कोटे में एक अभ्यर्थी घेवर राम को अपात्र पाने पर लिस्ट से हटा दिया है। जिस पर अदालत ने कहा कि वे इस कोटे की मेरिट लिस्ट को संशोधित करें।याचिका में अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने बताया कि अदालत को बताया कि आरपीएससी ने साल 2023 में आरएएस और अधीनस्थ सेवा के पदों के लिए भर्ती निकाली थी।

जिसमें प्रारंभिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा के बाद साक्षात्कार आयोजित कर गत 15 अक्टूबर 2025 को अंतिम परिणाम जारी किया गया। इसमें आरपीएससी ने बिना तथ्यों को देखे ही भूतपूर्व सैनिक कोटे में अपात्र अभ्यर्थी का चयन कर दिया। वहीं अब राज्य सरकार उसे नियुक्ति देने जा रही है। जबकि वह नियम, 1988 के तहत वह अभ्यर्थी भूतपूर्व सैनिक नहीं है। भूतपूर्व सैनिक के तौर पर पेंशन प्राप्त करना और न्यूनतम 20 साल सेना में रहना जरूरी है। इस अभ्यर्थी ने नेवी में कम सेवा की है और स्वेच्छा से ही नौकरी छोडी है और उसे पेंशन भी नहीं मिल रही है। ऐसे में उसे भूतपूर्व सैनिक की श्रेणी में नहीं माना जा सकता। इसलिए भूतपूर्व सैनिक कोटे की लिस्ट को संशोधित किया जाए। जिस पर पूर्व में सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार और आरपीएससी को तथ्य की जांच के लिए कहा था।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से याचिकाकर्ता के दावे को सही बताने पर अदालत ने भूतपूर्व सैनिक कोटे की संशोधित मेरिट लिस्ट जारी करने को कहा है।

एलआईसी की प्रोटेक्शन प्लस और बीमा कवच योजना लॉन्च

जयपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने ग्राहकों के लिए दो नई और आकर्षक बीमा योजनाएं शुरू की है। एलआईसी के सीईओ और एमडी आर. दोराइस्वामी ने इन नई योजनाओं, एलआईसी प्रोटेक्शन प्लस (प्लान 886) और एलआईसी बीमा कवच (प्लान 887) को लॉन्च किया है।

उन्होंने बताया कि प्रोटेक्शन प्लस प्लान एक नॉन-पर, लिंक्ड, लाइफ, इंडिविजुअल, सेविंग्स प्लान है, जो बीमा सुरक्षा के साथ-साथ बचत का भी लाभ प्रदान करता है। इस योजना में जीवन बीमा सुरक्षा के अतिरिक्त निवेश फंड चुनने, सम एश्योर्ड को बढ़ाने/घटाने और टॉप-अप प्रीमियम जमा करने की सुविधा उपलब्ध है। पॉलिसीधारक 5 साल बाद आंशिक निकासी कर सकते है। प्रीमियम भुगतान के लिए रेगुलर पे या लिमिटेड पे दोनों विकल्प मौजूद है। यह 18 से 65 वर्ष की उम्र के लोगों के लिए होगी।

इसमें न्यूनतम सम एश्योर्ड 50 वर्ष से कम आयु वालों के लिए वार्षिक प्रीमियम का 7 गुना और 50 वर्ष या अधिक आयु वालों के लिए वार्षिक प्रीमियम का 5 गुना निर्धारित किया गया है। पॉलिसी अवधि पूरी होने पर, यूनिट फंड वैल्यू (बेस प्रीमियम फंड और टॉप-अप फंड) का भुगतान किया जाएगा। साथ ही, पॉलिसी अवधि में काटे गए मॉर्टेलिटी चार्जेज भी वापस कर दिए जाएंगे। इसी प्रकार बीमा कवच प्लान एक नॉन पार, नॉन लिंक्ड, लाइफ, इंडिविजुअल, प्योर रिस्क प्लान है। जो पॉलिसी अवधि के दौरान होने वाली असमय मृत्यु की स्थिति में परिवार को वित्तीय सुरक्षा देता है। यह प्लान भी 18 से 65 वर्ष के लोगों के लिए है। इसमें न्यूनतम सम एश्योर्ड 2 करोड़ रुपए होगा। ग्राहकों को प्रीमियम भुगतान के लिए सिंगल, लिमिटेड (5,10,15) तथा रेगुलर मोड का विकल्प मिलेगा।

विवाह योग्य उम्र नहीं रखने वाले बालिग भी रह सकते हैं साथ : हाईकोर्ट

राजस्थान हाईकोर्ट ने एक प्रेमी युवक को सुरक्षा देने से जुड़े मामले में टिप्पणी की

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक प्रेमी युवक को सुरक्षा देने से जुड़े मामले में कहा है कि विवाह योग्य उम्र नहीं रखने वाले बालिग युवक-युवती अपनी मर्जी से साथ रह सकते हैं। वहीं अदालत ने नोडल अधिकारी को कहा है कि वह याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अभ्यावेदन को विधि अनुसार तय करें और जरूरत पडने पर उन्हें सुरक्षा मुहैया कराए। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश 18 वर्षीय युवती और 19 वर्षीय युवक की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।अदालत ने कहा कि लिव इन संबंध न तो अवैध हैं और ना ही बिना विवाह साथ रहना अपराध माना गया है। यह राज्य सरकार का दायित्व है कि वह हर नागरिक के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करे। अदालत ने कहा कि मानव जीवन का अधिकार व्यक्ति के बालिग या नाबालिग होने से ऊपर है। याचिकाकर्ताओं की विवाह योग्य उम्र नहीं होने के कारण उन्हें उनके मौलिक अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि समाज या परिवार की आपत्ति किसी भी तरह से याचिकाकर्ताओं के मौलिक अधिकारों को सीमित नहीं कर सकती।याचिका में अधिवक्ता सत्यम खंडेलवाल ने अदालत को बताया कि 18 वर्षीय याचिकाकर्ता युवती और 19 वर्षीय याचिकाकर्ता युवक आपस में विवाह करना चाहते हैं, लेकिन अभी युवक की विवाह योग्य उम्र नहीं हुई है। ऐसे में विवाह योग्य उम्र होने तक वे एक साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने गत 27 अक्टूबर को लिव इन रिलेशनशिप एग्रीमेंट भी बनाया है। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता युवती के परिजन इसके खिलाफ हैं और उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है। इस पर वे नोडल अधिकारी कुनाडी थानाधिकारी, कोटा के समक्ष गत 13 और 17 नवंबर को जाकर अभ्यावेदन पेश कर सुरक्षा मांगी, लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। ऐसे में उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता विवेक चौधरी ने कहा कि कानून में लडका-लडकी की विवाह योग्य उम्र 21 और 18 साल है। मामले में याचिकाकर्ता युवक 19 साल का ही है। ऐसे में न तो वे अभी विवाह कर सकते हैं और ना ही लिव इन में रह सकते हैं। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने नोडल अधिकारी को निर्देश दिए हैं।

राज्य सरकार लगाएगी 7 दिवसीय शहरी समस्या समाधान शिविर

17 से 24 दिसम्बर तक होगा आयोजन, अफसरों ने की तैयारियों पर चर्चा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में राज्य सरकार द्वारा शहरी नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से 17 से 24 दिसम्बर तक 7 दिवसीय शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 आयोजित किए जाएंगे। इनकी तैयारियों को लेकर गुरुवार को नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि तथा स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने डीएलबी मुख्यालय के सभागार में संयुक्त बैठक ली।

बैठक में दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिविरों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, मॉनिटरिंग तथा जनसुविधाओं को सुचारु रूप से सुनिश्चित करने संबंधी सभी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।उल्लेखनीय है कि इन शिविरों में शहरी सेवा शिविर-2025 के तहत दी गई सभी छूट एवं शिथिलताएँ यथावत लागू रहेंगी।

बैठक के दौरान प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशानुसार शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 का आयोजन राज्य की प्रत्येक नगरीय निकाय एवं प्राधिकरण पर अनिवार्य रूप से किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि शिविरों में लंबित प्रकरणों के साथ-साथ प्राप्त होने वाले सभी नए आवेदनों का निस्तारण शिविर स्थल पर ही उसी दिन किया जाना सुनिश्चित किया जाए। शिविर का समय प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक निर्धारित रहेगा, और यदि किसी प्रकरण का कार्य निर्धारित समय तक लंबित रहता है तो शिविर को कार्य पूर्ण होने तक जारी रखा जाएगा। उन्होंने सभी जैसे की ई सम्पर्क इत्यादि पर आने वाली सभी शिकायतों को गंभीरता पूर्वक तत्काल निराकरण के निर्देश भी दिये ।

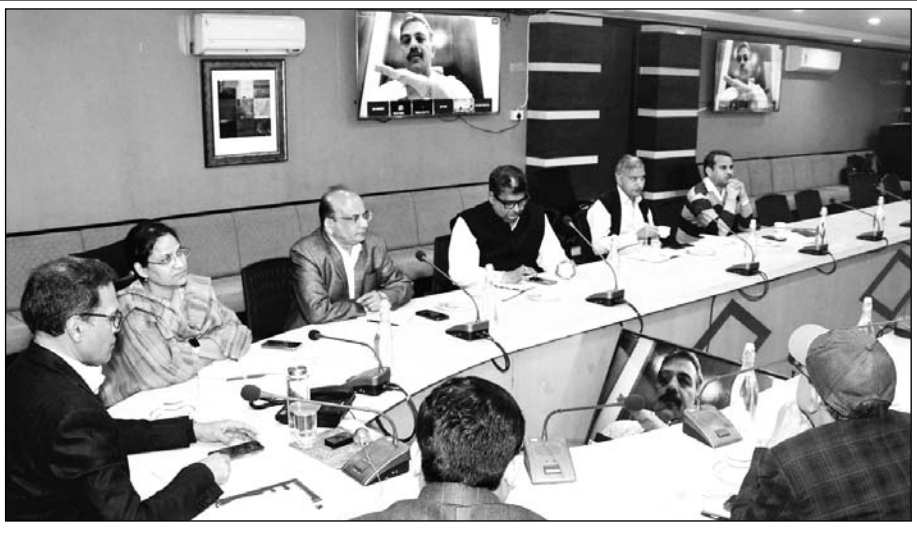

नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि तथा स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने डीएलबी मुख्यालय के सभागार में संयुक्त बैठक ली।

शासन सचिव रवि जैन ने सभी नगरीय निकायों को निर्देशित किया कि शिविरों को अधिकतम परिणामकारी बनाने हेतु पूर्व-तैयारी से लेकर अंतिम निस्तारण तक सभी व्यवस्थाएँ मजबूत रखें। साथ ही अपने क्षेत्र से जुड़े जनप्रतिनिधियों से संवाद कर उस क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं को दूर करने की कार्ययोजना तैयार करें ।

उन्होंने बताया कि प्रमुख एवं फॉलो अप शिविर में पट्टों से संबंधित प्रकरणों में 39 हजार 800 प्रकरणों का निस्तारण किया गया था इसी के साथ ही अन्य भूमि से संबंधित प्रकरणों में 20 हजार 888 प्रकरणों का निस्तारण भी किया गया। जिनमें नाम हस्तान्तरण के 10 हजार 30 प्रकरण, यू.डी. टैक्स के 3 हजार 987 प्रकरण, भवन मानचित्र के 3 हजार 554 प्रकरण, भूखण्डों के उप विभाजन/पुर्नगठन के 1 हजार 753 प्रकरण, निर्माण अवधि विस्तार के 776 प्रकरण, नगरीय विकास/आवासन मण्डल द्वारा ब्याज छूट देकर की गई वसूली के 365 प्रकरण तथा भू-उपयोग परिवर्तन के 423 प्रकरणों स्वीकृत किया गया तथा घर-घर कचरा संग्रहण के 43 हजार 269 प्रकरणों का भी निस्तारण एवं व्यक्तिगत घरेलू शौचालय के 4 हजार 977 आवेदनो का अनुमोदन कर प्रथम किश्त जारी करने के प्रकरण शामिल है।

बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक प्रतीक जुईकर, अतिरिक्त निदेशक सीमा, मुख्य अभियंता अरुण व्यास सहित सभी नगरीय निकायों और नगरीय विकास न्यास के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे ।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एसएसएएटी की बैठक

जयपुर। वर्ष 2022-23 व 2023-24 के वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन व विभिन्न वर्षों के लेखों तथा अंकेक्षण रिपोर्ट का हुआ अनुमोदनजयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी(एसएसएएटी) की शासी निकाय की चतुर्थ बैठक आयोजित की गयी। इस दौरान सोसायटी की ओर से महात्मा गांधी नरेगा योजना, प्रधान मंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, 15वां वित्त आयोग, मिड-डे-मील तथा केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं के सामाजिक अंकेक्षण की प्रगति का अवलोकन किया गया। साथ ही वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अलावा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, समग्र शिक्षा योजना, भवन एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण मण्डल की योजनायें और सामाजिक सुरक्षा पेंशन व सहायता योजना का सामाजिक अंकेक्षण किये जाने का अनुमोदन किया गया। इसी प्रकार वर्ष 2022-23 व 2023-24 के वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन व विभिन्न वर्षों के लेखों तथा अंकेक्षण रिपोर्ट का अनुमोदन किया गया। मुख्य सचिव ने सोसायटी की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने, सामाजिक अंकेक्षण दल द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में वर्णित इश्यूज के बारे में प्रभावी कार्यवाही करने, सामाजिक अंकेक्षण दल का मुख्यालय से समय-समय पर निरीक्षण किये जाने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग श्रेया गुहा, प्रमुख महालेखाकार राजस्थान, शासन सचिव वित्त बजट, शासन सचिव, पंचायती राज विभाग, शासन सचिव, श्रम एवं नियोजन विभाग, शासन सचिव ग्रामीण विकास विभाग, आयुक्त मनरेगा, निदेशक, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग एवं निदेशक सामाजिक लेखा परीक्षा जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी उपस्थित रहे।

भर्ती परीक्षा पर रोक के खिलाफ अपील पेश, सुनवाई आज

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ की ओर से असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2025 की सात दिसंबर से होने वाली परीक्षा पर रोक लगाने के अंतरिम आदेश के खिलाफ आरपीएससी की ओर से खंडपीठ में अपील पेश की गई है। खंडपीठ अपील पर शुक्रवार को सुनवाई करेगी।

अपील में अधिवक्ता एमएफ बेग ने कहा कि आयोग की ओर से परीक्षा को लेकर आयोग की ओर से पूरी तैयारी कर ली गई है। यह परीक्षा संभाग स्तर पर आयोजित की जानी है और इसमें करीब 92 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। अपील में कहा गया कि साल 2024 में भर्ती विज्ञापन जारी किया गया था और सिलेबस जारी कर उसे वेबसाइट पर अपलोड किया गया था। वहीं बाद में इस भर्ती को रद्द कर नियमों में बदलाव कर साल 2025 में भर्ती निकाली गई थी।

मकान के ताले तोड़ लाखों के सोने के जेवर, चार किलो चांदी और पांच लाख की नगदी चोरी

सहायक डाकपाल सुरेश कुमार बुनकर अपने परिवार के साथ जयपुर गए हुए थे, 30 नवम्बर को दिनदहाड़े चोरी हुई

सरदारशहर/चूरू, (निसं)। चूरू जिले के सरदारशहर कस्बे में कार में आये चोर दिनदहाड़े सहायक डाकपाल के घर के ताले तोड़कर लाखों रुपए के सोने के जेवर, करीब चार किलो चांदी और करीब पांच लाख की नगदी चोरी करके ले गए। वहीं चोरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। चोरी की वारदात की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरु की।

जानकारी के अनुसार सहायक डाकपाल सुरेश कुमार बुनकर पुत्र बाबू लाल बुनकर निवासी वार्ड नंबर 25 गायत्री नगर सरदारशहर अपने परिवार के साथ एक शादी में समारोह में शामिल होने के लिए जयपुर गए हुए थे।

सहायक डाकपाल सुरेश कुमार बुनकर ने बताया कि वे 28 नवम्बर को अपने गांव मनोहरपुर शाहपुरा, जयपुर पारिवारिक शादी में गए थे। गुरुवार 4 नवम्बर को वापस आकर देखा तो उनके घर के ताले टूटे हुए मिले। घर में लगे सीसीटीवी में देखा तो पता चला कि 30 नवंबर को साढ़े बारह बजे के करीब एक सफेद रंग की गाड़ी में सवार होकर तीन जने आए थे। एक ने गाड़ी से उतरकर मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा और अंदर चला गया। उसने कमरे का ताला तोड़ा फिर अलमारी का और संदूक का ताला तोड़ा। उसके बाद दूसरा चोर थैला लेकर अंदर गया। तीसरा घर के बाहर गाड़ी में बैठा हुआ गाड़ी को आगे-पीछे करता रहा। कुल मिलाकर चोर उनके घर में रखे पांच लाख रुपए नगद, करीब चार किलो चांदी और लाखों रुपए के सोने के जेवर, 20 चांदी के सिक्के 20 ग्राम के, 20 चांदी के सिक्के 10 ग्राम के, 2 ब्रासलेट, 6 जोड़ी बिछुडी, 8 चांदी की अंगूटी, 4 जोड़ी चांदी की पायजेब, 1 सटका, दो लोकेट समेत घरेलू सामान, महंगी घड़ियां, साड़ियां आदि चोरी करके ले गए। दो चोरों के चेहरे सीसीटीवी में साफ दिखाई दे रहे हैं। गाड़ी के नंबर भी दिखाई दे रहे हैं। वार्ड पार्षद की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

बदमाशों ने आलमारी के ताले तोड़कर चोरी की वारदात अंजाम दी।

मकान में लगे सीसीटीवी में चोर कैद हो गये।

- चोरी की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई, वारदात की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरु की
- गुरुवार चार नवम्बर को पीड़ित परिवार जब सरदारशहर पहुंचा और देखा तो उनके मकान के ताले टूटे हुए मिले

गौरतलब है कि दिनदहाड़े घर के ताले तोड़कर चोरी होने से मोहल्ले में भय का वातावरण बना हुआ है। साफ दिख रहा है कि चोरों के पास पिस्टल भी है। फुटेज देखने से पता चलता है कि चोर पहले से जानते थे कि घर में सोना-चांदी और नगदी कहां रखी हुई है। लगता है यह चोरी पूरी योजनाबद्ध तरीके से की गई है। कोई न कोई भेदी है। जानकारी के अनुसार सुरेश कुमार बुनकर सरदार शहर पोस्ट ऑफिस में सहायक डाकपाल (सब पोस्ट मास्टर) के पद पर कार्यरत है।

खड़े टैंकरों में लगी भीषण आग

आग से टैंकर पूरी तरह से जल गये।

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा थाना इलाके के सुभाष नगर के समीप स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में खड़े दो टैंकरों में गुरुवार दोपहर को भीषण आग लग गई। आग ने पास में खड़े एक अन्य ट्रक को भी चपेट में लिया, पहले एक टैंकर में आग लगी थी, आग की लपटें इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते टैंकर का आगे वाला केबिन आग की चपेट में आ गया। जिसके बाद पास में खड़े टैंकर और अन्य ट्रक भी चपेट में आ गये, हालांकि एक ट्रक का चालक मौके पर ही था, जिसने पहले ही ट्रक को दूर ले जाकर खड़ा कर दिया।

घटनास्थल के पास मौजूद लोगों ने आग पर काबू पाने के लिये बाल्टियों से भी पानी डाला लेकिन आग तेजी से फैलती जा रही थी। आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की चार दमकले मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद समय रहते अग्निशमन अनुभाग की टीम ने 20 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया, मौके पर कई ट्रक खड़े थे और करीब 300 मीटर की दूरी पर पेट्रोल पम्प था, समय रहते आग पर काबू पाया गया जिससे बड़ा हादसा टल गया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि टांसपोर्टर सतीश छाबड़ा ने फोन पर सूचना दी थी कि टांसपोर्ट नगर में खड़े दो ट्रैंकरों में भीषण आग लगी हुई है और पास में पेट्रोल पम्प भी है। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही श्रीनाथपुरम, भामाशाहमंडी और सब्जीमंडी से करीब चार दमकल मौके पर भेजी गई। मौके पर आसपास में मैकेनिक की शॉप होने से सड़क पर काफी वाहनों से निकला हुआ ब्लैक ऑयल फैला हुआ था। फायर टीम ने सबसे पहले डीजल टैंकर तक आग को पहुंचने से रोकने का काम किया, ताकि आग में विस्फोट नहीं हो और आग ज्यादा नहीं बढ़े, हालांकि एक टैंकर का केबिन और बॉडी केबिन पूरी तरह से जल गया। दूसरे टैंकर की केबिन जलकर खाक हो गई। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया से आग लगने का कारण स्पार्किंग की बात समाने आई है। उन्होंने बताया कि टीम ने समय रहते आग पर काबू पाया गया और बड़ा हादसा होने से टल गया।

नगर विकास न्यास की सिलीसेढ़ में अवैध निर्माण पर कार्रवाई

- बिना भू-संपरिवर्तन के संचालित होने पर देसी ठाठ, दा जंगल लैंप सहित कई होटल-रेस्टोरेंट सीज़ किये

अलवर, (निसं)। नगर विकास न्यास की सचिव धीगदे स्नेहल नाना के निर्देशन में न्यास क्षेत्राधिकार के ग्राम किशनपुर, श्योदानपुरा, पैतपुर में बिना न्यास स्वीकृति के अवैध रूप से संचालित 10 होटल, रिसोर्ट, पेइंग गेस्ट व रेस्टोरेंट को विधिक प्रक्रिया अपनाने हुए नियमानुसार सीज करने की कार्रवाई की गई।

उपखण्ड अधिकारी अलवर माधव भारद्वाज की अध्यक्षता में गठित संयुक्त टीम द्वारा सर्वे रिपोर्ट के आधार पर सरिस्का व अकबरपुर वन क्षेत्र के बफर व सीटीएच में संचालित होटल, रेस्टोरेंट व पेइंग गेस्ट जो कि बिना भू-संपरिवर्तन के संचालित होने पर देसी ठाठ, दा जंगल लैंप, मेधावन रिसोर्ट, नमन बाग, बाबा होटल, सासू की ढाणी, गुप्ता झील, नील कमल रेस्टोरेंट, राजस्थानी होटल, सिलीसेढ़ इत्यादि 10 इकाइयों को सीज किया गया।

नगर विकास न्यास की सचिव धीगदे स्नेहल नाना ने बताया कि न्यास द्वारा शहर के विभिन्न पर्यटन स्थलों के विकास हेतु कार्य किया जा रहा है। उन्होंने आम नागरिकों एवं व्यावसायिक निवेशकों से अपील की है कि पर्यटन क्षेत्र को और अधिक समृद्ध बनाने की योजना में न्यास का सहयोग करें एवं राज्य सरकार के नियमों एवं न्याय अधिनियम के अनुसार अनुमति, स्वीकृति एवं भू-संपरिवर्तन प्राप्त कर ही इकाइयों की स्थापना करें। इस दौरान नगर विकास न्यास के उप सचिव जितेन्द्र सिंह नरूका, अतिक्रमण निरोधक अधिकारी अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, अकबरपुर थाना अधिकारी मय जाप्ता सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

यूरिया के लिए उमड़े किसान, तीन घंटे में 900 बैग ले गए

पावटा, (निसं)। कस्बे के क्रय-विक्रय सहकारी समिति कार्यालय पर गुरुवार को रवि सीजन फसल के दौरान यूरिया खाद की 900 बैग की गाड़ी पहुंचते ही किसान गाड़ी यूरिया खाद लेने के लिए टूट पड़े। समिति के लोगों ने कृषकों की लाइन लगाकर खाद वितरण शुरू किया। इससे एक किसान को एक आधार कार्ड से दो बैग दिए गए, जिससे 3 घंटे में ही यूरिया खाद खत्म हो गया।

पावटा के कृषि अधिकारियों ने बताया कि इलाके में यूरिया खाद की किसानों को आवश्यकता बनी हुई है। क्रय-विक्रय सहकारी समिति पावटा एएओ ओम भारती ने बताया कि समिति पर 900 कट्टा यूरिया खाद की गाड़ी आते ही इलाके क्षेत्र के किसानों ने यूरिया खाद को देखकर समिति के आसपास एकत्रित हो गए। कृषकों की लाइन लगाकर यूरिया खाद का वितरण तीन घंटे तक किया। यूरिया खाद लेने के लिए पहुंचे किसानों ने बताया कि इलाके में यूरिया खाद की कमी बनी हुई है। यूरिया खाद लेने वाले कृषकों को दो-दो कट्टे वितरण किए गए।

एएस राजेंद्र कुमार ने बताया कि समिति पर यूरिया खाद की गाड़ी पहुंचते ही कृषक खाद को देखते ही गाड़ी के चारों तरफ हो गए। किसानों को दो-दो बैग वितरण किए गए। अकाउंटेंट रोहित यादव ने बताया कि शहर में 900 कट्टों की यूरिया खाद की आवक होने के बाद किसानों को खाद का वितरण किया गया। किसानों को यूरिया खाद के बैग की आवश्यकता बनी हुई है, जिसको लेकर अधिकारियों को जानकारी देकर व्यवस्था करने के पूरे प्रयास किया जा रहे हैं।

कुएं में नर कंकाल मिलने से सनसनी फैली

- कपड़ों से हुई संभावित पहचान, मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम होगा

अजमेर, (निसं)। जिले के बोराड़ा थाना क्षेत्र के देवरिया गांव के कुएं में नर कंकाल तैरता हुआ मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना गांव जंगल में आग की तरह फैल गई और मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही बोराड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से कंकाल को कुएं बाहर निकलवाकर कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। मौके पर मिले कपड़ों के आधार पर मृतक की संभावित पहचान देवरिया निवासी भरत सिंह के रूप में की गई है। पुलिस की प्राथमिक जांच में कंकाल करीब पांच माह पुराना है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि कही शव गांव के लापता युवक का न हो। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। शव की शिनाख्त डीएनए जांच की जाएगी।

बोराडा थानाधिकारी जगदीश प्रसाद ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुए के आस पास ठामीण मवेशी चरा रहा इसी दौरान उसने कुए में मानव कंकाल तैरता दिखाई दिया। सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। एएसआई रामकिशन की सूचना पर किशनगढ़ ग्रामीण पुलिस उपाधीक्षक आयुष वशिष्ठ मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम को बुलाकर घटना स्थल से साक्ष्य जुटाए गए। इसके बाद शव को बोराड़ा के अस्पताल में सुरक्षित रखवाया गया।

थानाधिकारी जगदीश प्रसाद ने बताया कि मानव कंकाल को बोराड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया था, जिसका पोस्टमार्टम नहीं होने पर अजमेर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम होने के लिए ले जाया गया है। थानाधिकारी ने बताया कि मेडिकल बोर्ड बोराड़ा नहीं पहुंचने पर अजमेर अस्पताल में मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम किया जाएगा, जिसमें हड्डियों की स्थिति, चोटों के संभावित निशान और अन्य फॉरेंसिक संकेतों के आधार पर मौत का कारण निर्धारित किया जाएगा। फिलहाल बोराड़ा थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मृतक के परिजन सुरेन्द्र सहित अन्य लोगों ने भरत सिंह की हत्या होने की आशंका जताई है तथा पुलिस से निष्पक्ष जांच करवाने तथा यथासंभव आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

कुंड में प्लास्टिक कट्टे में महिला का शव मिला, हत्या की आशंका

- पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाया, साक्ष्य जुटाने के लिए तलाशी अभियान शुरु
- पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु के कारणों का पता लगेगा

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर से करीब 12 किमी दूर परसनेऊ थामड़ा जोहड़ क्षेत्र में नेशनल हाइवे से करीब 100 मीटर दूरी पर एक कुंड बना हुआ है, जिसमें प्लास्टिक कट्टे में महिला का करीब दस दिन पुराना शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

कुंड में बंद प्लास्टिक कट्टे की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही डीएसपी इनशार अली, सीआई सुरेंद्र बारूपाल व पुलिस टीम सहित मौके पर पहुँची और कुंड से बंद कट्टे को बाहर निकलवाया देखा तो उसमें किसी महिला का शव मिला। पुलिस ने जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक कार्रवाई में शव की पहचान फिलहाल नहीं हुई। मृतका की आयु करीब 25 से 35 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया है। साक्ष्य जुटाने के लिए आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान भी चलाया गया। शव को पोस्टमार्टम के राजलदेसर सीएचसी मोर्चरी में डी फ्रिज में रखा गया है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु के कारणों का पता लग पाएगा। साथ ही आसपास के गांवों में गुमशुदगी की सूचना की भी पड़ताल की जा रही है। स्थानीय लोगों में घटना को लेकर दहशत और जिज्ञासा दोनों बनी हुई हैं।डीएसपी इनशार अली ने बताया कि मृतका ने काले रंग की साड़ी जिस पर सफेद फूल बने हैं, ब्लाउज के ऊपर नीले रंग का कमीज जिस पर सफेद फूल बने हैं व हरे रंग के बटन, पैरों में पांच नंबर की ग्रीन कलर की चप्पल है। शव पानी में रहने से सड़ चुका है जिससे पहचान नहीं हो सकी। बताया जा रहा है कि आसपास के लोगों ने एक दिसंबर को भी उस कट्टे को कुंड में देखा था। परंतु किसी प्रकार की अनहोनी से अनजान लोगों ने अनदेखा कर दिया। गुरुवार सुबह फिर से कुंड में तैरते प्लास्टिक के बंद कट्टे को देख ग्रामीणों ने कट्टे में लकड़ी चुभाकर देखा तो कपड़ा बाहर निकाला तब पुलिस को सूचना दी।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। सोशल मीडिया के जरिए एक महिला को प्रेमजाल में फंसाकर 4 वर्ष तक ब्लैकमेल और शारीरिक शोषण करने के मामले में क्लॉक टावर थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने संबंध बनाने से इनकार करने पर धमकियां दी और उसके अश्लील वीडियो के जरिए पीड़िता को ब्लैकमेल करता रहा।

पुलिस के अनुसार पीड़िता ने 3 नवंबर को क्लॉक टावर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। शिकायत में बताया कि आरोपी औतार सिंह मीणा से उसकी पहचान सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। पीड़िता ने बताया कि वह कभी भी सहमति से शारीरिक संबंध नहीं चाहती थी, लेकिन आरोपी की धमकियों और हिंसक व्यवहार से डरकर मजबूरन संबंध बनाने पड़े।

अलावड़ा सीएचसी में बेहोशी की हालत में लाई गई महिला को उपचार नहीं मिला

परिजनों का आरोप है कि रात 12 बजे जब महिला को लेकर पहुंचे, तब अस्पताल में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था

अलवर, (निसं)। अलावड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की अव्यवस्थाएं एक बार फिर सामने आईं, जब देर रात बेहोशी की हालत में लाई गई महिला को उपचार नहीं मिल सका। परिजनों का आरोप है कि रात 12 बजे जब भारती (महिला) को लेकर पहुंचे, तब अस्पताल में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। केवल स्टाफ मिला, जिन्होंने यह कहकर हाथ खड़े कर दिए कि डॉक्टर नहीं है, मरीज को रामगढ़ ले जाओ।

- आरोप है कि केवल स्टाफ मिला, जिन्होंने यह कहकर हाथ खड़े कर दिए कि डॉक्टर नहीं है, मरीज को रामगढ़ ले जाओ
- मामले की सूचना पहले सीएमएचओ और फिर बीएमओ डॉ. अमित राठौड़ को दी गई, जिसके बाद रेफर स्लिप जारी की गई।

स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता शशीकांत शर्मा ने मौके पर मौजूद मेल नर्स अशोक से ड्यूटी डॉक्टर के बारे में पूछा तो उसने अनभिज्ञता जताई। मामले की सूचना पहले सीएमएचओ और फिर बीएमओ डॉ. अमित राठौड़ को दी गई, जिसके बाद रेफर स्लिप जारी की गई। महिला को रामगढ़ सीएचसी ले जाया गया, जहां उपचार मिलने पर उसकी हालत में सुधार आया। गौरतलब है कि पीएचसी को छह वर्ष पूर्व सीएचसी में अपग्रेड किया गया था, लेकिन तब से अब तक यहां इमरजेंसी सेवाएं शुरू नहीं हो सकी। न तो डॉक्टरों की रात्रिकालीन ड्यूटी सुनिश्चित है और न ही आवश्यक मशीनें-सीबीसी और एक्स-रे जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

कलैक्टर ने जिला अस्पताल और बस स्टैंड का निरीक्षण कर व्यवस्थायें जांची

अलवर, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने सामान्य चिकित्सालय व बस स्टैंड का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला कलेक्टर ने सामान्य चिकित्सालय में पर्ची काउंटर, दवा वितरण विंडो, महिला व पुरुष सर्जिकल वार्ड, सर्जिकल आईसीयू, ट्रोमा सेंटर, आईएमएस टेस्ट रूम व शौचालयों के साथ निर्माणाधीन 100 बेडेड वार्ड व 100 बेडेड क्रिटिकल केयर यूनिट का निरीक्षण किया।

जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने निर्देश दिये कि अस्पताल को मरीज फ्रेंडली बनाने की दिशा में कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि सर्दी के मौसम के मद्देनजर मरीजों के लिए पर्याप्त गर्म कंबल, हीटर, गर्म पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि निर्माणाधीन 100 बेडेड सीसीयू व 100 बेडेड वार्ड के कार्य को गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने पीएमओ को निर्देश दिये कि कार्यरत श्रमिकों को सुरक्षा उपकरण के साथ ही कार्य कराया जावे। निरीक्षण के दौरान पोस्ट सर्जिकल वार्ड के बाहर गैलरी में सीमेंट के कट्टे रखे हुए मिलने पर उन्होंने तुरन्त शिफ्ट करने के निर्देश दिये। साथ ही निर्देश दिये कि चिकित्सालय के शौचालय सहित पूरे परिसर में साफ-सफाई में सुधार को और अच्छे स्तर पर ले जाने की दिशा में कार्य करें। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर अस्पताल की व्यवस्था का फीडबैक लिया। मरीजों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं की सराहना की।

जिला कलक्टर ने अलवर आगार की प्रबंधक को बस स्टैंड के औचक निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, खराब व गंदे डस्टबीन चेंज करने, यात्रियों के लिए वोटिंग रूम की व्यवस्था को दुरस्त करने, महिला यात्रियों के लिए एक वोटिंग रूम शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि शिशु एवं महिला गृह की देखभाल एवं सुरक्षा हेतु सुरक्षा गार्ड एवं कार्मिकों की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करें।

इस दौरान पीएमओ डॉ. सुनील चौहान, पीडब्ल्यूडी की अधिशासी अभियन्ता अलका व्यास, आरएसआरडीसी के अधिशासी अभियन्ता सतीश कुमार, अलवर आगार की प्रबंधक सपना मीणा, पीडब्ल्यूडी की सहायक अभियन्ता सौरभ अग्रवाल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मरीजों से बातचीत कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया।

- जिला कलेक्टर ने निर्देश दिये कि अस्पताल को मरीज फ्रेंडली बनाने की दिशा में कार्य करना सुनिश्चित करें

बबूल काटने वाले कोयला माफिया के खिलाफ ग्रामीण एकजुट

भीलवाड़ा, (निसं)। अवैध तरीके से बबूल काटने वाले कोयला माफिया और उनकी मदद करने वालों के खिलाफ ग्रामीण एकजुट होने लगे हैं। इसका ही नतीजा है कि प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ रही है। लेकिन हालात यह है कि इन कार्रवाइयों पर अमल नहीं हो रहा है।

ताजा मामला बनेड़ा तहसील की ग्राम पंचायत बामणिया का है, जहां दो हजार बीघा जमीन पर लगे बबूल को बिना नीलामी के ही हफीज मोहम्मद को बेच दिया। ग्रामीणों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला परिषद को ज्ञापन देकर मुख्य आरोपी हफीज मोहम्मद को गिरफ्तार करने और बामणिया पंचायत की प्रशासक रेखा चेचानी को बर्खास्त करने की मांग रखी। ज्ञापन के अनुसार ग्रामीणों ने 15 नवंबर को बनेड़ा थाने में परिवाद दर्ज करवाया। 21 नवंबर को जिला कलेक्टर को मामला पेश किया।

- ग्रामीणों ने 15 नवंबर को बनेड़ा थाने में परिवाद दर्ज करवाया था

ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने और बामणिया पंचायत की प्रशासक को बर्खास्त करने की मांग की।

जांच प्रक्रिया में तहसीलदार बनेड़ा, पटवारी बामणिया और गिरदावर बामणिया को दोषी मानकर 16 सीसी कार्यवाही की गई। पटवारी और भू अभिलेख निरीक्षक को निलंबित कर दिया गया। जिला परिषद द्वारा जांच प्रक्रिया में ग्राम पंचायत प्रशासक, ग्राम विकास अधिकारी को दोषी पाए गए लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। बनेड़ा थाने में दर्ज परिवाद की जांच में प्रथम दृष्टता अपराध पाया गया इसलिए 303(2) की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया, लेकिन अभी तक मुख्य अपराधी हफीज मोहम्मद पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, इसे गिरफ्तार किया जाए। प्रशासक रेखा चेचानी के खिलाफ जिला कार्यकारी अधिकारी ने पंचायती राज विभाग मंत्री को जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की हैं जिसमें ग्राम पंचायत बामणिया प्रशासक को दोषी माना गया है एवं राजकीय कोष को हानि होने का हवाला दिया है।

ओस से प्रभावित इन मैचों में टॉस ''बहुत बड़ी भूमिका निभाती है'', जिससे ''बहुत ज़्यादा फ़र्क'' पड़ता है। यह लगातार 20वां वनडे था, जहां भारत ने टॉस हारा हो। - केएल राहुल

भारतीय बल्लेबाज, भारतीय टीम की हार पर बचाव करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सुनील गावस्कर

विराट कोहली और रुतुराज गायकवाड की सेंचुरी दक्षिण अफ्रीका की जबरदस्त और मिलकर की गई कोशिश के आगे फीकी पड़ गईं, और मेहमान टीम ने रायपुर में दूसरे वनडे में चार विकेट से जीत हासिल करके सीरीज़ बराबर कर ली। जियोस्टार के पोस्ट-मैच शो 'क्रिकेट लाइव' में बात करते हुए, एक्सपर्ट सुनील गावस्कर ने एडेन मार्करम के टेम्परामेंट, गीली गेंद से भारत की चुनौतियों और कोहली की सेंचुरी की क्लास का विश्लेषण किया। गावस्कर ने एडेन मार्करम की पारी के बारे में कहा, मैं उस पारी को बहुत, बहुत ज़्यादा रेट करता हूँ।

क्या आप जानते हैं ?... रोहित शर्मा ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को पछाड़कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। रोहित ने 38 साल और 182 दिन की उम्र में आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर-1 पायदान हासिल किया है।

ऑप्टिमस अचीवर्स और जयपुर पोलो टीमें जीती

जयपुर, 4 दिसम्बर। पीपीसी पोलो ग्राउंड पर ऑप्टिमस अचीवर्स पोलो टीम ओर चूंडा पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें चूंडा पोलो टीम को ऑप्टिमस अचीवर्स पोलो ने 6 के मुकाबले 9 गोलों से हराया। ऑप्टिमस अचीवर्स पोलो की ओर से आर्यमन सिंह, शमशीर अली, डेनियल ओटमेडी ने 1- 1 गोल किये वहीं ध्रुवपाल गोदारा ने अपने पुराने खेल प्रदर्शन से 6 गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई। चूंडा टीम की ओर से हुर्र अली ने 2 गोल किये वहीं फ्रेडेनिक डेनियल ने अकेले ही अपनी टीम के लिए 4 गोल किये पर टीम को विजय करने में विफल रहे। दूसरा मैच रामबाग पोलो ग्राउंड पर जयपुर पोलो टीम ओर मेफेयर पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें जयपुर पोलो टीम ने मेफेयर पोलो टीम को 7 के मुकाबले 9 गोल से हराया। जयपुर टीम की ओर से अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए डीनो धनखड़, लांस वाटसन ओर महाराज पद्मनाभ सिंह ने भी अपनी टीम के लिए 3-3 गोल किये।मेफेयर पोलो टीम की ओर से भवानी कालवी ने 1 गोल और सिद्धांत शर्मा ने बेहतरीन खेलते हुए अपनी टीम के लिए 6 गोल किये पर टीम की हार टाल नहीं पाए।

फर्स्ट गुलाबी नगर ओपन चैस टूर्नामेंट आयोजित 7 से

जयपुर, 4 दिसम्बर। जयपुर चैस कोचिंग के तत्वावधान में 7 दिसंबर को फर्स्ट गुलाबी नगर ओपन चैस टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। यह टूर्नामेंट ब्राइट फ्यूचर स्कूल निर्माण नगर में आयोजित होगा। खिलाड़ियों के लिए 30000की नगद इनामी राशि और ट्रॉफीज़ दांव पर लगी होगी। टूर्नामेंट 6चक्र और 15-10 के टाइम कंट्रोल से रैपिड फॉर्मेट में खेला जायेगा। टूर्नामेंट का रजिस्ट्रेशन दिनांक 4 दिसंबर शाम 5.00 बजे तक करवा सकते है। इस टूर्नामेंट के मुख्य निर्णायक अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक भगवती प्रसाद और सहायक मुकेश गुर्जर रहेंगे। अब तक जयपुर के नामी खिलाड़ियों ने अपनी प्रविष्टि दे दी है। छोटे बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए ऐज केटेगरी के प्राइज रखे गए है। जयपुर चैस कोचिंग लगातार बच्चों को चैस टूर्नामेंट करवाकर एक प्लेटफार्म उपलब्ध करवाता आ रहा है।

सांसद खेल महोत्सव में विधायकों ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्सह

जयपुर, 4 दिसम्बर। शहर में अब चारों ओर सांसद खेल महोत्सव की गूंज सुनाई दे रही है। गुरुवार को शहर में पांच स्थानों पर हुई कब्बडी, क्रिकेट, एथलेटिक्स, फुटबॉल और रस्साकशी की विभिन्न प्रतियोगिताओ में खिलाड़ियों ने पूरा दमखम दिखाया वहीं विधायकों ने खेल मैदान पर जाकर उनका उत्साह बढ़ाया। विधायक कालीचरण सराफ राजस्थान विश्वविद्यालय के खेल मैदान पर पहुंचे और खिलाड़ियों से बातचीत कर उनमें जोश भरा। इसी तरह विधायक गोपाल शर्मा रेलवे के गणपति नगर स्टेडियम पहुंचे और रस्साकशी की प्रतिस्पर्धा के खिलाड़ियों में जोश फूंका। सभी खेलों में बालिकाओं की टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया और वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। आज इन जगहों पर हुई प्रतियोगिताएं- चौगान स्टेडियम, गणपति नगर रेलवे स्टेडियम, भवानी निकेतन खेल मैदान, राजस्थान विश्वविद्यालय खेल मैदान और जानकीदेवी स्कूल प्रतापनगर सांगानेर।

बीसीसीआई द्वारा आयोजित अंडर-19 वुमेन चैम्पियनशिप के लिए टीम राजस्थान में दौसा से तनिका बनी उपकप्तान

जयपुर, 4 दिसम्बर। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि बीसीसीआई द्वारा आयोजित अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के लिए जिले से तानिका शर्मा का राजस्थान टीम में चयन किया गया है और तनिका को टीम राजस्थान का उप कप्तान भी बनाया गया हैं जो की जिले के लिए गौरव की बात है। तनिका शर्मा के राजस्थान टीम में चयन होने पर डीसीए का पदाधिकारी शोभना गुर्जर, शिवचरण शर्मा, एडवोकेट रतन चंद एडवोकेट, विनय जैन, हीरा लाल सैन ने बधाई और शुभकामनाएं दी। इसके अलावा सचिव बृजकिशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि बीसीसीआई द्वारा आयोजित वूमेन अंडर 19 चैंपियनशिप के लिए 04.12.2025 को राजस्थान टीम को इन्दौर रवाना किया जाएगा जहां टीम को मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ की टीम से 4 प्रैक्टिस मैच खेलने है उसके बाद टीम को त्रिवेंद्रम रवाना किया जाएगा वहां टीम राजस्थान का पहला मुकाबला 19 दिसंबर को बड़ौदा से होगा इस ग्रुप में राजस्थान ,बड़ौदा के अलावा असम ,गुजरात और दिल्ली की टीम शामिल होंगी जहां वन डे मुकाबला होगा। इस चयन से हमारे जिले के और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

स्टार्क के छह विकेट, लेकिन रूट ने ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर ठोका अपना पहला शतक

ब्रिसबेन, 4 दिसंबर। जो रूट (नाबाद 135) शतकीय और जैक क्रॉली (76) रनों की अर्धशतकीय पारियों के दम पर इंग्लैंड ने एशेज के दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार को दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ विकेट पर 325 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। रुट ने ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर अपना शतक सूखा समाप्त करते हुए 202 गेंदों पर नाबाद 135 रन में 15 चौके और एक छक्का लगाया। रुट का ओवरआल यह 40वां शतक है।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क ने ज़बरदस्त स्पेल किया, जबकि जो रूट ने शानदार शतक लगाया। ब्रिस्बेन की लाइट्स में आज के ज़माने के दो महान खिलाड़ियों ने सबका ध्यान खींचा। स्टार्क पहली ही गेंद से लय में थे, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को दो शुरुआती ब्रेकथ्रू देकर एकदम सही शुरुआत दी और जब भी इंग्लैंड संभलता हुआ लगा, उन्होंने फिर से स्ट्राइक किया। जब भी किसी पार्टनरशिप में मजबूती का इशारा मिला, उन्होंने उसे तोड़ने का कोई न कोई तरीका निकाल ही लिया। हालांकि, रूट तूफ़ान में शांति की तरह थे। जैसे-जैसे उनके आस-पास विकेट गिर रहे थे, उन्होंने एक शांत और ज़बरदस्त पारी खेलकर इंग्लैंड की पारी को संभाला, और आखिरकार ऑस्ट्रेलियाई ज़मीन पर अपना पहला टेस्ट शतक बनाया; यह उस मौके के लिए एकदम सही था। क्रॉली के भरोसेमंद योगदान ने भी अपनी भूमिका निभाई, जैसा कि रूट और आर्चर की आखिरी विकेट की जोशीली साझेदारी ने किया, जिनकी तेज़ 61 रन की साझेदारी ने इंग्लैंड को पहले दिन 320 रन के पार पहुंचा दिया। पिंक-बॉल टेस्ट में इतने बड़े स्कोर के साथ, इंग्लैंड अगले फेज़ में असली मजबूत स्थिति में है।

आज यहां इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र पांच रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। मिचेल स्टार्क ने बेन डकेट और ऑली पोप को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जो रूट ने जैक क्रॉली के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 117 रनों की साझेदारी हुई। 28वें ओवर में माइकल नीसर ने जैक क्रॉली को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। जैक क्रॉली ने 93 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 76 रन बनाये। हैरी ब्रूक (31), कप्तान बेन स्टोक्स और विल जैक्स 19-19 बनाकर आउट हुये। इसी दौरान 66वें ओवर में बोलैंड की गेंद पर चौका लगाकर जो रूट ने अपना शतक पूरा किया। जो रूट का यह 40वां टेस्ट शतक है। इसी के साथ रूट, लेलैंड के बाद गाबा टेस्ट के पहले दिन शतक बनाने वाले दूसरे इंग्लिश खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में उनके लंबे समय से चला आ रहा शतक सूखा भी समाप्त हो गया है। ऑस्ट्रेलिया में, उन्होंने नौ अर्धशतक लगाए थे, लेकिन शतक तक पहुंचने में असफल रहे थे। गस ऐटकिंसन (चार) और ब्राइडन कार्स (शून्य) को मिचेल स्टार्क ने 67वें ओवर में आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय इंग्लैंड ने नौ विकेट पर 325 रन बना लिये थे और (जो रूट नाबाद 135) और जोफ्रा आर्चर (नाबाद 32) क्रीज पर मौजूद थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने छह विकेट लिये। माइकल नीसर और स्कॉट बोलैंड ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

टॉम लेथम और रचिन रविंद्र के शतक, न्यूजीलैंड ने विंडीज पर कसा शिकंजा

क्राइस्टचर्च (न्यूजीलैंड), 4 दिसंबर। कप्तान टॉम लेथम (145) और रचिन रविंद्र (176) की शतकीय पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन गुरुवार को दूसरी पारी में स्टंप्स के समय चार विकेट पर 417 रन बना लिये है और उसने कुल 481 रनों की बढ़त के साथ मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है।

आज सुबह यहां न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में कल के बिना कोई विकेट खोये 32 रनों के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। न्यूजीलैंड को पहला झटका ओजय शील्ड्स ने 27वें ओवर में डेवोन कॉन्वे (37) को आउटकर दिया। इसके बाद 33वें ओवर में केमार रोच ने केन विलियमसन (नौ) का शिकार कर लिया। उस समय टीम का स्कोर 100 रन था, ऐसे संकट के समय बल्लेबाजी करने आये रचिन रविंद्र ने टॉम लेथम के साथ तीसरे विकेट के लिए 279 रनों की विशाल साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर की ओर अग्रसर किया। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज कें गेंदबाजों की खूब खबर ली और अपने-अपने शतक पूरे किये। 88वें ओवर में केमार रोच ने टॉम लेथम को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। टॉम लेथम ने 250 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 145 रनों की जुझारू पारी खेली। इसके बाद दिन का खेल समाप्त होने से कुछ देर पहले ओजय शील्ड्स ने दूसरे शतक की ओर बढ़ रहे रचिन रविंद्र को बोल्डकर वेस्टइंडीज को चौथी सफलता दिलाई। रचिन रविंद्र ने 185 गेंदों में 27 चौके और एक छक्का लगाते हुए (176) रन बनाये। स्टंप्स के समय न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में चार विकेट पर पर 417 रन बना लिये थे। विल यंग (नाबाद 21) और माइकल ब्रेसवेल (नाबाद छह) क्रीज पर मौजूद थे। वेस्टइंडीज के लिए केमार रोच और ओजय शील्ड्स ने दो-दो विकेट लिये। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 231 रन बनाये थे इसके बाद वेस्टइंडीज पहली पारी में 167 रन पर ढ़ेर हो गई थी।

आरसीए में रिटायर्ड जस्टिस अजय रस्तोगी लोकपाल नियुक्त

जयपुर, 4 दिसम्बर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में लंबे समय से चले आ रहे विवाद और कानूनी प्रक्रिया के बीच बड़ा फैसला सामने आया है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के लिए एक साल की अवधि के लिए रिटायर्ड जस्टिस अजय रस्तोगी को लोकपाल नियुक्त किया है। जिला क्रिकेट संघ श्रीगंगानगर की याचिका पर हाईकोर्ट जोधपुर ने सुनवाई करते हुऐ निर्णय दिया कि लोकपाल की जब नियुक्ति आरसीए द्वारा कर दिया तो याचिका में वो कॉज आफ एक्शन (जो मुद्दा पहले उठाया था वह अब नहीं है)नहीं है, तो वो कि लोकपाल की नियुक्ति को कोर्ट द्वारा तय कर दिया जोधपुर कोर्ट में मामला लंबित था।

श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ बनाम राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। जिला क्रिकेट संघ श्रीगंगानगर के सचिव विनोद सहारण ने बताया कि कुछ समय पहले राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की अलग - अलग साधारण सभा की बैठक में रिटायर्ड जस्टिस दीपक वर्मा और अजय रस्तोगी दोनों के नाम लोकपाल पद के लिए प्रस्तावित किए गए थे। जिला संघों की ओर से मांग थी कि दीपक वर्मा को लोकपाल नियुक्त किया जाए। लेकिन राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में चल रहे विवाद और मतभेदों के कारण नियुक्ति प्रक्रिया अटक गई थी। इसके बाद श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ ने मामला कोर्ट में उठाया, जहां आज कोर्ट ने अजय रस्तोगी को एक साल के लिए राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का लोकपाल नियुक्त करने का आदेश दिया।

पिछले दो सालों में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का संचालन एडहॉक कमेटी के हाथों में रहा है, लेकिन इस दौरान लगातार विवाद, मतभेद और कार्यशैली को लेकर टकराव सामने आते रहे हैं। प्रशासनिक असहमति और आपसी तालमेल की कमी ने राजस्थान क्रिकेट के संचालन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। हालात इतने बिगड़ गए थे कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी की ओर से रणजी ट्रॉफी की दो अलग - अलग टीमें तक घोषित कर दी गई। एक टीम एडहॉक कमेटी के कन्वीनर डीडी कुमावत ने जारी की, जबकि दूसरी टीम चार सदस्यों धनंजय सिंह खींवसर, पिंकेश जैन, मोहित यादव और आशीष तिवारी की ओर से घोषित कर दी गई।

ऐसे में अब अजय रस्तोगी की नियुक्ति को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के भीतर पारदर्शिता और अनुशासन स्थापित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। क्रिकेट से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि अब जिला क्रिकेट संघों से जुड़ी शिकायतों का निष्पक्ष निस्तारण हो सकेगा।

एथेंस में 2026 शीतकालीन ओलंपिक के लिए ओलंपिक मशाल इटली को सौंपी

एथेंस (यूनान), 4 दिसंबर। यूनान ने गुरुवार को ऐतिहासिक पैनाथेनाइक स्टेडियम में मिलान-कॉर्टिना ओलंपिक शीतकालीन खेल 2026 के समारोह के लिए ओलंपिक मशाल इटली को सौंपी। जहां से इसे एक महीने से अधिक समय तक देशभर में घुमाया जायेगा। मशाल को विश्व कुश्ती चैंपियन जॉर्जियोस कौगियोउमटसिडिस स्टेडियम में ले गए। उन्होंने इसे इटली की ओलंपिक चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी और साइकिलिस्ट फिलिपो गान्ना को सौंपा। यह मशाल ओलंपिक गेम्स की जन्मभूमि यूनान और आने वाले शीतकालीन ओलंपिक के मेजबान देश इटली के बीच लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों की निशानी है। वर्ल्ड वॉटर पोलो चैंपियन एलेनी जेनाकी ने फिर मशॉल ली और यूनान की राष्ट्रीय टीम के अपने साथियों के साथ मिलकर, कल्लिमारमारो नाम के मार्बल स्टेडियम के अंदर औपचारिक रूप से अग्निकुंड को प्रज्ज्वलित किया।

सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी : राजस्थान की लगातार पांचवीं जीत

राजस्थान की जीत में अशोक का ऑल राउंडर प्रदर्शन, कमलेश व कुणाल भी चमके

जयपुर, 4 दिसम्बर। अहमदाबाद में खेली जा रही सैयद मुशताकअली टी20 ट्रॉफी के आज खेले राजस्थान - सौराष्ट्र मैच को राजस्थान ने अशोक शर्मा के आल राउंडर प्रदर्शन व कमलेश नागरकोटी, कुणाल सिंह का अहम् योगदान

सौराष्ट्र पारी 145 आल आउट, टीम के लिए विशवराजसिंह 69 व ऋषित 30 रन, राजस्थान के गेंदबाज अशोक शर्मा ने प्रतियोगिता में लगातार शानदार गेंदबाजी करते हुए सौराष्ट्र के 4 बल्लेबाजों को पवेलियन लौटाया। अशोक शर्मा 20 / 4 ,कमलेश नागरकोठी 22 / 2 व राहुल चाहर, साहिल दीवान 1 -1 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान पारी 146 / 8, टीम के लिए कमलेश नागरकोटी नाबाद 37, कुणाल सिंह राठौड़ 27, कार्तिक शर्मा 18, भरत शर्मा 13 व अशोक शर्मा नाबाद 15 रनो का योगदान दिया। सौराष्ट्र के गेंदबाज पार्थ 9/3 व चेतन 41/2 विकेट।

बीसीसीआई अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी (अंतिम दिन राजस्थान ने विधर्भ को 6 विकेट से हराया)

राजस्थान की जीत में कुशाग्र ओझा का नाबाद अर्धशतक, जतिन के पांच विकेट

जयपुर में राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जा रहे राजस्थान - विधर्भ अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच के अंतिम दिन राजस्थान ने विधर्भ को 6 विकेट से हराया। विधर्भ पहली पारी186 आल आउट। राजस्थान पहली पारी 398 आल आउट। सौराष्ट्र दूसरी पारी 381 आल आउट। राजस्थान के गेंदबाज जतिन 56 / 5, प्रखर शर्मा 67 / 3 विकेट। राजस्थान दूसरी पारी 172 / 4, आज मैच के अंतिम दिन राजस्थान ने कप्तान कुशाग्र ओझा के शानदार अर्धशतक की सहायता से 4 विकेट के नुकसान पर 172 रन बनाते हुए मैच में 6 विकेट से जीत दर्ज की। टीम के लिए कुशाग्र ओझा नाबाद 50, रजत बघेल 28, रक्षित लुनावत नाबाद 23, शिफॉन खान 22, मनय, आदित्य 21 - 21 रन। विधर्भ के गेंदबाज हिमांशु 48 / 3 विकेट।

नंबर-4 पर बल्लेबाजी को लेकर मैं काफी आश्वस्त था : गायकवाड़

रायपुर, 4 दिसंबर। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में अपना पहला शतक बनाने वाले ऋतुराज गायकवाड़ ने बताया कि 50 ओवर के क्रिकेट में कभी नंबर 4 पर बल्लेबाजी नहीं करने के बावजूद वह काफ़ी आश्वस्त थे कि वह उस स्थान पर ढल जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ सीरीज से पहले लिस्ट ए की 86 पारियों में ऋतुराज ने नंबर 3 से नीचे बल्लेबाजी नहीं की थी। रांची में 14 गेंदों में सिर्फ़ 8 रन बनाकर आउट होने के बाद रायपुर के दूसरे वनडे में बुधवार को गायकवाड़ ने 83 गेंदों में 105 रनों की शतकीय पारी खेली और बताया कि यह उनकी अभी तक की हर फॉर्मेट की सर्वश्रेष्ठ पारी है। गायकवाड़ ने मैच के बाद कहा,'' टीम प्रबंधन ने मुझे बताया था कि मैं नंबर 4 पर ही बल्लेबाजी करने वाला हूं। एक ओपनर होने के बावजूद प्रबंधन का इस तरह से मेरे ऊपर भरोसा दिखाना बड़े ही सौभाग्य की बात है।'' गायकवाड़ ने कहा,''वनडे फॉर्मेट में अगर मैं ओपनिंग के लिए भी आता हूं तो मेरी कोशिश रहती है कि मैं 45वें ओवर तक टिका रहूं। इसलिए मुझे पता है कि 11 से 40 ओवर के बीच कैसे खेलना है, स्ट्राइक कैसे रोटेट करनी है और बाउंड्री के क्या विकल्प हैं। इसलिए मुझे विश्वास था कि मुझे अपनी पारी कैसे आगे ले जानी है। मुझे सिर्फ़ शुरू की 10-15 गेंदें देखनी थी कि मैं कैसे खेलता हूं और उसके बाद की प्रक्रिया उसी तरह से रही। मैं काफ़ी मेहनत कर रहा हूं और मेरी कोशिश थी कि अगर मैं टिकता हूं तो एक लंबी पारी खेल सकूं।''

लिमाये ने गोल्ड जीता, भारत ने 5 मेडल के साथ अभियान खत्म किया

पटाया, 4 दिसंबर। भारत ने बुधवार को थाईलैंड के पटाया में एफईआई एशियन घुड़सवारी चैंपियनशिप 2025 में ऐतिहासिक पांच मेडल जीतकर अपना अभियान खत्म किया। भारतीय राइडर्स ने इवेंटिंग और ड्रेसेज प्रतियोगिताओं में अपनी छाप छोड़ी।आशीष लिमाये ने इवेंटिंग में इंडिविजुअल गोल्ड मेडल जीतकर टीम का नेतृत्व किया। उन्होंने शशांक सिंह कटारिया और शशांक कनमुरी के साथ मिलकर इसी डिसिप्लिन में भारत को टीम सिल्वर दिलाने में भी मदद की। आशीष लिमाये ने साई मीडिया से कहा, ''यह हमारे लिए बहुत इमोशनल जीत थी क्योंकि पिछले एशियन गेम्स हमारे लिए अच्छे नहीं रहे थे। इसलिए, मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ी वापसी जैसा एहसास था और एक बड़ी राहत थी।''

भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम जर्मनी से 3-1 से हारी

सैंटियागो (चिली), 4 दिसंबर। महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्वकप 2025 के अपने दूसरे पूल सी मुकाबले में भारत को जर्मनी के हाथों 3-1 से हार का सामना करना पड़ा। सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड, एस्टाडियो नैशनल में बुधवार को खेले गये मुकाबले में भारतीय जूनियर महिला टीम की ओर से एकमात्र गोल हिना बानो ने (58वें) मिनट में किया। जबकि जर्मनी के लिए लीना फ्रेरिक्स ने (पांचवें) मिनट, एनिका शॉनहॉफ ने (52वें) मिनट और मार्टिना रीसेनेगर ने (59वें) मिनट में गोल किए।

जर्मनी ने मैदान में ऊपर से दबाव बनाते हुए, शुरुआती मौकों पर भारत को बैकफुट पर धकेला और पांचवें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया। लीना फ्रेरिक्स ने (पांचवें) मिनट में बिना कोई गलती गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। शुरुआती झटके के बावजूद, भारत धीरे-धीरे अपनी लय में आ गया और अपने मौके बनाने लगा। लेकिन वे पहले क्वार्टर में बराबरी करने के लिए जरूरी फिनिशिंग टच नहीं दे पाए। दूसरे क्वार्टर में भी गेम का इंटेंसिटी कम नहीं हुआ, भारत ने बराबरी के लिए जोरदार हमला किया। मनीषा ने शानदार दौड़ लगाकर एक शानदार मौका बनाया जो बेकार गया। दूसरे क्वार्टर के आखिर में एक और पेनल्टी स्ट्रोक के साथ जर्मनी को अपनी बढ़त दोगुनी करने का मौका मिला। हालांकि, लीना फ्रेरिक्स उस मौके पर गोल नहीं कर पाईं, और पहला हाफ 1-0 पर खत्म हुआ।

समरदीप सिंह, ईशा चंदर प्रकाश और पुरुषों की रिले टीम ने एथलेटिक्स एक्शन के आखिरी दिन नए मीट रिकॉर्ड बनाये

जयपुर, 4 दिसंबर। कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी के समरदीप सिंह गिल ने पुरुषों की शॉट पुट में अपने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी के रिकॉर्ड में सुधार किया, जबकि ईशा चंदर प्रकाश (महिला हेप्टाथलॉन) और उनकी पुरुषों की 4100मी टीम ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान में एथलेटिक्स एक्शन के आखिरी दिन मीट रिकॉर्ड तोड़ दिए। मुकाबले में सिर्फ़ एक दिन बचा है, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने गुरुवार को कैनो और कयाकिंग में सात गोल्ड मेडल जीतकर मेडल टेबल में टॉप पर अपनी बढ़त 41 कर ली।

जहां चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने कैनो और कयाकिंग इवेंट्स में दबदबा बनाया, वहीं एथलेटिक्स में तीन नए रिकॉर्ड बने, जिससे चार दिनों में कुल 12 मेडल हो गए। शॉट पुटर समरदीप, जिन्होंने इस साल दो बार के एशियन गेम्स चैंपियन तजिंदरपाल सिंह तूर को तीन बार हराया है, ने गोल्ड मेडल जीतने के लिए अपनी दूसरी कोशिश में 19.42मी की दूरी तक शॉट पुट फेंका, जबकि दूसरे स्थान पर रहे गुरु काशी यूनिवर्सिटी के अनिकेत सिर्फ़ 18.08मी की दूरी ही पार कर पाए। पिछले रिकॉर्ड (18.76) और केआईयूजी रिकॉर्ड (18.75) होल्डर, समरदीप इस साल शानदार फॉर्म में हैं और लगातार 19 मीटर से ऊपर फेंक रहे हैं और जयपुर में भी उन्होंने यही कमाल दोहराया। 24 साल के समरदीप, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में चेन्नई में नेशनल इंटर-स्टेट चैंपियनशिप में 19.82मी का अपना पर्सनल बेस्ट रिकॉर्ड किया था, ने साई मीडिया को बताया, ''मैं यहां अपनी यूनिवर्सिटी के लिए परफॉर्म करने आया था क्योंकि मैं वहीं से फिजिकल एजुकेशन में मास्टर्स कर रहा हूं। यहां आने से पहले मुझे टखने में भी चोट लगी थी, लेकिन मैं यहां अपना कंसिस्टेंसी बनाए रखकर खुश हूं।'' समरदीप की टीममेट, ईशा चंदर प्रकाश ने हेप्टाथलॉन में 4857 के स्कोर के साथ केआईयूजी रिकॉर्ड तोड़ा। ईशा ने बुधवार को पहले चार इवेंट्स के बाद अपने अपोनेंट्स पर अच्छी-खासी लीड ले ली थी और गुरुवार को भी इस बढ़त को बनाए रखते हुए पिछले रिकॉर्ड में 109 पॉइंट्स का सुधार किया। पिछला रिकॉर्ड लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की सोनू कुमारी के नाम था।

ओलंपियन और 100मी, 200मी के नेशनल रिकॉर्ड होल्डर अनिमेष कुजूर ने फिर केआईआईटी के लिए कॉम्पिटिशन को शानदार तरीके से खत्म किया, जब उन्होंने अपनी टीम को 40.09 सेकंड के समय के साथ एक नया 4100मी मीट रिकॉर्ड दिलाया। सिल्वर मेडल जीतने वाली महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ने भी मैंगलोर यूनिवर्सिटी के 40.76 के पिछले केआईयूजी रिकॉर्ड की बराबरी की। उदयपुर में, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने फतेह सागर झील पर कैनो और कयाकिंग एक्शन के आखिरी दिन सात गोल्ड मेडल जीते और इस डिसिप्लिन में 23 गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल के साथ खत्म किया। गुरु काशी यूनिवर्सिटी तीन गोल्ड मेडल, एक सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल के साथ दूसरी सबसे अच्छी टीम थी। पूर्णिमा यूनिवर्सिटी में पुरुषों के फुटबॉल फाइनल में, कालीकट यूनिवर्सिटी ने रेगुलर टाइम में गोल-लेस स्कोरलाइन के बाद शूट-आउट में गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी को 5-4 से हराया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से अन्य राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के अखिल भारतीय एवं विभिन्न केन्द्रीय सेवा अधिकारियों को आगामी प्रवासी राजस्थानी दिवस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

राजस्थानी मूल के अधिकारियों की राज्य को निवेश हब बनाने में अहम् भूमिका- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने विभिन्न राज्यों में पद स्थापित अधिकारियों को प्रवासी राजस्थानी दिवस के लिए आमंत्रित किया

■ मुख्यमंत्री भजनलाल ने इन अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा कि ये अधिकारी राज्य सरकार और प्रवासी राजस्थानियों के बीच एक मजबूत सेतु हैं।

जयपुर, 4 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आगामी 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस का भव्य आयोजन करने जा रही है, जिसके लिए हर क्षेत्र से भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। शर्मा ने विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के अखिल भारतीय एवं विभिन्न केन्द्रीय सेवा अधिकारियों को आगामी प्रवासी राजस्थानी दिवस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान को निवेश का हब बनाने में इनकी अहम भूमिका है। इन अधिकारियों के अनुभव, सुझाव और संपर्क राज्य की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के अखिल भारतीय एवं विभिन्न केन्द्रीय सेवा अधिकारियों के साथ प्रवासी राजस्थानी दिवस के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के अधिकारियों का अपनी कर्मभूमि के साथ ही, जन्मभूमि से भी भावनात्मक जुड़ाव रहता है। इन अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में विभिन्न नवाचार किए हैं। उन्होंने कहा कि ये अधिकारी राज्य सरकार और प्रवासी राजस्थानियों के बीच एक मजबूत सेतु हैं। उन्होंने इन अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि वे प्रवासी राजस्थानी, उद्यिमयों और निवेशकों को राजस्थान में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करें।

बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न राज्यों एवं केन्द्र सरकार में पदस्थापित विभिन्न अधिकारियों एवं केन्द्रीय सेवा अधिकारियों ने अपने सुझाव दिए। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, विभिन्न अधिकारीगण उपस्थित थे।

दस सालों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होती हैं, अधिक समय तक पानी के नीचे रह सकती हैं और इनमें आवाज नहीं होती, जिससे इन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है, खासकर भारतीय और प्रशांत महासागरों में गश्त करते समय। एनटीआई ने बताया वर्तमान में भारत के पास 17 डीजल-चालित पनडुब्बियाँ हैं। भारत द्वारा रणनीतिक निरोध के लिए इस्तेमाल होने वाली न्यूक्लियर पावर्ड पनडुब्बियाँ स्वदेशी हैं और सबमरीन लाँच बैलिस्टिक मिसाइल को ले जाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। भारत न्यूक्लियर पावर्ड अटैक पनडुब्बियाँ बनाने की तैयारी भी कर रहा है, जो दुश्मन की पनडुब्बियों और सतह पर चलने वाले जहाजों को खत्म करने के लिए डिज़ाइन की जाएंगी। सूत्रों ने बताया, लीज़ शर्तों के तहत, रूस की हमलावर पनडुब्बी का युद्ध में उपयोग नहीं किया जा सकेगा। यह पनडुब्बी नाविकों को प्रशिक्षित करने और न्यूक्लियर-बोट संचालन को सुधारने में भारत की मदद करेगी, क्योंकि भारत अपनी स्वयं की पनडुब्बियाँ बना रहा है।

उन्होंने बताया, रूस से ली गई यह पनडुब्बी भारतीय नौसेना के पास 10 साल तक रहेगी। अंतिम रूसी पनडुब्बी, जो 10 वर्षों के लिए ली गई थी, 2021 में लौटाई गई थी, सूत्रों ने कहा। लीज़ समझौते में इसका रख-रखाव भी शामिल होगा। चूंकि भारतीय महासागर क्षेत्र पर अधिक ध्यान आकर्षित हो रहा है, इसलिए ऐसी पनडुब्बियों में रुचि बढ़ी है। ऑस्ट्रेलिया, यूके और यूएस मिलकर एयूकेयूएस सुरक्षा साझेदारी के तहत ऐसी पनडुब्बियाँ बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अब तक, केवल कुछ देशों- अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन और रूस-के पास न्यूक्लियर पावर्ड पनडुब्बियाँ तैनात और संचालित करने की तकनीक है। दक्षिण कोरिया भी अमेरिकी सहयोग से न्यूक्लियर पावर्ड पनडुब्बियाँ बनाने पर काम कर रहा है।

भारत ने रूस के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी बनाए रखी है, जबकि वह अमेरिका के साथ गहरे संबंध स्थापित करने की दिशा में भी कदम बढ़ा रहा है। उसने रूस पर हथियारों संबंधी अपनी निर्भरता को कम किया है और अब अमेरिका और यूरोपीय देशों से अधिक हथियार खरीदने लगा है। फिर भी, पुतिन से न्यूक्लियर पनडुब्बियों के लिए रूस पर निर्भर रहने का मोदी का निर्णय यह दर्शाता है कि भारत महत्वपूर्ण प्लेटफार्मों पर रूस के साथ सहज है, भले ही ट्रंप द्वारा आलोचना की जा रही हो।

नकली प्रमाण पत्र से इंटर्नशिप करने वाले तीन फ़र्ज़ी डॉक्टर गिरफ्तार

एसओजी फर्ज़ी एफएमजीई प्रमाण पत्र देने वाले नेटवर्क की तह तक पहुँचने की तैयारी में

■ विदेशी मैडिकल डिग्री वालों को भारत में मैडिकल ग्रैजुएट एग्ज़ामिनेशन परीक्षा पास करना अनिवार्य होता है। उसके बाद ही वह इंटर्नशिप व प्रैक्टिस कर सकता है।

जयपुर, 4 दिसम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने तीन ऐसे फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने विदेशी मेडिकल डिग्री के बाद भारत में आवश्यक मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन (एफएमजीई) परीक्षा पास न कर पाने पर, फर्जी प्रमाणपत्र बनवाकर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप की थी। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि विदेशी मेडिकल डिग्री के बाद भारत में एफएमजीई परीक्षा पास करना जरुरी होता है, पर ये तीनों डॉक्टर यह परीक्षा पास नहीं कर पाए तो उन्होंने फर्जी प्रमाणपत्र बनवाया और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप की। गिरफ्तार किये गये फर्जी डॉक्टर पीयूष कुमार त्रिवेदी, शुभम गुर्जर और देवेन्द्र सिंह गुर्जर दौसा जिले के रहने वाले हैं।

एडीजी बंसल ने बताया कि एसओजी को सूचना मिली थी कि डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी निवासी दौसा ने एफएमजीई परीक्षा में बार-बार असफल होने के बावजूद एक आपराधिक गिरोह की मदद से फर्जी एफएमजीई सर्टिफिकेट प्राप्त करके एनएमसी (एनएमसी) से इंटर्नशिप की अनुमति प्राप्त की और उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज, करौली में इंटर्नशिप के लिए आवंटन भी मिल गया था। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद एसओजी ने प्रकरण दर्ज कर गहन जांच शुरू की।

जांच में सामने आया कि आरोपी डॉ. पीयूष ने जॉर्जिया से एमबीबीएस की डिग्री ली थी। लेकिन भारत में प्रैक्टिस करने के लिए अनिवार्य एफएमजीई परीक्षा में वह 2022, 2023 और 2024 में लगातार तीन बार असफल रहा।

बार-बार फेल होने पर उसने अपने परिचित डॉ. देवेन्द्र सिंह गुर्जर से संपर्क किया। देवेन्द्र ने अपने साथी डॉ. शुभम गुर्जर एवं अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर पीयूष को 16 लाख के बदले फर्जी एफएमजीई सर्टिफिकेट और एनएमसी रजिस्ट्रेशन दिलवाया।

एसओजी की गहन जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि यह गोरखधंधा केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं था। डॉ. शुभम गुर्जर ने खुद भी फर्जी एफएमजीई सर्टिफिकेट के आधार पर राजीव गांधी अस्पताल अलवर में और डॉ. देवेन्द्र सिंह गुर्जर ने भी इसी गिरोह के माध्यम से नकली प्रमाणपत्र प्राप्त किया और राजकीय मेडिकल कॉलेज, दौसा में अपनी इंटर्नशिप पूर्ण की।

एसओजी ने गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस अभिरक्षा प्राप्त की।

विदेश यात्रा के दौरान पुतिन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तैयार किए गए सभी व्यंजनों को सबसे पहले उनके बॉडीगार्ड्स चखते हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यदि किसी भोजन में जहर डाला गया हो, तो वह पहले गार्ड्स को प्रभावित करेगा।

एक रसोइए ने फिल्म "अवर सर्विस" में कहा, जहाँ भी नेता (पुतिन) होते हैं, हम वहां होते हैं। यानी, चाहे यह एक व्यापार यात्रा हो, छुट्टी हो या एक निजी समारोह, हम हमेशा वहां होते हैं। जब कोई बड़ा कार्यक्रम होता है, तो हम भी उस पर निगरानी रखते हैं।" "अवर सर्विस" में पुतिन की प्राथमिकताओं को भी उजागर किया गया है। वे फास्ट फूड से बचते हैं और रात के समय मीट कम खाते हैं। उन्हें बैंगन के व्यंजन, ओलिवियर सलाद और गेम लीवर (जंगली जानवरों की कलेजी) पसंद है, और सरकारी कार्यक्रमों में वे रोज़हिप, या अदरक की चाय पीते हैं और शराब तो यदा-कदा ही लेते हैं। विदेश में, पुतिन बुलेटप्रूफ ऑरस सेनाट लिमोज़ीन में यात्रा करते हैं, जो ग्रेनेड-रोधी है, तथा आपातकालीन ऑक्सीजन, आग बुझाने की प्रणाली और उन्नत संचार सुविधाओं के साथ डिज़ाइन की गई है। उनके "इल्युसिन आईएल-96-300पीयू" विमान, जिसे "फ्लाइंग प्लूटॉन" कहा जाता है, में सुरक्षित संचार प्रणालियाँ, एक जिम, चिकित्सा केन्द्र, कॉन्फ्रेन्स रूम और परमाणु हमलों को प्राधिकृत (ऑथराइज़) करने के उपकरण होते हैं। पुतिन की यात्रा की एक और असामान्य विशेषता है। रिपोर्टों के अनुसार, उनके शारीरिक मल-मूत्र को एकत्रित किया जाता है, सील किया जाता है और रूस वापस भेजा जाता है। यह उपाय इसलिए किया जाता है, ताकि विदेशी खुफिया एजेंसियां उनके स्वास्थ्य की स्थिति का पता न लगा पाएं।

बॉडीगार्ड्स मलमूत्र सील कर सूटकेस में रखते है। यह सूटकेस मॉस्को वापस भेजा जाता है। इस तौर-तरीके को पुतिन की 2017 की फ्रांस यात्रा, 2019 की सऊदी अरब यात्रा और हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित अलास्का शिखर सम्मेलन के दौरान भी देखा गया था। पूर्व बीबीसी पत्रकार, फरीदा रुस्तमोवा ने भी इन सुरक्षा उपायों की पुष्टि की और बताया कि एक ऐसी विदेश यात्रा के दौरान, पुतिन ने एक निजी बाथरूम का इस्तेमाल किया, जिसमें एक पोर्टेबल टॉयलेट भी था। उन्होंने यह भी कहा कि एक स्रोत के अनुसार, राष्ट्रपति ने यह तौर-तरीका 1999 में अपने नेतृत्व की शुरुआत से ही अपनाया है।

पाकिस्तान आशंकित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के करीब जाता है। लेकिन ट्रम्प प्रशासन, जो लेन-देन आधारित विदेश नीति पर चलता है, द्वारा भारत को खुलकर चुनौती देने की संभावना कम है। इसके बजाय अमेरिका अपनी असहजता को प्राइवेट तौर पर संभालना पसंद करता है, यह मानते हुए कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता जारी रखेगा, खासतौर पर तब, जब रूसी कच्चा तेल, खाद और रक्षा प्रणालियाँ भारतीय अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

साथ ही, वॉशिंगटन इस जोखिम को लेकर भी चौकस है कि रूस, टैक्नॉलजी कंट्रोल को बायपास करने के लिए भारत का इस्तेमाल कर सकता है। यह एक ऐसा मुद्दा है जो भविष्य में भारत-अमेरिका संबंधों में एक छिपा हुआ तनाव बना रह सकता है। यूरोप की प्रतिक्रिया अधिक संयमित है, लेकिन यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में।

यूरोपीय देशों की बड़ी राजधानियाँ मॉस्को के साथ किसी भी बड़े संपर्क को रूसी आक्रामकता के नज़रिए से देखती हैं, लेकिन वे भारत की ग्लोबल सप्लाई चेन और निवेश में अहम भूमिका को भी समझती हैं। इसलिए यूरोप एक व्यावहारिक रुख अपनाता है: न वह पुतिन की इस पहुँच का स्वागत करता है, न ही खुलकर भारत की आलोचना। असल में चिंता की भावना आर्थिक वास्तविकता से जुड़ी हुई है।

चीन भी इस यात्रा को ध्यान से देख रहा है, हालांकि ज्यादा बारीकी से। एक तरफ, बीजिंग मॉस्को और नई दिल्ली के बीच मजबूत संबंधों को अच्छा मानता है, क्योंकि इससे रूस पूरी तरह चीन पर निर्भर होने से बचता है।

दूसरी तरफ, रूस द्वारा भारत को उन्नत एयर डिफेंस या स्टैल्थ सिस्टम उपलब्ध कराने की संभावना हिमालयी सीमा पर मिलिटरी मुश्किलें पैदा करता है। इसके बावजूद, चीन को भरोसा है कि रूस के साथ उसकी गहरी रणनीतिक नज़दीकियाँ भारत के संभावित सैन्य फायदे के बावजूद कायम रहेंगी।

इसके विपरीत, मिडिल ईस्ट इस यात्रा को स्ट्रैटेजिक नज़रिए से नहीं बल्कि कॉमर्शियल दृष्टि से देखता है। खाड़ी देशों के लिए भारत एक बड़ा ऊर्जा बाज़ार है, कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण श्रम स्रोत हैं और दीर्घकालिक निवेश भागीदार है। इसलिए भारत-रूस की निकटता से उनकी अपनी भारत-नीतियाँ ज़्यादा प्रभावित नहीं होतीं। अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया और लैटिन अमेरिका में इस यात्रा को सकारात्मक रूप से देखा जा रहा है। भारत की यह क्षमता, कि वह सभी बड़े शक्ति समूहों के साथ मजबूत संबंध बनाए रख सकता है, बहुध्रुवीयता (मल्टीपोलरिटी) और रणनीतिक स्वायत्तता (स्ट्रैटेजिक ऑटोनोमी) की आकर्षण शक्ति को बढ़ाती है।

लेकिन इन अलग-अलग वैश्विक प्रतिक्रियाओं के बीच, पाकिस्तान की धारणा सबसे स्पष्ट रूप से उभरती है। इस्लामाबाद के लिए पुतिन की भारत यात्रा क्षेत्रीय सैन्य और कूटनीतिक समीकरण में एक तेज बदलाव का प्रतीक है, ऐसा बदलाव जो भारत की स्थिति को और मजबूत करता है और पाकिस्तान के रणनीतिक अकेलेपन की भावना को और गहरा।

एसआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महेन्द्र कुमार चौधरी ने लिखित परीक्षा में हिन्दी में 200 में से 137.21 अंक और सामान्य ज्ञान विषय में 200 में से 158.59 अंक हासिल किए और इसी से उसकी पोल खुली। संयुक्त मेरिट में 474 वां स्थान आने के बावजूद, ओबीसी कैटेगरी में उसका अंतिम चयन नहीं हो पाया था।

एसओजी ने आरोपी महेन्द्र कुमार चौधरी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया और 8 दिसंबर तक पुलिस अभिरक्षा रिमांड प्राप्त किया है। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि महेन्द्र कुमार चौधरी मुख्य सरगना विनोद कुमार जाट के साथ अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक प्रकरणों में भी शामिल था।

इस गिरफ्तारी के साथ ही उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक प्रकरण में गिरफ्तार होने वाले आरोपियों की कुल संख्या 133 हो गई है।

भारत में आज से लाँच ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और रूस के बीच संबंधों को मजबूत करना तथा बहुध्रुवीय दुनिया में दोनों देशों के बढ़ते प्रभाव को आगे बढ़ाना।" यह भी संभव है कि यूक्रेन युद्ध के बाद उनके इस प्रथम भारत दौरे पर, रुस के राष्ट्रपति का एक इन्टरव्यू भी प्रसारित किया जाये। "आरटी इंडिया" की टैगलाइन है: "न एंटी-वेस्टर्न... न सिर्फ वेस्टर्न।"

दिलचस्प बात यह है कि भारत में इस रूसी टीवी नेटवर्क का शुभारंभ ऐसे समय हो रहा है, जब यूरोपीय संघ ने आरटी पर प्रतिबंध लगा रखा है। यह प्रतिबन्ध 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के तुरंत बाद लगा दिया गया था।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि चूँकि आरटी पहले से ही भारत में अन्य नेटवर्क्स के माध्यम से प्रसारित हो रहा है और "प्रसार भारती" के साथ उसका समझौता भी है, इसलिए यहाँ काम करने के लिए उसे अलग से लाइसेंस की जरूरत नहीं है। लेकिन उसे अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग की अनुमति लेनी होगी।

2005 में शुरू हुए आरटी इन्टरनेशनल के इस समय 16 देशों में 20 से अधिक ब्यूरो हैं और इस समय यह भारत में भी उपलब्ध है, जहाँ इसे 18 प्रमुख भारतीय ऑपरेटरों द्वारा पैकेज के रूप में पेश किया जाता है। पिछले साल जुलाई में आरटी ने प्रसार भारती के तहत संचालित दूरदर्शन के साथ समाचार- साझेदारी समझौता भी किया था।

आरटी इंडिया के शुभारंभ पर बातचीत इस साल की शुरुआत में शुरू हुई थी, जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मॉस्को में रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव से मुलाकात की थी। तब मांतुरोव के कार्यालय द्वारा जारी एक सरकारी बयान में कहा गया था कि आरटी इंडिया चैनल का शुभारंभ वर्ष के अंत तक नई दिल्ली में किया जाएगा।

'विदेशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आने वाले विदेशी राष्ट्राध्यक्षों से नहीं मिलना चाहिए।

मीडिया पुतिन की यात्रा को लेकर जरुरत से ज्यादा उत्साहित दिख रहा है, उसका अन्तर्निहित संदेश यह है कि यदि एक अच्छे मित्र (ट्रंप) ने मोदी पर हमला किया है, तो दूसरा अच्छा मित्र पुतिन, मोदी के साथ खड़ा है।

अमेरिका को अंगूठा दिखाकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बेहद निर्भर है। लेकिन रूस पश्चिमी प्रतिबंधों और तकनीकी सप्लाई रुकने के कारण भारत की कई महत्वपूर्ण रक्षा मांगों को पूरा करने में नाकाम रहा है।

इस गहरी रक्षा निर्भरता के बीच भारत अच्छी तरह जानता है कि रूस का चीन के साथ रिश्ता बेहद करीबी है। पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग "सीमाहीन दोस्ती" की घोषणा कर चुके हैं, जबकि चीन लगातार भारत को हिमालयी सीमाओं पर परेशान कर रहा है। इन दिनों चीन ने अपनी विशाल सैन्य शक्ति और रक्षा क्षमताओं का लगातार प्रदर्शन किया है, जिसका संज्ञान अमेरिका तक ने गंभीरता से लिया है। भारत की सुरक्षा अभी भी काफी हद तक रूसी आपूर्ति पर ही टिकी हुई है।

इन हालात की तुलना में भारत रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में बेहद पीछे है। चीन की तरह डिफैंस सैक्टर में भारत के पास उत्पादन क्षमता और तकनीकी नवाचार नहीं हैं।

ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि यदि हिमालयी सीमा या हिंद महासागर क्षेत्र में भारत-चीन के बीच गंभीर तनाव बढ़ता है तो क्या होगा? चीन ने हाल ही में हिंद महासागर में भी अपनी दावेदारी जतानी शुरू कर दी है, जिसे भारत अपना बताता है। ऐसे में क्या रूस भारत का साथ देगा? यह बड़ा सवाल बना हुआ है।

भारत जब रुस से अपनी दोस्ती बढ़ा रहा है, उस दौरान पश्चिमी यूरोप काफी नाराज़ दिख रहा है। पश्चिमी देश बार-बार पूछ रहे हैं कि भारत कब तक दो अलग-अलग खेमों, एक तरफ रुस और उसके कुछ मित्र देशों, और दूसरी तरफ पूरे पश्चिमी गठबंधन के बीच संतुलन बनाए रख पाएगा।

हालांकि एक क्षेत्र ऐसा है, जो भारत और रूस दोनों के लिए साफ तौर पर फायदे का सौदा है। वह है, दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्ते।

अभी तक भारत-रूस के आर्थिक रिश्ते बहुत कमजोर रहे थे। रूस से कच्चे तेल की खरीद पहले बेहद कम थी, अधिकतर लॉजिस्टिक दिक्कतों के कारण। लेकिन जब रूस ने रियायती कीमतों पर तेल देना शुरू किया, तो भारत की खरीद तेजी से बढ़ी।

रुसी तेल खरीदने पर अमेरिका द्वारा प्रतिबंधों की धमकियों के बावजूद, भारत ने कुछ समय तक यह सस्ता तेल खरीदना जारी रखा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं और भारतीय कंपनियाँ धीरे-धीरे रूसी रियायती तेल खरीदने की अपनी पसंद बदल रही हैं।

भारत द्वारा बड़े रक्षा सौदों और तेल की भारी खरीद ने आपसी व्यापार को बढ़ाया है, लेकिन इससे गहरा असंतुलन भी पैदा हुआ है। रूस से भारत का व्यापार घाटा (ट्रेड डैफिसिट) काफी बढ़ गया है, जिसे अब संतुलित करने की कोशिश की जा रही है।

रूस द्वारा भारत से खरीदारी लगभग नगण्य ही रही है। भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स, उपभोक्ता सामान और वे पारंपरिक उत्पाद, जो सोवियत दौर में खूब बिकते थे, अब रूसी बाजार में लगभग गायब हैं। इसलिए भारत का जोर अब व्यापक और विविध व्यापार संबंध बनाने पर है।

दोनों देशों के बीच दिखाई जा रही दोस्ती से आगे बढ़कर उम्मीद है कि यह यात्रा भारत-रूस संबंधों को अधिक संतुलित और परिपक्व दिशा देने के लिए ठोस आधार तैयार करेगी।

पूर्व राज्यपाल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बिड़ला सहित विभिन्न नेताओं ने स्वराज के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

स्वराज का स्वास्थ्य पिछले कुछ दिनों से खराब चल रहा था और उन्हें आज सुबह यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।

उनकी पत्नी एवं पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज का अगस्त 2019 में निधन हो गया था। उन्होंने 1975 में सुषमा स्वराज से शादी की थी। उनकी पुत्री बांसुरी स्वराज भाजपा की नेता एवं नयी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908